केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
फरवरी 2025 – मार्च 2025 । 299

श्रेयस
Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
February 2025 - March 2025 I 299

साइबर खतरा: सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
Stay Vigilant Stay Safe: Cyber threats Ahead

State in focus Karnataka
Rooted in tradition, driven by innovation

Internal

दिनांक 14.02.2025 को अंचल कार्यालय, हैदराबाद में श्री बी चन्द्रशेखर, मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद, अं.का / क्षे.का / एलसीबी / एमसीबी / आरएएच / एमएसएमई सुलभ / एसएएम और एआरएम की समीक्षा बैठक में श्री के.सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का स्वागत करते हुए।

Sri. B Chandra Sekhara, CGM, Hyderabad CO welcoming Sri. K Satyanarayana Raju, MD & CEO to Hyderabad CO on 14.02.2025 for review of CO, ROs, LCBs, MCBs, RAHs, MSME SULABHs, SAM & ARM.

दिनांक 01.02.2025 को लखनऊ अंचल कार्यालय में आयोजित कारोबार सह समीक्षा बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी के साथ छायाचित्र में लखनऊ अंचल कार्यालय के महाप्रबंधक श्री रंजीव कुमार व अन्य कार्यपालकगण।

ED Sri. Debashish Mukherjee at the Business cum Review meet held at Lucknow CO on 01.02.2025. Sri. Ranjeev Kumar, GM, Lucknow CO, and other executives also seen in the picture.

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत स्तौ संपरीत्य विविनक्ति धीर://
(कठोपनिषद् II - 2)
Both good and pleasant approach us:
The wise on examining choose the good. (Kathopanishad II - 2)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

श्रेयस – SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Magazine of Canara Bank
फरवरी 2025 – मार्च 2025 I 299 / February 2025 - March 2025 I 299

ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Hardeep Singh Ahluwalia
S K Majumdar
D Surendran
T K Venugopal
E Ramesh
Someshwara Rao Yamajala
Priyadarshini R
Manish Abhimaniyu Chaurasia

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITORS
Winnie Panicker

सह संपादक (हिंदी)
मनीष अभिमन्यू चौरसिया

Edited & Published by
Priyadarshini R
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.

ABCI Member

CONTENTS

2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
4 हमारे नये कार्यपालक निदेशक / Our New Executive Director
5 संपादकीय / Editorial
6 New CGMs and New GMs Messages
10 Insights and Inspirations
11 Farewell Messages of Executives
12 Awards and Accolades
13 "Unethical Practices- a Menace." - Rajesh Kumar Das
16 Protect your Digital Dharma, Stay Safe Online! - Aanchal Srivastava
17 कर्नाटक के लोकनृत्य – निशा शर्मा
19 Digital Deception: Real-Life Cyber Scams and How to Stay Safe - V Padmaja
21 Econ speak - Madhavankutty G
23 Grandma & the Scammer- A tale of wit and resilience - Abrar Ul Mustafa
26 ODE TO RIVER GOMTI: A walk down the memory lane - Pradeep Tandon
27 साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत कन्नड़ भाषा का उत्कृष्ट साहित्य – शशि कांत पाण्डेय
31 भारत में ऋण ऐप धोखाधड़ी: एक गहन अध्ययन – राहुल प्रकाश
33 Gen Z Literature
34 अंचल समाचार / Circle News
43 Health Column - Venkatesh Prasad B K
44 Women's day celebrations at Head Office, Bengaluru
46 KARNATAKA - "Political Economy of the Pacific" - M. Kowsalya
48 Fun corner
49 The Essence of Cyber Threat and Security - Mahadevan R
52 बैंकिंग में साइबर अपराध – धीरज जुनेजा
58 मैसूर पाक – अल्पना शर्मा
59 Off Beat Course
60 Mule Accounts & Cyber Scams: Dark Web of Digital Fraud - Nishbat Mansoori
64 गाँव के सम्मान का नया स्वाद: गोपाल स्पेशल – प्रिया पँवार
66 Stay vigilant, Stay Safe: Cyber Threats Are Closer Than You Think - Abdul Qadeer
67 Family Folio
68 Sports Column
69 Reviving Bengaluru's Lifelines: The Inspiring Journey of Anand Malligavad, India's 'Lake Man' - Pushkar Pandey
73 लालच बुरी बला है.... – मोनालिसा पंवार
74 Baby's Corner
75 Sirsi - A Hidden Gem in Karnataka - Medha Hegde
76 Homage
77 "Cyber Threats" - Meneka
78 "साईकिल की सवारी" – अमित कुमार
79 इतिहास की ओर! – गौरव जोशी
82 सतर्कता से है समझदारी – अस्मिता द्विवेदी
83 Wisdom Capsule
84 परंपरा में निहित, नवाचार द्वारा संचालित– कर्नाटक की अद्भुत संस्कृति – आशीष शर्मा
85 Whispers from HAMPI - Mousumi Mohanty
87 Recipe Corner - Vangi Bath - HML team
88 Book Review - Winnie J Panicker

Internal

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, मैं हमारे बैंक की प्रत्येक महिला सहकर्मी के अविश्वसनीय योगदान की सराहना करता हूँ जिनका समर्पण और दृढ़ता हमारे बैंक की सफलता के प्रमुख कारकों में से एक है। बैंक सभी पेशेवर आयामों में लैंगिक समानता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे बैंक में उच्च पदों पर महिला कार्यपालकों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है जो प्रत्येक बीतते वर्ष के साथ और अधिक भी ऊँचे पद पर पहुँच रही हैं। यह गर्व की बात है कि हमारा बैंक एकमात्र ऐसा बैंक है जिसमें सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 3 महिला मुख्य महाप्रबंधक हैं। मैं प्रत्येक कर्मचारी से आग्रह करता हूँ कि वे अपना कार्य अपनी पूरी क्षमता से करें। अपने आपको किसी एक चीज़ तक सीमित न रखें, करियर में निरंतर आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करें।

हाल के दिनों में सबसे चर्चित विषय और हम सभी को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मुद्दा डिजिटल बैंकिंग इकोसिस्टम की सुरक्षा है। तेज़ी से जुड़ती जा रही इस दुनिया में, साइबर सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पहले कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही। जैसे–जैसे हम डिजिटल परिवर्तन को अपना रहे हैं और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपनी सेवाओं को बढ़ा रहे हैं, हमें अभूतपूर्व साइबर खतरों का भी सामना करना पड़ रहा है। साइबर सुरक्षा समय की मांग है और एक ज़िम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में हमने उन ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए अधिकतम रोकथाम को शामिल किया है जो हमारे प्राथमिक हितधारक हैं। हाल के दिनों में, हमने बैंकिंग संस्थानों पर साइबर हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है जिससे संवेदनशील डाटा से समझौता हुआ है और व्यावसायिक परिचालन बाधित हुआ है, हमें इन खतरों से निपटने में सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा एक सामूहिक प्रयास है जिसमें बैंक का प्रत्येक कर्मचारी शामिल है। हममें से प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहकों की जानकारी की सुरक्षा करने तथा अपने बैंकिंग परिचालन की अखंडता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमने अत्याधुनिक तकनीकों, उन्नत खतरे का पता लगाने वाली प्रणालियों, मनी म्यूल

Dear Canarites,

On the occasion of International Women's day, I take this opportunity to appreciate and celebrate the incredible contributions made by each of our Women colleagues whose dedication and resilience is one of the major factors for the success of our bank. The bank is committed to achieving gender parity across all professional dimensions and we have relatively more number of women executives on the top echelon who have been churned out to the top level with each passing year. It is a matter of pride that ours is the only Bank that has 3 women Chief General Managers amongst all Public Sector Banks. I urge each employee to unlock your full potential at work. Do not let anything hold you back, climb the career ladder and achieve your dreams.

The most discussed topic of the recent times and a critical issue that affects all of us is the security of our digital banking ecosystem. In a world that is increasingly connected, our commitment to cybersecurity has never been more vital. As we embrace digital transformation and enhance our services through technology, we also face unprecedented cyber threats. Cybersecurity is the need of the hour and as a responsible Public Sector Bank we have incorporated maximum prevention to safeguard the interests of the customers who are our primary stake holders. In recent times, we have witnessed a significant rise in cyberattacks on banking institutions, compromising sensitive data and disrupting business operations, we must remain vigilant and proactive in combating these threats.

Cybersecurity is a collective effort that involves every single employee of this bank. Each one of us play a crucial role in safeguarding our customers' information and ensuring the integrity of our banking

Internal

डिटेक्टरों और बहु–कारक प्रमाणीकरण में पर्याप्त निवेश किया है। हमारा साइबर सुरक्षा विभाग संभावित खतरों की लगातार निगरानी कर रहा है और हमारे बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को लागू कर रहा है। हालाँकि, अकेले तकनीकी हमारी रक्षा नहीं कर सकती। हमें पूरे संगठन में साइबर सुरक्षा जागरूकता की संस्कृति अपनानी होगी।

हमारे कर्मचारियों के लिए साइबर धोखाधड़ी के संभावित खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उन्हें सक्षम बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं। हम अपने मूल्यवान ग्राहकों की सुरक्षा के लिए नियामक निकायों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं, जिनका विश्वास हमारा आधार है। भविष्य को देखते हुए, हम अपने साइबर सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि तकनीकी लगातार विकसित हो रही है। हम उभरते खतरों का पूर्वानुमान लगाने और सक्रिय रूप से उनका मुकाबला करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग की शक्ति का उपयोग कर रहे हैं।

मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आज के बैंकिंग परिदृश्य में साइबर सुरक्षा के महत्व को पहचानें, सतर्क रहें और अच्छी साइबर सुरक्षा तरीकों को अपनाएँ। आइये, हम सब मिलकर एक सुरक्षित और सुदृढ़ बैंकिंग वातावरण का निर्माण करें, अपने ग्राहकों की आस्तियों की सुरक्षा करें और वित्तीय विश्वास को बढ़ावा दें। आइए हम सभी साइबर जागरूक बनें और अपने ग्राहकों को भी जागरूक बनाएँ। आइए, हम अपने बैंक के मूल मंत्र रहें संग, बढ़ें संग से पूरी दुनिया को चरितार्थ करें!

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

मंगल कामनाओं सहित,

के. सत्यनारायण राजु
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

operations. We have made substantial investments in state-of-the-art technologies, advanced threat detection systems, money mule detectors and multi-factor authentications. Our cybersecurity wing is continuously monitoring for potential threats and implementing best practices to ensure the safety of our infrastructure. However, technology alone cannot protect us. We must adopt a culture of cybersecurity awareness throughout the organization.

Regular training sessions are conducted to equip our employees with the knowledge they need to recognize and respond to potential threats effectively. We are also actively collaborating with regulatory bodies and cybersecurity experts to stay ahead of the curve to safeguard our valued customers whose trust is our foundation. Looking ahead, we are committed to enhancing our cybersecurity framework as technology continues to evolve. We will harness the power of artificial intelligence and machine learning to predict and counter emerging threats proactively.

I urge each one of you to recognize the importance of cybersecurity in today's banking landscape, remain vigilant and adopt good cybersecurity practices. Together, let us build a secure and resilient banking environment, protecting our customers' assets and fostering financial confidence. Let us all be Cyber Aware and extend our knowledge to the customers in preventing cybercrimes. Let us continue to prove to the world that "Together we can"!

Wish you all the very best

With warm regards,

K. Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO

Internal

हमारे नये कार्यपालक निदेशक Our New Executive Director

Sri. Santanu Kumar Majumdar

Dear Canarites,

It's with immense pleasure and a deep sense of responsibility that I stand before you today as your New Executive Director. I am truly honoured to be a part of this Esteemed Bank.

Your dedication, expertise, and commitment have built our reputation and ensured our continued growth. I assure you that my primary focus will be building upon the solid foundation you've already established.

My vision for our Bank will be continued innovation, market penetration & sustainable growth. Our unwavering commitment to our colleagues, customers and the communities we serve remains the foundation of our being. We will strive to be at the forefront of the Financial Industry, adapting to the ever-changing landscape and leveraging new technologies to enhance our banking services.

We will continue prioritising ethical practices and responsible lending ensuring that we contribute positively to the economic well-being of our stakeholders. I believe in the power of teamwork, and I am committed to provide you with the support and resources you need to excel in your roles.

I am excited about the opportunities that are lying ahead and ready to hear the success stories from all of you. I am confident that together we will continue to achieve great things. I look forward to working alongside each one of you to build a stronger and more successful Canara Bank.

Thank you for your warm welcome, I am looking forward to connect with all of you.

Warmest Regards

Santanu Kumar Majumdar
Executive Director

श्रेयस टीम आपकी सफलता की कामना करती है।

Shreyas team wishes him all success

Internal

संपादकीय

Editorial

प्रिय साथियों,

साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा वर्तमान में हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के तेजी से विकास के साथ, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर हमारी निर्भरता तेज़ी से बढ़ी है। हालाँकि, इस बढ़ी हुई निर्भरता ने हमें विभिन्न प्रकार के साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील भी बना दिया है। साइबर अपराध, जिसमें पहचान की चोरी, फ़िशिंग, रैनसमवेयर और ऑनलाइन उत्पीड़न शामिल हैं, व्यक्ति विशेष व संगठनों पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। साइबर अपराधी पीड़ितों को संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने या उपकरणों और नेटवर्क तक अनधिकृत पहुँच प्राप्त करने के लिए विभिन्न हथकंडे अपनाते हैं। इन खतरों से निपटने के लिए, साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इसमें मज़बूत पासवर्ड का उपयोग करना, सॉफ़्टवेयर को अपडेट रखना, लिंक पर क्लिक करते समय या अटैचमेंट खोलते समय सावधानी बरतना और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन व्यवहार के बारे में जागरूक होना और संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करना, साइबर अपराध को रोकने में मदद कर सकता है।

डिजिटल गिरफ़्तारियों और धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के साथ, वित्तीय संस्थानों ने साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना शुरू कर दिया है। दूरसंचार सेवा ने जागरूकता बढ़ाने में काफ़ी हद तक योगदान दिया है। किसी भी सेवा प्रदाता द्वारा पूर्व में रिकॉर्ड किए गए परामर्श संदेश जो हममें से कई लोगों को परेशान करते हैं, लेकिन इसने सभी तबकों के लोगों में व्यापक जागरूकता पैदा की है। श्रेयस का यह अंक साइबर सुरक्षा पर केंद्रित है जो समय की मांग है। साइबर सुरक्षा क्या है, साइबर सुरक्षा के प्रकार से लेकर बैंकर के दृष्टिकोण से व्यक्तिगत अनुभवों जैसे विषयों के लेख को इस अंक में संग्रहित किया गया है।

इस अंक में जिस राज्य को शामिल किया गया है, वह कर्नाटक है, जो भारत का आठवां सबसे बड़ा राज्य है। हमारे संगठन को कर्नाटक की विकास गाथा का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त है और हमें राज्य के विकास में योगदान देने पर गर्व है। यह जीवंत विरोधाभासों की भूमि है, जहां प्राचीन परंपराएं आधुनिक नवाचारों के साथ सहजता से घुलमिल जाती हैं। कारवार के सुंदर समुद्र तटों से लेकर कूर्ग की धुंध भरी पहाड़ियों तक, महानगरीय और जीवंत बेंगलूरु से लेकर सकलेशपुर जैसे हरे–भरे पहाड़ी शहरों तक, कर्नाटक के विविध परिदृश्य वास्तव में आँखों को आनंदित करने वाला है।

राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इसके भव्य मंदिरों, जीवंत त्योहारों और स्वादिष्ट व्यंजनों में प्रतिबिंबित होती है। व्यंजनों का जिक्र करते समय विभिन्न बाथों का जिक्र किए बिना रहा नहीं जा सकता। – प्रतिष्ठित बिसीबेले बाथ, केसरी बाथ, खारा बाथ और वांगी बाथ। हल्के मीठे विशेष सांबर के साथ परोसे जाने वाले स्वादिष्ट कुरकुरे बेन्ने दोसे, मैसूर मसाला दोसे, नीर दोसे, रागी मुद्दे आपके अंदर की भूख की लालसा को और बढ़ाता है। मुंह में पानी ला देने वाली डोन्ने बिरयानी और घी रोस्ट आपको पुनः खाने के लिए प्रेरित करती है। राज्य अपने आतिथ्य सत्कार, कला और संस्कृति के प्रति प्रेम और समुदाय की मजबूत भावना के लिए जाना जाता है। यह समावेशिता और सहयोग की भावना ही है जिसने कर्नाटक को विशेष रूप से बेंगलूरु जैसे महानगरीय शहर में संस्कृतियों और परंपराओं का मिश्रण बना दिया है। आइये कर्नाटक की अनोखी धरोहर की खोज में हमारे संग जुड़े!

आशा है कि आप इस विशेषांक को पढ़कर प्रसन्नचित्त होंगे। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतज़ार रहेगा। कृपया केननेट पर हमारी गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर / या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणी दें अथवा 080 – 22233480 पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

अगाध प्रशंसा और कृतज्ञता के साथ

प्रियदर्शिनि आर
संपादक

Dear Colleagues,

Cybercrime and cybersecurity have of late become integral parts of our daily lives. With the rapid growth of technology and the internet, our dependence on digital platforms has increased exponentially. However, this increased dependence has also made us vulnerable to various types of cyber threats. Cybercrime, which includes identity theft, phishing, ransomware, and online harassment, can have severe consequences on individuals and organizations. Cybercriminals use various tactics to trick victims into revealing sensitive information or gaining unauthorized access to devices and networks. To combat these threats, it is essential to prioritize cybersecurity. This includes using strong passwords, keeping software up-to-date, being cautious when clicking on links or opening attachments, and using antivirus software. Additionally, being aware of online behaviour and reporting suspicious activity can help prevent cybercrime.

With increasing incidents of digital arrests, and scamming, financial institutions have started to increase awareness on cybersecurity. The telecom service has contributed largely to increase the awareness. The pre-recorded advisory messages which buzzes irrespective of any service provider might seem like a nuisance to many of us, but it has created widespread awareness amongst the people of all strata. This issue of Shreyas focusses on Cybersecurity which is the need of the hour. The articles cover topics like what is cybersecurity, types of cybersecurity and personal experiences from a view point of a banker.

The State covered for this issue is Karnataka, the eighth-largest state in India. Our organization has the privilege of being a part of Karnataka's growth story, and we're proud to have contributed to the state's development. It is a land of vibrant contrasts, where ancient traditions blend seamlessly with modern innovations. From the scenic beaches of Karwar to the misty hills of Coorg, from a cosmopolitan and happening Bangalore to the lush and green hill towns like Sakleshpur, Karnataka's diverse landscapes are truly a feast for the eyes.

The state's rich cultural heritage is reflected in its magnificent temples, vibrant festivals, and mouth-watering cuisine. Mentioning of cuisines one cannot resist the different “baths”- the iconic bisi bela bath, kesari bath, Khara bath and Vangi Baths. The irresistible crispy benne dose, mysore masala dose , neer doses , ragi muddes which is served with the special sambar with a touch of sweetness leaves you craving for more. The mouth-watering Donne biriyanis and ghee roasts keep you coming back for more. The state is known for its hospitality, love for art and culture, and strong sense of community. It's this spirit of inclusivity and cooperation that has made Karnataka a melting pot of cultures and traditions especially in a cosmopolitan city like Bengaluru. Join us in this issue in discovering the many wonders of Karnataka!

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080–22233480.

With profound admiration and gratitude

Priyadarshini R
Editor

Internal

"This is not just a milestone for me, but a testament to the strength and dedication of my fellow Canarites".

It is with immense pride and gratitude that I share my elevation to the position of Chief General Manager—a milestone that marks not just a personal achievement but a reaffirmation of my commitment to our mother bank.

I extend my heartfelt gratitude to the Top Management for the invaluable opportunities, guidance, and unwavering support that have shaped my professional growth. This new role comes with greater responsibilities, and I am committed to upholding the bank's legacy of financial inclusion, customer-centric innovation, and sustainable growth.

The banking industry is undergoing a profound transformation driven by artificial intelligence and a growing focus on customer-centric services. From mobile banking to advanced data analytics, technology is reshaping how banks operate and engage with clients. As professionals in this field, we have the opportunity to contribute by embracing innovation, enhancing operational efficiency, and continuously improving the customer experience. By staying agile and adopting new technologies, we can not only stay ahead of the curve but also help shape the future of banking. Our commitment to progress and adaptation will be key to navigating this evolving landscape successfully.

As I step into this new chapter, I remain steadfast to contributing even more towards the bank's vision and mission, ensuring we continue to create value for our customers, stakeholders, and the communities we serve.

With Best Wishes and Warm Regards,

Alok Kumar Agarwal
Chief General Manager

I am humbled and honoured to share with you that I have been elevated to the position of Chief General Manager at Canara Bank. This milestone is not just a personal achievement but a reflection of the collective efforts, dedication, and support of each one of you. I am overwhelmed by the confidence and trust placed on me by the Top Management and committed to perform up to the expectations to elevate our Bank to greater strides. At this juncture I want to pay my tributes to Syndicate Bank, my Mother Bank which helped and groomed me to achieve the position of where I am today.

Over the years, I have had the privilege of working alongside some of the most talented and committed professionals in the banking industry. Your hard work, integrity, and commitment to excellence have not only helped the bank grow but have also inspired me every single day.

As I step into this new role, I carry with me a deep sense of responsibility to continue fostering a culture of growth, transparency, and innovation and I am committed to maintaining the highest standards of professionalism, ethics, and governance. Let us continue to uphold the values that define Canara Bank — trust, resilience, and service to our customers and communities.

Together, I am confident we will achieve greater heights and set new benchmarks in the banking sector.

Thank you once again for your unwavering support.

With warm regards,

T K Venugopal
Chief General Manager

Internal

मैं अपने प्रिय बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में अपनी नियुक्ति पर अत्यंत प्रसन्न और सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। पिछले 33 वर्षों से केनरा बैंक परिवार का हिस्सा बनना एक शानदार एहसास है। मुझ पर उच्च जिम्मेदारी निभाने हेतु विश्वास जताने के लिए मैं अपने बैंक के शीर्ष प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों को भी उनके समर्थन, मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए धन्यवाद देता हूँ, जिससे मुझे आज इस मुकाम तक पहुँचने में मदद मिली। मैं हमेशा टीम वर्क, योजना, समर्पण, अच्छी ग्राहक सेवा, सार्वजनिक संबंध और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण में विश्वास करता हूँ, जो हमें अपने विभिन्न लक्ष्यों और जिम्मेदारियों को प्राप्त करने में मदद करता है। जिस दिन से मैंने बैंक ज्वाइन किया है, बैंकिंग उद्योग में एक आदर्श बदलाव आया है। हम मैनुअल बैंकिंग से डिजिटल बैंकिंग के वर्तमान युग में आ गए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम और अधिक उत्साह, समर्पण, आत्मविश्वास और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ काम करेंगे और आने वाले दिनों में इस महान संस्थान को कारोबार में नंबर एक स्थान पर ले जाएंगे।

मैं आप सभी का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि इस नई भूमिका में भी मैं टीम के साथ मिलकर बैंक के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा। आइए, हम सब मिलकर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ देने और बैंक को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

सादर,

शम्भू लाल
मुख्य महाप्रबंधक

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है कि मुझे हमारे प्रतिष्ठित बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह दायित्व मेरे लिए एक नई चुनौती ही नहीं, बल्कि बैंक की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। मैं इस उपलब्धि के लिए अपने माता–पिता एवं परिजनों का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हर कदम पर मुझे संबल प्रदान किया। साथ ही, मैं अपने सभी सहयोगियों का आभारी हूँ, जिनसे मुझे निरंतर सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रही है।

हमारा बैंक सदैव उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक सेवा को प्राथमिकता देता आया है। हमारी सफलता की आधारशिला हमारे समर्पित कर्मचारी, पारदर्शी कार्यप्रणालियाँ और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण पर टिकी हुई है। बैंकिंग क्षेत्र में निरंतर बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं बदलते परिवेश को ध्यान में रखते हुए हमें अपनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, ग्राहक उन्मुख तथा डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहना होगा।

वर्तमान समय में ग्राहकों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। ऐसे में हमें विभिन्न सेवाओं को निरंतर सुधारते हुए ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देनी होगी। बैंक द्वारा संचालित विविध योजनाओं, डिजिटल उत्पादों एवं नवाचारों को अधिकाधिक ग्राहकों तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए हमें बिना किसी संकोच के ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझते हुए, उन्हें सहज, सुरक्षित और सरल बैंकिंग अनुभव प्रदान करना होगा।

मेरा यह सदैव प्रयास रहेगा कि मैं अपने टीम के प्रत्येक सदस्य को प्रेरित करूँ, नए विचारों को प्रोत्साहित करूँ और एक सहयोगात्मक कार्यसंस्कृति को और मजबूत बनाऊँ। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर बैंक को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने में सफल होंगे।

आईए, हम सभी मिलकर बैंक की प्रतिष्ठा को और अधिक सशक्त बनाएं और अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करें। "रहे संग, बढ़े संग" की भावना को अपनाते हुए हम सभी एक–दूसरे के साथ सहयोग करते हुए अपने साझा लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हों। आपकी निरंतर प्रतिबद्धता और परिश्रम ही हमारे बैंक की सबसे बड़ी पूँजी है। इसी समर्पण और ऊर्जा से हम अपने भविष्य को और उज्वल बनाएंगे।

आप सभी का धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ। "रहे संग, बढ़े संग" की भावना को साकार करें।

रंजीव कुमार
मुख्य महाप्रबंधक

Internal

I am indebted to our great organization for elevating me to the position of Chief General Manager. I take this proud moment to extend my gratitude to the Top Management, all my mentors who groomed me and confided in me to take up greater responsibilities. I assure that I shall strive hard to shoulder the higher responsibility for the growth of our Bank.

I joined our great organisation on 5th February 1996 and I have been given excellent opportunities by the Bank in grooming myself in Credit, Forex and International Banking. I always believe in team work, dedication, delegation of authority and sharing of responsibility.

The need of the hour is to adopt new strategies to accelerate growth in Corporate Credit and adoption of new age technologies with focussed approach on delivery of Bank products with minimum Turnaround Time (TAT) and work with team spirit to achieve the Corporate goals to prove our Business Tagline **"Together We Can"**.

Regards,

Prabhat Kiran
Chief General Manager

At the outset, I would like to express my heartfelt gratitude to the Top Management for elevating me to the post of Chief General Manager in our mother Bank. I extend my deepest gratitude to the entire Canara Bank family for their unwavering support and encouragement.

My journey of 25 years in the Bank has been highly rewarding and enriching. The path I have travelled has been filled with countless learnings, rewarding challenges and invaluable relationships. The achievement is not mine, but a reflection of the incredible support, team work and mentorship which I received along the way. I am thankful to all mentors, seniors, peers, juniors and my family members for their support throughout the journey.

As I am embarking on this new chapter of my journey, I am driven by an enduring commitment to serve our beloved organisation with renewed zeal and enthusiasm. We shall always remember that alone we can do so little; together we can do so much. Finally, I whole heartedly dedicate to contribute my best towards our beloved Bank and request each and every Canarite to remain focused, resilient and rise up to occasion to make our Bank the Best Bank in the industry.

I thank once again for all the trust and support extended to me and invite everyone to embark together on this exciting journey towards a future full of limitless opportunities to save the society and Nation.

My Bank, My Pride

Vikram Duggal
Chief General Manager

Internal

I am honoured and humbled to step in to the new role as Chief General Manager of this great institution. I extend my heartfelt thanks to our visionary Top Management for reposing their trust in me and providing continuous encouragement. This achievement is not just mine but a reflection of the incredible support which I received along this journey in the bank from various mentors, seniors, colleagues and customers. I cannot forget the blessings of Almighty and my parents in shaping my position. Last but not least, I cannot forget the support and contribution of my wife and children who sacrificed a lot for my banking career.

With a renewed sense of purpose, I rededicate myself to work with greater zeal towards our collective mission to make this bank best bank to bank with. Over the years banking has evolved a lot, in the present world, the customer relationship and liability management are the challenges ahead of us. Together, let us continue to build on the strong foundation laid down over the years—leveraging innovation, enhancing customer experience, and fostering inclusive growth. Our shared values, resilience, and unity will guide us in achieving new milestones and elevating our Bank to greater heights.

Let us move forward with optimism and a sense of responsibility—"Together, We Can".

Mahesh M Pai
Chief General Manager

It has been an enriching journey of 33 years in the bank, and I feel privileged and proud to be elevated to the post of General Manager of the Bank and my heartfelt gratitude to the Top Management for the trust and confidence reposed on me. I sincerely thank my Seniors, Mentors, team members and family members for their guidance, support and co-operation.

Bank had given me opportunity to traverse my banking journey from Clerk to General Manager across varied fields of banking with placements in Corporate Credit/Prime Corporate Credit Wings at HO, PCB/LCBs, MSME Sulabh, LBA Section at Circle, exposures in areas of rural banking, Recovery/Stressed Assets Management, International Banking, Trade Finance etc. The journey has been rewarding and fascinating.

I have seen the transition of the banking operations from manual environment to ALPM, to Core banking and to Digital Banking. The bank has been growing from strength to strength. The USP of the bank remains it's strong relationship and bonding with our Customers as represented by the seamless triangles in our logo. With the strong customer relationship, the robust internal control systems, compliance culture, technology and product innovations etc and with a visionary leadership at the helm, we will be seeing our bank transcending to the next level.

In this era of competition and thin margins, high service standards which comes with sound domain knowledge and customer centric approach, cutting edge technology and go get attitude will only help us maintain and improve our market share.

Let us work together towards making our Bank `The most preferred bank to Bank with'.

R Krishna Prasad
General Manager

Internal

I'm overwhelmed with gratitude and humility as I take on the role of General Manager. This elevation is not just a recognition of my own efforts, but also a testament to the hard work, dedication, and support of each and every one of you. As I look back on my journey, I'm reminded of the countless opportunities I've had to learn, grow, and thrive within this organization. I've had the privilege of working alongside talented individuals who have become like family to me.

As I step into this new role, I want to assure you that my commitment to our organization's mission, values, and people remains unwavering. I'm eager to work closely with each of you to drive growth, innovation, and success. My sporting background has taught me that leadership is not just about achieving personal success, but about empowering others to succeed. I'm committed to creating opportunities for growth, development, and recognition for all employees. I'd like to support the development of our future leaders and my door is always open for you to share your ideas, feedback, and concerns with me.

Thank you again for your support and trust. I'm honoured to serve as your General Manager and look forward to achieving great things together!

Best regards,

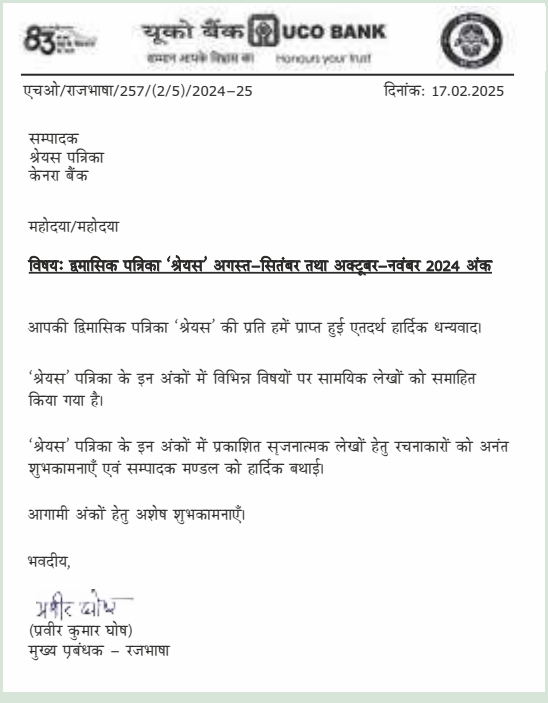

Venkatesh Prasad B K
General Manager

यूको बैंक UCO BANK

एचओ/राजभाषा/257/(2/5)/2024–25 दिनांक: 17.02.2025

सम्पादक
श्रेयस पत्रिका
केनरा बैंक

महोदया/महोदया

विषय: द्वमासिक पत्रिका ‘श्रेयस’ अगस्त–सितंबर तथा अक्टूबर–नवंबर 2024 अंक

आपकी द्विमासिक पत्रिका ‘श्रेयस’ की प्रति हमें प्राप्त हुई एतदर्थ हार्दिक धन्यवाद।

‘श्रेयस’ पत्रिका के इन अंकों में विभिन्न विषयों पर सामयिक लेखों को समाहित किया गया है।

‘श्रेयस’ पत्रिका के इन अंकों में प्रकाशित सृजनात्मक लेखों हेतु रचनाकारों को अनंत शुभकामनाएँ एवं सम्पादक मण्डल को हार्दिक बधाई।

आगामी अंकों हेतु अशेष शुभकामनाएँ।

भवदीय,

(प्रवीर कुमार घोष)
मुख्य प्रबंधक – रजभाषा

Insights and Inspirations

Internal

As I retire, I reflect with gratitude on this incredible journey with you all. I believe everyone should have a dream and work towards it with dedication while taking their family and team along. Success is never an individual effort - it thrives on teamwork and mutual support.

Recognizing and nurturing the potential of those around us brings out the best in them and strengthens the organization. Every day presents new challenges, and facing them with discipline, punctuality, and commitment leads to a fulfilling career and work-life balance.

Above all, integrity must guide our actions. Short-term gains may seem rewarding, but true success lies in upholding the institution's values and interests.

Thank you for the invaluable experiences, friendships, and lessons. I leave with cherished memories and wish you all continued success in your journey.

K Kalyani
Ex Chief General Manager

Greetings to everyone. I joined Syndicate Bank during October 1990 as a Probationary Officer. I moved to Information Technology vertical during November 1994. Computerization in Syndicate Bank was in nascent stage with only selected branches having ALPMs and very few branches were TBMs. My journey in IT was quite challenging and exciting. I was actively involved in various computerization activities like implementation of ALPM, TBM and CBS and software development. I was a group leader for CBS conversion in Syndicate Bank between 2005 to 2008. When I joined as a group leader only 50 branches were migrated to CBS and all the remaining branches migrated to Core Banking under my leadership.

I was the team leader during 2008-2010 for CASA/TD support in DIT. During this period, I had to prepare functional specification document for implementation of KYC and risk categorization of customers in the system. This is the first step in Bank for implementation of KYC. I moved to General Banking in 2010 and worked in various branches and offices across different geographic locations. I gained expertise in Branch Banking, Inspection system, corporate and retail lending etc. I worked as a Regional Manager for Vadodara region before moving to Priority Credit Department, HO as Deputy General Manager. During my tenure in PSCD, the Government announced amalgamation of Banks. I was in synergy team to integrate the agriculture lending policies of Syndicate Bank and Canara Bank.

Post amalgamation I worked as wing head for LB & RRB and also as Convener of SLBC Karnataka. The country was struggling with pandemic during this period. As SLBC convener, I ensured to provide uninterrupted Banking services in Karnataka with the help of State Government, RBI and other stake holders.

Internal

I headed the Central Processing Wing/vertical from November 2021. I streamlined the functioning of CPHs by leveraging technology and maintaining cordial relationship with field functionaries and HO Wings. Further, I undertook data cleansing as part of CDDA project in a big way.

During the tenure in CP Vertical/wing, I have taken the following initiation for CPHs:

1. Approximately 1.80 cr of CASA accounts were opened at CPHs.
2. Ensuring nil pendency of account opening applications in CPH on daily basis.
3. Improved the average account opening at CPHs from 10000 per day to 25000 per day.
4. 90% of eligible accounts are covered with debit cards.
5. 99% of valid mobile numbers are updated in all newly opened accounts at CPHs.

I was born in a rural place and with my commitment and hard work I have reached the position of General Manager of Canara Bank. I firmly believe that, every one of you are having potential to reach the greater heights. This is possible only if you acquire the desired knowledge along with commitment for the organization. I would like to see Canara Bank reach greater heights with the active contribution of 80000+ work force. Wishing all of you good luck.

Warm regards,

B Chandrasekhara Rao
Ex General Manager

श्रेयस की टीम आपके सुखद सेवानिवृत्त जीवन की कामना करती है।

**Shreyas team wishes them a happy retirement,
"Let the Golden years be bright, happy and fulfilling".**

Awards and Accolades

"Shreyas" won the Global Brand Excellence Award for Best In-House Magazine, 2nd time in a row, in the award ceremony conducted by World Brand Congress. The award ceremony was held on 20.02.2024 at Taj Lands' End, Mumbai. Smt. Priyadarshini R, Editor, Shreyas received the award on behalf the Bank. The Award was presented by Smt. Supriya Bambawle, Global Marketing and HR Expert, Capgemini and Smt. Anya D'Zousa, Vice President, Global Marketing ELGI Equipments.

Internal

"Unethical Practices- a Menace."
Recent incidents of unfair /unethical practices - Root cause analysis and mitigation

Rajesh Kumar Das
Asst. General Manager
Transaction Monitoring Vertical,
Operations Wing, Head Office

"Unethical Practices- a Menace."

"Ethics is knowing the difference between what you have a right to do and what is right to do."

Unethical practices refer to actions that violate moral principles or professional standards, often for personal gain or to achieve certain goals through dishonest means. These practices can occur in various fields, such as business, healthcare, and education, and include behaviours like corruption, fraud, deception, exploitation, and manipulation.

Ethical standards are the basic building block on which value and the culture system of any business entity like the Bank also flourish. Ethical practice in bank is all about bringing transparency, un-biased approach, faithfulness and honesty towards duty, customers and stakeholders. Banking is fundamentally based on trust where public entrust their funds to Banks for safety and investment. Therefore, Banking must be practiced professionally in an ethical and transparent manner.

Examples of ethical behaviours in the workplace inter-alia are obeying the organisation's rules, being courteous & communicating effectively , taking responsibility, accountability, exhibiting professionalism, honesty, integrity, trust and mutual respect for colleagues at work. These ethical behaviours are the stepping stones & pave way for maximum output at workplace, leading to higher level of performance.

Different kinds of unethical practices adopted by bank officials are as follows:

- Sanction of KCC-AH loans without obtaining any documents and security. Further, loan proceeds are transferred to daily wager/son of permanent sub staff of the branch with fictitious narration in CBS instead of actual account number.
- Sanction of Term loans in which Pre-sanction is not done/due diligence is not done with respect to supplier. End use of funds is not ensured. No due diligence done from external agencies.
- Loans sanctioned beyond the delegation of powers were not sent for review to the next higher authority and few loans were deliberately sanctioned for lesser amounts to avoid review by controlling offices.
- Enhancement of OD limit (KCC-AH) was done twice within a week without obtaining any documents and security, violating laid down guidelines of the Bank.
- Misappropriation/Diversion of KCC-AH loan amount by transfer of loan proceeds to close relative accounts with fake narrations in the CBS for deriving pecuniary benefits.
- Fictitious KCC-AH loans were opened and later issued debit cards linked to those CASA accounts without the consent of customers and there was no record available for the issuance of such debit

Internal

cards in ATM issue register. Further, several illegal cash withdrawals came to light with the help of CCTV footage available from the respective ATMs.

- Misutilisation of Bank's fund by debiting GC without proper supporting documents i.e. invoices and also GC debits beyond the delegation of power without obtaining permission from Competent Authority.
- Debiting service charges in bulk from various loan accounts and the proceeds are being credited to CASA account of some other customers, subsequently the amount is being withdrawn through debit card unauthorizedly linked to the customer's account without their consent.
- Involvement of Middlemen in sourcing of loans/advances. Officials are doing reckless and indiscriminate lending in collusion with middlemen, and also accepting bribe through middlemen for having granted various loans to borrowers.
- Window dressing during quarter/year ending to show inflated figures.
- Sanctioned Agricultural Jewel loan to own relatives in violation of delegation of powers and also failed to obtain any ratification in this regard from the Competent Authority.
- Giving false promises to the NPA borrowers for arranging OTS for their NPA accounts even after transfer from the branch and further, paying cash to some loan accounts to avoid slipping to NPA to cover his misdeeds.
- Sanctioned various MSME loans in which purpose of the loans were not ascertained, proforma invoice/quotation/bills/transaction slips were not on record, end use of funds was not ensured and further, diversion of loan proceeds to unrelated parties.
- Several suspicious transactions were reported in staff and their relatives accounts which were not in tune with his known source of income.

Unethical practices in organizations can cause long-term harm to the organization's reputation, lead to legal consequences, and undermine trust with employees and stakeholders. These practices are often driven by short-term goals, such as profit maximization, but have far-reaching negative effects.

1. **Dishonesty and Deception:** Some organizations engage in unethical practices by misleading stakeholders. This can take the form of falsifying financial statements, providing false advertising, or withholding important information. These practices can severely damage an organization's credibility and result in legal penalties.
2. **Discrimination and Harassment:** Unethical organizations may engage in or tolerate discrimination and harassment, whether based on race, gender, age, or other protected characteristics. Failure to address such behaviours can lead to a toxic work environment and legal action from affected employees.
3. **Exploitation of Labour:** Unethical practices often involve the exploitation of workers, particularly in developing countries. This may include paying unfair wages, imposing unsafe working conditions, or exploiting child labour. Such practices violate basic human rights and can cause severe damage to an organization's reputation.
4. **Insider Trading and Corruption:** Insider trading, bribery, and corruption are some of the most common forms of unethical behaviour in organizations. These practices are illegal and undermine market fairness. Corruption distorts decision-making processes and can severely harm the integrity of an organization.
5. **Unfair Pricing and Exploitation of Customers:** Overcharging customers, price gouging during times of crisis, or taking advantage of vulnerable populations are all examples of unethical pricing strategies. These practices erode customer loyalty and can result in regulatory actions or public backlash.

Internal

The result of unethical practices can have wide-ranging and damaging consequences.

For individuals:
These practices may lead to financial loss, legal penalties, and harm to health or well-being.

For Organizations:
In organizations, unethical behaviour can result in damaged reputations, loss of customer trust, legal liabilities, and decreased employee morale.

Along with these other losses may be:

a) Loss of Goodwill from stakeholders
b) Financial loss
c) Exposure to frauds
d) Penalty from Regulators/Govt
e) Loss of existing business/potential business

Root Cause Analysis of Unethical Practices

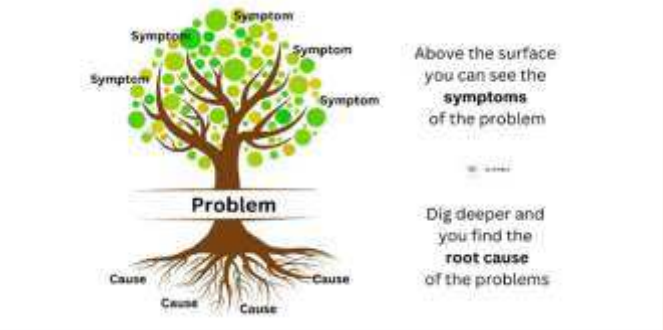

1. **Greed and Profit Maximization:** One of the primary drivers of unethical behaviour is the desire for financial gain or power, leading individuals or organizations to cut corners or engage in fraudulent activities.
2. **Lack of Ethical Culture:** In organizations where leadership does not prioritize ethical behaviour, employees may not feel compelled to act with integrity, leading to unethical decisions becoming normalized.
3. **Pressure to Meet Targets:** Unrealistic goals and intense pressure to perform can push individuals to engage in unethical actions, such as falsifying data, cutting corners, or deceiving stakeholders.
4. **Lack of Accountability:** When there are no stringent checks or consequences for unethical behaviour, individuals feel emboldened to act without fear of reprimand.
5. **Conflicts of Interest:** When personal interests, such as financial incentives or favouritism, conflict with professional duties, it can lead to biased or unethical decision-making.
6. **Inadequate Training and Awareness:** Lack of proper education on ethical standards and regulations can lead to unintentional unethical actions due to ignorance.

Mitigation Strategies:

1. **Fostering Ethical Leadership:** Leaders should model ethical behaviour, creating a culture where integrity is a core value. Strong, principled leadership ensures that employees understand the importance of ethics in decision-making.
2. **Clear Ethical Guidelines and Policies:** Organizations should establish clear codes of ethics, outlining acceptable behaviours and practices. These guidelines need to be communicated regularly to all employees.
3. **Regular Training and Education:** Ongoing ethics training should be provided to ensure that employees are aware of ethical standards and how to apply them in real-world situations.
4. **Accountability and Whistle-blower Protections:** Creating transparent systems of accountability,

Internal

such as audits and independent reviews, along with protections for whistle-blowers, can encourage ethical behaviour and reduce the risk of unethical practices going unchecked.

5. **Setting Realistic Goals:** Management should ensure that performance targets are achievable without the need for unethical shortcuts, reducing pressure on employees to resort to unethical practices.

6. **Conflict of Interest Management:** Organizations should implement policies that identify and manage potential conflicts of interest, ensuring that personal gain does not override professional responsibility.

Take Away:

- Always Adhere to high ethical standards and comply with all relevant regulations.
- Always strictly follow the guidelines issued from time to time
- Always report any ethical violations and non-compliance actions to higher authorities in a suitable way

"Speak with Honesty
Think with Sincerity
Act with Integrity"

"Wrong is wrong even if everyone is doing it and Right is right even if no one is doing it"

*****

Poem

Protect your Digital Dharma, Stay Safe Online!

Aanchal Srivastava
Manager
Cyber Security Wing
Head Office

"Malware's lurking, phishing's sly
Ransomware's waiting, don't ask why
Don't fall for fake emails, it's a trap,
Verify the sender, before you take a snap

Use strong passwords, and keep them tight
Update your software, day and night
Be cautious online, don't click with fear
Stay safe in cyberspace, it's always clear

Hackers are hiding, in every place
But with awareness, you'll win the cyber race
Digital safety, is everyone's role,
Think before you click or scroll!"

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

कर्नाटक के लोकनृत्य

निशा शर्मा
प्रबंधक (राजभाषा)
क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या

कर्नाटक राज्य की संगीत की अपनी एक समृद्ध विरासत है। यहाँ के पारंपरिक लोकनृत्य अपने आप में अनूठे हैं। आइए जानते हैं कर्नाटक के लोकनृत्यों को जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

1. यक्षगान: यक्षगान कर्नाटक का एक प्रमुख पारंपरिक नृत्य नाटक है। इसमें पौराणिक और ऐतिहासिक कहानियों को दर्शाने के लिए नृत्य, संगीत, विस्तृत वेशभूषा और श्रृंगार का संयोजन किया जाता है। यक्षगान कलाकार, जिन्हें "यक्षगारु" के नाम से जाना जाता है, दर्शकों को लुभाने के लिए नाटकीय कहानी कहने की तकनीक और ऊर्जावान नृत्य चालों का उपयोग करते हैं। यक्षगान प्रदर्शन मुख्य रूप से पौराणिक और ऐतिहासिक कहानियों के इर्द–गिर्द घूमते हैं। ये कहानियाँ अक्सर महाभारत, रामायण और पुराणों जैसे हिंदू महाकाव्यों से ली गई होती हैं। यक्षगान अपनी विस्तृत, जीवंत और रंगीन वेशभूषा के लिए जाना जाता है। कलाकार, पुरुष और महिला दोनों, जटिल रूप से डिज़ाइन किए गए परिधान पहनते हैं जिसमें सिर पर टोपी, मुखौटे और सहायक उपकरण शामिल हैं। मेकअप, जिसमें बोल्ड और अभिव्यंजक चेहरे की रंगत शामिल है, यक्षगान की एक खास विशेषता है। संगीत समूह में आम तौर पर चांदे (ड्रम), मडेल (दो सिर वाला ड्रम) और हारमोनियम जैसे ताल वाद्य शामिल होते हैं। संगीतकार नर्तकियों के साथ होते हैं और गीत के माध्यम से कथा का वर्णन करते हैं। कलाकार अक्सर कहानी को व्यक्त करने के लिए जटिल फुटवर्क, तेज स्पिन और नाटकीय हाव–भाव करते हैं। यह नृत्य शारीरिक रूप से कठिन है और इसके लिए उच्च स्तर के कौशल और धीरज की आवश्यकता होती है। । संवाद क्षेत्रीय भाषा कन्नड़ में प्रस्तुत किए जाते हैं। यक्षगान के दो मुख्य क्षेत्रीय रूप हैं: बदगुटिट्टू (उत्तरी शैली) और तेनकुटिट्टू (दक्षिणी शैली)। प्रत्येक शैली की अपनी अनूठी विशेषताएँ और कहानियों का संग्रह है।

2. डोलू कुनिथा: डोलू कुनिथा कर्नाटक का एक जीवंत और ऊर्जावान लोक नृत्य है। नर्तक जटिल नृत्य चरणों को निष्पादित करते समय लयबद्ध धड़कन बनाने के लिए "डोलू" नामक पारंपरिक ड्रम का उपयोग करते हैं। ढोल बजाना नृत्य का मुख्य हिस्सा है और यह पूरे प्रदर्शन की गति निर्धारित करता है। यह एक समूह नृत्य है, जिसमें कई नर्तक प्रदर्शन में भाग लेते हैं। नर्तक समकालिक संरचनाओं में चलते हैं, जिससे देखने में आकर्षक पैटर्न और लय बनती है। नर्तक रंग–बिरंगे और पारंपरिक परिधान पहनते हैं, जिसमें अक्सर चमकीले रंग की धोती (निचले वस्त्र), पगड़ी और अलंकृत कमरबंद शामिल होते हैं। नर्तक अपने टखनों को झनझनाती पायल से सजाते हैं, इन पायलों की आवाज़ ढोल वादन को पूरक बनाती है और समग्र श्रवण अनुभव को बढ़ाती है। इसमें गतिशील और ऊर्जावान मुद्राएं शामिल होती हैं। नर्तक तेज़ पैरों की हरकतें, छलांग, चक्कर और भावपूर्ण हाथ के इशारे करते हैं। यह नृत्य एक उत्साहपूर्ण और आनंदमय ऊर्जा का संचार करता है। जबकि प्राथमिक ध्यान नृत्य और ढोल बजाने पर होता है, डोलू कुनिथा अक्सर लोककथाओं, पौराणिक कथाओं और ग्रामीण जीवन की कहानियाँ सुनाता है। ये कहानियाँ नृत्य और इशारों के माध्यम से व्यक्त की जाती हैं, जो प्रदर्शन में कहानी कहने का तत्व जोड़ती हैं। यह अक्सर सामुदायिक समूहों और स्थानीय मंडलियों द्वारा किया जाता है। यह विभिन्न आयु और पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाता है, जिससे समुदाय और एकता की भावना को बढ़ावा मिलता है।

3. भूत आराधना: भूत आराधना कर्नाटक का एक अनूठा पारंपरिक नृत्य है जो गाँव के देवताओं या "भूतों" को श्रद्धांजलि देता है। नर्तक इन देवताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले विस्तृत मुखौटे और वेशभूषा पहनते हैं और ढोल की लयबद्ध थाप पर प्रदर्शन करते हैं। भूत आराधना एक अनुष्ठानिक नृत्य शैली है जो मुख्य रूप से गाँव के देवताओं की पूजा और

Internal

उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए की जाती है, जिन्हें "भूत" के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि ये देवता स्थानीय समुदाय की रक्षा और आशीर्वाद देते हैं। इसमें कलाकार भूतों का प्रतिनिधित्व करने वाले विस्तृत वेशभूषा और मुखौटे पहनते हैं। ये मुखौटे अक्सर जटिल और देखने में आकर्षक होते हैं, जिनमें रंगीन डिज़ाइन और प्रतीकात्मक विशेषताएँ होती हैं। नृत्य के साथ पारंपरिक संगीत होता है, जिसमें ड्रम, झांझ और पवन वाद्ययंत्र जैसे ताल वाद्य शामिल होते हैं। जबकि भूत आराधना मुख्य रूप से एक धार्मिक अनुष्ठान है, इसमें अक्सर कहानी कहने के तत्व शामिल होते हैं। कुछ उदाहरणों में, भूत आराधना में जुलूस नृत्य शामिल होता है, जिसमें देवता को गाँव या मंदिर परिसर से जुलूस में ले जाया जाता है। यह समुदाय को देवता के साथ बातचीत करने और आशीर्वाद लेने की अनुमति देता है। भूत आराधना का प्रदर्शन अक्सर पारंपरिक अनुष्ठानों और प्रसाद के साथ होता है, जिसमें भूतों को फूल, धूप और भोजन चढ़ाना शामिल है।

4. कामसले नृत्य: कामसले नृत्य एक पारंपरिक लोक नृत्य शैली है जो दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक, विशेष रूप से मलनाड क्षेत्र से उत्पन्न हुई है। कामसले नृत्य का नाम मुख्य रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले संगीत वाद्ययंत्र से लिया गया है, जिसे "कामसले" के रूप में जाना जाता है। कामसले लकड़ी के फ्रेम से जुड़ी पीतल की झांझों की एक जोड़ी है। प्रदर्शन करते समय नर्तक इन झांझों को अपने हाथों में पकड़ते हैं, जिससे लय पैदा होती है। कामसले नृत्य में जटिल और लयबद्ध फुटवर्क शामिल होता है जो कामसले द्वारा निर्मित संगीत को पूरक बनाता है। नर्तक अपने पैरों से जटिल लय और पैटर्न बनाते हैं, जो प्रदर्शन के श्रवण और दृश्य पहलुओं को बढ़ाते हैं। कामसले नृत्य एकल अभिनय और समूह निर्माण दोनों के रूप में किया जा सकता है। नर्तक रंगीन और पारंपरिक पोशाक पहनते हैं, जिसमें अक्सर पगड़ी, धोती और सजावटी वस्त्र शामिल होते हैं। कामसले नृत्य सीखने के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों के तहत कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

5. करगा नृत्य: कर्नाटक में करगा उत्सव में करगा नृत्य के नाम से जाना जाने वाला नृत्य होता है। इस उत्सव के दौरान, एक पुरुष कलाकार, जो महिला के वेश में होता है, सड़कों पर नृत्य करते हुए अपने सिर पर पीतल या तांबे से बना एक बड़ा और अलंकृत करगा (एक पवित्र बर्तन) संतुलित करता है। बर्तन में पानी भरा होता है और उसे फूलों और नारियल के पत्तों से सजाया जाता है। नर्तक पूरे प्रदर्शन के दौरान कुशलता से इस भारी बर्तन को अपने सिर पर संतुलित करता है। करगा नृत्य देवी द्रौपदी का प्रतीक है। कलाकार को "वीर कुमार" या "द्रौपदी" के रूप में जाना जाता है, और वे महाभारत महाकाव्य से देवी द्रौपदी की भूमिका निभाते हैं। वीर कुमार एक पारंपरिक और विस्तृत पोशाक पहनते हैं, जिसमें एक साड़ी, गहने और सजावटी सिर की पोशाक शामिल है। पोशाक देवी द्रौपदी के स्वरूप का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि नृत्य के दौरान द्रौपदी की आत्मा वीर कुमार में समा जाती है और यह नृत्य उनकी यात्रा का प्रतीक है। सिर पर भारी करगा बर्तन को संतुलित करना द्रौपदी की शक्ति और लचीलेपन का प्रतीक है और इसे भक्ति और तपस्या के कार्य के रूप में देखा जाता है। वीर कुमार बिना रुके करगा नृत्य करते हैं। रात भर चलने वाले जुलूस के हिस्से के रूप में यह नृत्य पूरी रात चलता रहता है। करगा नृत्य करने से पहले, वीर कुमार पवित्र कार्य की तैयारी के लिए उपवास और शुद्धि अनुष्ठान करते हैं।

7. वीरगासे: वीरगासे एक पारंपरिक लोक नृत्य शैली है जो विशेष रूप से उत्तरी कर्नाटक के क्षेत्र से उत्पन्न हुई है। वीरगासे को एकल नृत्य और समूह निर्माण दोनों के रूप में किया जा सकता है। एकल प्रदर्शन व्यक्तिगत नर्तकियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने की अनुमति देते हैं, जबकि समूह प्रदर्शन एक सामूहिक और गतिशील प्रदर्शन बनाते हैं। नर्तक रंगीन और पारंपरिक वेशभूषा पहनते हैं जिसमें अक्सर धोती (निचले वस्त्र), पगड़ी और अलंकृत कमरबंद शामिल होते हैं। वीरगासे के कुछ रूपों में, नर्तक अपने शरीर को रंगीन पैटर्न और डिज़ाइन से रंगते हैं, जो नृत्य के समग्र दृश्य सौंदर्यशास्त्र को जोड़ते हैं। वीरगासे में चेहरे के भाव और हाथ के हावभाव की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होती है, जिसे "मुद्रा" के रूप में जाना जाता है, जो भावनाओं, पात्रों और कहानी कहने के तत्वों को व्यक्त करती है। ये भाव प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसके अतिरिक्त भी कर्नाटक के बहुत–से स्थानीय नृत्य और प्रदर्शन हैं जो शैली और प्रस्तुति में एकदम अद्भुत हैं। कर्नाटक की संगीत परंपरा को समृद्ध करने में इन लोकनृत्यों का भी अभूतपूर्व योगदान है।

Internal

Digital Deception: Real-Life Cyber Scams and How to Stay Safe

V Padmaja
Divisional Manager
Research & Development Section
Strategic Planning & Development Wing
Head Office Bengaluru

It was the tenth call from my mother and I was not in a position to attend her call. At 86, she lives alone in Hyderabad, and we have a mutual understanding to talk only on Sundays, when I can spare time for a leisurely conversation. But unusually, why was she calling on a Wednesday morning at 11:30 AM? My heart told me something was wrong.

I could not hold more, so I excused myself from my review meeting and answered. "What happened, Amma? Is everything Ok ?????

She sounded distressed. I think I have misplaced the Debit card. Do you remember where I had kept it ??? What was the PIN, we changed to? I am not able to recollect. She continued "I got a call from my bank. They asked for my Aadhaar, PAN, and debit card details, including my Debit card PIN. I couldn't find my card and recollect the PIN, so I asked them to call back while I note down the details. I already shared my Aadhaar and PAN. Can you tell me the rest? They said my account will be blocked and further pension will not be credited without these details "

My heart skipped a beat fearing the worst but, I reassured her, "The bank already has your debit card details, Amma. Did you give them an OTP?"

"No, I didn't know how to check the messages. They tried to guide me through the messages but I felt exhausted, I asked them to wait until 5 pm, when the domestic help is expected to come and she could help me read them."

I silently thanked myself for recently changing her PIN. "Don't worry, Amma. I'll speak to the bank manager myself. Until then, don't pick up unknown calls and don't open the door to strangers." I ended the call with my usual cautions to her. I called Uma, my mother's domestic help to block the caller in my mom's mobile.

I was taken aback with the thought, "What could have happened if my mother had shared all the details to the scammer"? At the same time, I felt relieved that we had evaded the scam at the right moment.

The Fake Video Call

That Friday, I took a day off due to illness and was resting at home, my husband received a WhatsApp video call. The caller's name appeared as "Delhi Crime Police." He was about to answer when I instinctively pushed the phone away. "Don't pick up! It's a scam. "I yelled." I had applied for an address change in my Aadhaar. Maybe it's them verifying?" he argued. "Since when does the Delhi Crime Police make video calls for verification?" I countered. It took some time to sink in, but eventually, he agreed not to engage with the caller.

The same day we heard the news that a Mumbai girl was made to strip in a hotel room under the pretext of some case and made her forcefully transfer some 80 lakhs from her bank accounts.

The QR Code Scam

My son wanted to replace our old couch and listed it for sale on Quikr. Within minutes, a buyer called, eager to purchase it without negotiation—which was highly unusual.

I was watching the prime-time news and I overheard my son's conversation. The buyer sent him ₹1 via WhatsApp and a QR code asking him to scan for the full payment.

Alarm bells rang in my head. I jumped up and took the mobile from my son, "Hold on! Where are you calling from?" "Delhi," the buyer replied. "We're in Hyderabad. The cost of transporting the couch would be ten times the price. How do you plan to do that?" I challenged him. He hesitated. "And why would we need to scan a QR code to receive money?" I pressed. Unable to answer, he quickly hung up hurling some abuses.

Internal

A Life Savings Scam

My cousin and her husband live in Hyderabad, while their two children are settled in the USA. As a banker, I had helped to manage their savings and super-annuation deposits. One fine day, she called, requesting me to liquidate all their deposits. I agreed but asked why. She vaguely mentioned that they had plans to visit the U.S.

The next day, she came to the bank by herself. She bypassed my cabin and headed straight to the counter. The staff, familiar with her, requested her to take a seat in my cabin, but she refused, saying her cab was waiting.

The officer brought the discharged FD Receipts for approval, I walked to her, “Hi Radha! How are you? I got your request for cancelling the deposits, That's over two crores! Why do you need so much money? Your savings balance should suffice for travel."

She appeared uneasy. "We're buying a new flat," she said. There was no mention about it earlier. I insisted more details, “where are you purchasing? Is it ready to occupy or under construction? A flat purchase is never done in a single payment. Where's the agreement?" I asked.

She became irritable. "I'll send the details later. Just credit the amount now."

We credited the funds to her account, but then she filled out an RTGS form to transfer the entire amount to an unknown individual. Sensing something was off, I instructed my colleague to delay the transfer, claiming a system issue. Meanwhile, I noticed her taking photos of the cheque and challan, likely sending them to someone via WhatsApp.

I asked the peon to check if a cab was really waiting. He returned, reporting that her husband was sitting inside on a video call.

Alarmed, I called her son in the U.S. Despite the odd hour, I needed to verify. "Did your parents plan to buy another property?" I asked.

He was shocked. "No! Why do you ask? They always tell us to save for emergencies. This isn't true."

"When did you last speak to them?"

"Three days ago. Their phone has been engaged and busy since then."

I immediately called 1930 to report an online fraud attempt and provided the RTGS beneficiary details. I also alerted their son to contact the neighbours and ensure their safety. Finally, I reached out to a former colleague who is now a Sub -Inspector of police, requesting police personnel to visit their home.

Thankfully, our timely intervention prevented a major scam.

The Fake Drug Case Scam

My colleague Hema, received a disturbing call from someone claiming to be Mumbai Police. They told her that her daughter was caught in a drug case, and they were trying to "save" her. Terrified, she immediately provided all the details they asked for.

However, when they demanded money, her banking instincts kicked in. They kept her on the call, not allowing her to disconnect and creating a sense of urgency and panic (Digital Arrest). Thinking quickly, she told them she needed to call her driver to issue a cheque for the transfer. They agreed but insisted she kept the call going. She handed the phone to a colleague and secretly called her husband, instructing him to check on their daughter. Though it was midnight for their daughter who is in USA but he still called and to their relief, she was safe and sound. With this confirmation, my colleague turned the tables and started aggressively questioning the caller. Realizing their scam had been exposed, they quickly hung up.

Stay Vigilant, Stay Safe

These incidents happened within a span of a week in my own life. Every day, hundreds fall prey to such scams—losing their savings, security, or even lives.

We cannot always rely on others for protection. Keep updating yourself to know the new scam methods and do not lift unknown calls nor click on any links sent by strangers. It is our responsibility to stay alert and help those around us.

*****

Internal

India to remain the fastest growing economy in the medium term

Madhavankutty G
Chief Economist
Economist, S & DA Wing
HO, Bengaluru

India's economic growth rate over the past three years averaged 7.8% which is just a shade lower than the growth rate to be achieved for the 2047 Viksit Bharat vision. Growth revived to 6.2% in the third quarter, attributable to growth revival in agriculture and services sectors and a rebound in consumption and government capex.

Amidst the good news, a major challenge has been significant large revisions to growth numbers in the past two financial years with FY24 GDP growth revised upwards by 1% to 9.2% while growth for FY23 was revised upwards from 7% to 7.6%. The magnitude of revisions pose a challenge to decision making and forecasting though the momentum of growth continues.

Consumption which has been waning, has seen some revival in the third quarter. The sequential increase during the third quarter has been sharp at 12.4% while the trend during Q1-Q2 was that of a contraction. The sharp rebound was due to an uptick in rural demand driven by good monsoons and robust agricultural production.

Government capex also increased bucking the trend in the first two quarters on account of election related slowdown in economic activity. Private investment growth slowed marginally. Major reasons for slow private investments are muted corporate earnings and low visibility on urban demand.

The momentum in consumption should continue into the fourth quarter as well if GST collections are an indication. Gross GST collections for January and February were ₹1.95 Lakh Cr and ₹1.83 lakh crore respectively and March should also witness elevated GST collections as the final month of a financial year shows hectic activity.

Fig 1: Private consumption and Private Capex to GDP

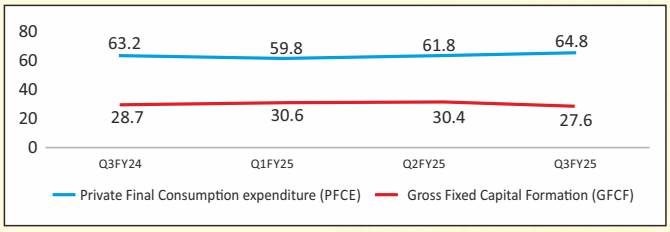

It is evident that the ratio of consumption to GDP is on an increasing trend while private investment to GDP proxied by gross fixed capital formation, has been declining steadily. Consumption growth has been buoyed by factors like improving rural demand, softening inflation, wedding season and improved rabi harvest.

On the sectoral front Industry growth was muted in the first 9 months of the fiscal. The muted industry performance is attributable to manufacturing growth slowing down to 3.5%, acting as a drag on overall industry growth. Utilities and construction segments posted better growth rates though construction segment growth in third quarter was lower than that in the second quarter. Services sector recorded a growth of 7.4% in Q3FY25 compared to 7.2% in the previous quarter.

A pertinent and notable feature in the latest numbers is the significant growth rate registered by

Internal

the agriculture sector. **The 4.6% agriculture output growth estimated for FY25 exceeds the last decadal average of 4.02% by a significant margin. Recent budgetary initiatives by the government related to agriculture involving digitization and technology is expected to propel this sector going forward. In fact, better agriculture growth augurs well for industry also due to backward and forward linkages.**

(y/y growth, %)	FY24	Q1 FY25	Q2 FY25	Q3 FY25	Q1 ESTIMATE
GVA(gross value added)	**8.6**	**6.5**	**5.8**	**6.2**	**6.4**
Agri & allied	**2.7**	**1.7**	**4.1**	**5.6**	**4.6**
Industry	**11.4**	**8.4**	**3.8**	**4.5**	**5.8**
Mining	3.2	6.8	-0.3	1.4	**2.8**
Manufacturing	12.3	7.5	2.1	3.5	**4.3**
Utility	8.6	10.2	3	5.1	**6**
Construction	10.4	10.1	8.7	7	**8.6**
Services	**9**	**6.8**	**7.2**	**7.4**	**7.3**
Tourism, Transport & Comm	7.5	5.4	6.1	6.7	**6.4**
Financial, real estate, others	10.3	6.6	7.2	7.2	**7.2**
Public admin	8.8	9	8.8	8.8	**8.8**

The revisions to GDP growth during previous quarters happen due to better availability of data at a later stage especially with regard to unlisted companies as they publish their quarterly results quite late. However, the revisions have been large this time. A GDP growth estimate of 6.5% in FY25 on top of a high base of 9.2%, however, presents a robust growth scenario.

A key concern is manufacturing sector languishing at 15% of GDP despite many sectors being brought under the ambit of the production linked incentive scheme. Meanwhile rural demand is expected to pick up further if the current rate of growth in the agriculture sector continues. Construction sector growth augurs well for cement industry.

For the coming fiscal external and geo political factors would exert a significant impact on growth. However, India is engaged in bilateral trade deals with many regions and which could cushion the impact of global headwinds to a great extent.

As economic growth for FY25 is below MPC estimate of 6.6%, a repo rate cut in April 2025 may be expected if inflation does not surprise on the upside. Recent measures to soothe liquidity conditions will also act as a catalyst to growth. Bank credit and deposits are expected to grow at the rate of 11-12% in FY26 on a conservative basis.

Disclaimer

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this report.

"Trickery and treachery are the practices of fools that have not wits enough to be honest."

- Benjamin Franklin

An Initiative by
ETHICS AND BUSINESS CONDUCT CELL
नैतिकता और व्यवसाय आचरण कक्ष
HR Wing, Head Office, Bengaluru

Internal

Grandma & the Scammer

A tale of wit and resilience

Abrar Ul Mustafa
Manager
Gagal Kupwara Branch

In the outskirts of Srinagar, nestled among ancient Chinar trees, stood a traditional Kashmiri house. This two-storey abode, built using the Taq construction method, showcased the region's architectural heritage. Its sloping birch-bark roof, layered with clay and turf, sprouted vibrant lilies and tulips during spring, providing natural insulation against the valley's harsh winters and mild summers. The walls, adorned with intricate Pinjrakari lattice work, allowed sunlight to filter through, casting delicate patterns on the Kaleen-covered floors.

Within this charming residence lived Ameena Begum, an 82-year-old matriarch renowned for her sharp intellect and unwavering spirit. Her silver hair, always neatly tied beneath a woollen Pashmina shawl, framed a face etched with lines of wisdom and experience. Her piercing hazel eyes, still bright and observant, missed little that transpired around her. Despite her age, Ameena Begum maintained a routine that blended tradition with a touch of modernity.

Each day began before dawn. The first light of morning seeped through the Pinjrakari windows, illuminating her modest room. Rising from her Wagoo mat, she performed her ablutions and settled on a low cushion to recite her prayers, fingers deftly moving over the beads of her rosary.

Following her spiritual rituals, Ameena Begum would don her finely embroidered Pheran, a traditional Kashmiri gown, and make her way to the kitchen. The aroma of freshly brewed Noon Chai (salty pink tea) soon filled the air as she prepared breakfast. Her kitchen, a blend of old and new, housed a traditional Bukhari (wood-burning stove) alongside a modern gas burner. Copper utensils, polished to a shine, hung from the walls, reflecting the morning light. After breakfast, she would tend to her small courtyard garden, a sanctuary of blooming flowers and aromatic herbs. The courtyard, central to traditional Kashmiri homes, served as a communal space for family gatherings and daily activities. Here, she nurtured her plants. Found solace in their growth and the continuity they represented.

Despite the serene rhythm of her days, Ameena Begum was not untouched by the advancements of the modern world. Her grandson, Arif, a software engineer based in Bengaluru, had gifted her a smartphone during his last visit. With his patient guidance, she had learned to make calls, send messages and even manoeuvre WhatsApp to stay connected with her dispersed family. The device had become a bridge, linking her to loved ones far and wide.

One crisp autumn morning, as the golden leaves of the Chinar trees rustled in the gentle breeze, Ameena Begum's smartphone buzzed with an unfamiliar number. Adjusting her spectacles, she answered, “Assalamu Alaikum. Who is speaking?” Her voice warm yet inquisitive. A man on the other end replied “Wa Alaikum Assalam, Madam. I am Rajesh Kumar from the Reserve Bank of India. We

Internal

have detected unusual activity in your bank account." His tone was urgent. Yet courteous. Ameena Begum's heart skipped a beat. Her life savings, meticulously gathered over decades, were in that account. "Ya Allah! What has happened?" "Madam, someone is attempting to withdraw a large sum from your account. To secure it, we need to verify your ATM card details and the OTP you will receive shortly."

Years of wisdom and Arif's warnings about online fraudsters flashed in her mind. Masking her suspicion, she decided to play along, her voice trembling slightly. "Oh dear! I am an old woman with poor eyesight. Can you guide me through the process?" "Of course, Madam. Please provide your ATM card number first." Ameena Begum pretended to fumble with her belongings. "Let me fetch my glasses. They must be here somewhere..."

She placed the phone on speaker mode and quietly dialed Arif's number on the landline. Whispering, she informed him of the situation. Arif, alarmed, instructed her to keep the scammer engaged while he contacted the local cybercrime authorities. Returning to the call, she said, "I have my card now. The number is... oh, these numbers are so small. Can you wait a moment longer?" The scammer, sensing easy prey, encouraged her patiently. "Take your time, Madam." Feigning confusion, she continued, "You said you're from the Reserve Bank? My nephew works there. Perhaps you've met him? His name is Imran Khan." There was a brief pause. "Uh, no, Madam. I am from a different branch. Let's proceed with the verification." Ameena Begum chuckled inwardly. "Ah, I see. Young man, while I find my glasses, can you tell me more about this suspicious activity? It's so unsettling." The scammer, eager to extract the information, concocted a story about foreign transactions and immediate threats. Ameena Begum listened, interjecting with gasps and exclamations. She noted the inconsistencies in his tale all the while.

After what seemed like an eternity, she said, "I found my glasses! But the card number is still unclear. These old eyes, you know. Maybe you can help me set a new PIN instead?" The scammer, sensing victory, agreed. "Yes, Madam. Let's set a new PIN. Please tell me your current PIN." Suppressing a smile, she replied, "It's 1-2-3-4." "Thank you, Madam. Now, what would you like the new PIN to be?" "Let's make it 4-3-2-1. Easy to remember." "Done, Madam. Your account is now secure."

At that moment, Arif called back on the landline. "Grandmother, the police have traced the call. Keep him busy for a bit longer." Returning to the scammer, she said, "Young man, you've been so helpful. May Allah bless you. Can I send you some Kashmiri Kehwa as a token of gratitude?" The scammer, taken aback, stammered, "No, no, Madam. That won't be necessary." "Nonsense! Give me your address. I'll have my son, the police officer, deliver it personally. He loves meeting kind people like you." The line went silent. Then, a hurried excuse. "Madam, I have another call. Goodbye." And just like that, the scammer hung up.

Ameena Begum let out a hearty laugh, her wrinkled face glowing with amusement. She adjusted her Pashmina shawl and leaned back into the soft cushions of the Deewan in her sitting room. The warm aroma of Kehwa still lingered in the air, the saffron and almonds mixing with the crisp autumn breeze that drifted through the Pinjrakari windows.

Arif, who had been listening on the landline, burst into laughter. "Nani, you are unbelievable! You just outwitted a professional scammer!" Ameena Begum chuckled, adjusting her spectacles. "Arif, my dear, these people think an old woman is easy to fool. But I have seen more winters than he has seen monsoons. Did you call the police?" "Yes, Nani! The cybercrime team traced his location. He was calling from some shady place in Delhi. Apparently, they've been after him for months."

Internal

Just then, the door creaked open and Ameena Begum's neighbour, Sara Jan, walked in, carrying a large wicker basket filled with freshly baked Tsot (Kashmiri bread). She placed it on the Dastarkhwan and settled onto the Namda carpet beside Ameena Begum. "Ya Allah! Ameena, why are you laughing like a young girl? What happened?" Ameena Begum wiped a tear of laughter from her eye. "Sara, you won't believe it. Some fool tried to scam me over the phone. He wanted my bank details!"

Sara Jan gasped. "What did you do?"

Ameena Begum straightened her shawl proudly. "I played along, made him run in circles, and then told him my son is a police officer coming to meet him!"

Sara Jan clapped her hands in delight. "Ah, Ameena, your wit is sharper than my kitchen knife! These scammers are getting bolder by the day. Imagine trying to fool an old Kashmiri woman! They don't know our minds are sharper than their tricks."

By now, word had spread in the neighbourhood, and soon, more women gathered in Ameena Begum's room, with Kangris clasped underneath their velvet Pherans, eager to hear the full tale. The laughter and storytelling continued as fresh rounds of Nun Chai were poured into delicate Samavar cups.

Later in the evening, as the sun set behind the Afarwat peak, Ameena Begum sat by the window, watching the last golden rays dance on the waters of a stream just outside. She felt a deep sense of satisfaction—not just for protecting herself, but for proving that even in the digital age, the wisdom of the past could outsmart the tricks of the present.

Her grandson's voice echoed from the doorway. "Nani, I told you that smartphone would be useful!"

She smiled, sipping her Kehwa. "Yes, my dear. But I think it's time you taught me how to file an online police complaint. Who knows? Maybe next time, I'll catch the scammer myself!"

And with that, Ameena Begum, the undefeated defender of both tradition and technology, laughed once more, knowing that even in a world of digital fraud, the real currency was wit.

"Honor, Ethics and Transparency are pillars in business; remove one and the building will crumble."

- Ratan Tata

An Initiative by
ETHICS AND BUSINESS CONDUCT CELL
नैतिकता और व्यवसाय आचरण कक्ष
HR Wing, Head Office, Bengaluru

Internal

ODE TO RIVER GOMTI:
A walk down the memory lane
(River Gomti as viewed more than 50 years ago in Lucknow)

Pradeep Tandon
Ex Staff

Down memory lane;
I recall my childhood days;
Playing blissfully on its bank in many ways.

"Making paper boats with playmates
in the golden gleam;
Pushing them with tiny hands toward the
mainstream."

Gladdened or saddened,
if boats float or drown;
Their fate, face revealed with a glee
or a frown.

Making dwellings on the bank
with sticky wet sand;
Wonder, if trampling feet
will they withstand?

Scampering on the blistering sand;
To plunge in the water hand in hand.

Up in air we leapt so high;
Down in the water, all went tumbling by.

Splashing water on mates
and revelling abound;
Soaking in joy, memories profound.

Plunging from the temple dome so high;
Scared birds, flew fluttering by.

Rising Sun ambles then takes strides;
Spreading orangeness on river's tides.
Rustling leaves when gale fast blows;
Dancing branches bring ambiance
to a swooning glow.

Water birds flying in line silhouetted
against the rising sun;
Some dive into water to prey,
on surface some gracefully run.

As temple bells tinkle echoes;
weaving a magical spell;
Worries, doubts, and darkness,
like dry leaves, detach and fall.

Hawkers with earthen toys and wares;
Spread on a tarpaulin in religious fairs.

Haggling with women folks for their fair price;
Deal not clinching was not a big surprise.

Ominous dark clouds float past the Moon;
Oarsmen moored their boats no soon.

Leaf-lamps float and flicker no dearth;
Starry heavens come down on Earth.

Alas! Its pristine glory has walked the Sunset;
Yet sons of soil get not upset.

They made once buzzing river look like a drain;
Sons of soil yet take no pain.

Denizens with a dead conscience;
for their selfish need;
Dried many waterbodies with their misdeed.

Wake up! Oh, sons of the soil! and pay some heed;
Time has come to rise indeed.

*****

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत कन्नड़ भाषा का उत्कृष्ट साहित्य

शशि कांत पाण्डेय
वरिष्ठ प्रबंधक
केनरा बैंक प्रबंधन संस्थान, मणिपाल

प्रस्तावना

भारत की साहित्य अकादमी भारतीय साहित्य के विकास के लिए सक्रिय कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था है। इसका गठन 12 मार्च 1954 को भारत सरकार द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य उच्च साहित्यिक मानदंड स्थापित करना, भारतीय भाषाओं और भारत में होनेवाली साहित्यिक गतिविधियों का पोषण और समन्वय करना है।

स्थापना

भारत सरकार के जिस प्रस्ताव में अकादमी का यह विधान निरूपित किया गया था, उसमें अकादमी की यह परिभाषा दी गई है– भारतीय साहित्य के सक्रिय विकास के लिए कार्य करनेवाली एक राष्ट्रीय संस्था, जिसका उद्देश्य उच्च साहित्यिक मानदंड स्थापित करना, भारतीय भाषाओं में साहित्यिक गतिविधियों को समन्वित करना एवं उनका पोषण करना तथा उनके माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता का उन्नयन करना होगा। हालाँकि अकादमी की स्थापना सरकार द्वारा की गई है, फिर भी यह एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में कार्य करती है। संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत इस संस्था का पंजीकरण 7 जनवरी 1956 को किया गया।

इतिहास

भारत की स्वतंत्रता के भी काफ़ी पहले से देश की ब्रिटिश सरकार के पास भारत में साहित्य की राष्ट्रीय संस्था की स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन था। 1944 में, भारत सरकार ने रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ बंगाल का यह प्रस्ताव सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया था कि सभी क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय सांस्कृतिक ट्रस्ट का गठन किया जाना चाहिए। ट्रस्ट के अंतर्गत साहित्य अकादमी सहित तीन अकादमियाँ थीं। स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की स्वतंत्र सरकार द्वारा प्रस्ताव का अनुसरण करते हुए विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए श्रृंखलाबद्ध बैठकें बुलाई गईं। सर्वसम्मति से तीन राष्ट्रीय अकादमियों के गठन का निर्णय हुआ, एक साहित्य के लिए, दूसरी दृश्यकला तथा तीसरी नृत्य, नाटक एवं संगीत के लिए।

साहित्यिक गतिविधियां

अकादमी प्रत्येक वर्ष अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त चौबीस भाषाओं में साहित्यिक कृतियों के लिए पुरस्कार प्रदान करती है, साथ ही इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार साल भर चली संवीक्षा, परिचर्चा और चयन के बाद घोषित किए जाते हैं। अकादमी उन भाषाओं के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान करने वालों को 'भाषा सम्मान' से विभूषित करती है, जिन्हें औपचारिक रूप से साहित्य अकादमी की मान्यता प्राप्त नहीं है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त कन्नड़ भाषा का उत्कृष्ट साहित्य:

- **अक्षय काव्य** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के.वी. तिरुमलेश द्वारा रचित एक कविता है जिसके लिये उन्हें सन् 2015 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **अमेरिकादल्ली गोरुरू** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार गोरुरू रामास्वामी आनंद द्वारा रचित एक यात्रा–वृत्तांत है जिसके लिये उन्हें सन् 1980 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **अरमने** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार कुं. वीरभद्रप्पा द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

सन् 2007 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- **अरलु बरलु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार वी. सीतारमैया द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1973 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **अरल–मरलु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार डी. आर. बेन्द्रे द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1958 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **अवधेश्वरी** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार शंकर मोकाशी पुणेकर द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1987 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **आख्यान–व्याख्यान** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार सी.एन. रामचन्द्रन द्वारा रचित एक निबंध–संग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2013 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **इंग्लिश साहित्य चरित्रे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एल.एस. शेषगिरि राव द्वारा रचित एक साहित्येतिहास है जिसके लिये उन्हें सन् 2001 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **उत्तरार्द्ध** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार जी.एच. नायक द्वारा रचित एक निबंध है जिसके लिये उन्हें सन् 2014 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **उरिया नालगे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार कीर्तिनाथ कुर्तकोटि द्वारा रचित एक समालोचना है जिसके लिये उन्हें सन् 1995 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **ओम् णमो** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार शान्तिनाथ कुबेरप्पा देसाई द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 2000 में कन्नड़ भाषा के लिए मरणोपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कतेयादळु हुडुगि** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार यशवंत चित्ताल द्वारा रचित एक कहानीट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1980 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **प्रतिसंस्कृति अंडमान कनासु 2000** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार रहमत तरिकेरे द्वारा रचित एक निबंधट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2010 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कन्नड साहित्य चरित्रे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार आर. एस. मुगली द्वारा रचित एक साहित्येतिहास है जिसके लिये उन्हें सन् 1956 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कर्णाटक संस्कृति समीक्षे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एच. तिप्पेरुद्रस्वामी द्वारा रचित एक सांस्कृतिक अध्ययन है जिसके लिये उन्हें सन् 1969 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कर्णाटक संस्कृतिया पूर्वपीठिके** कन्नड़ भाषा के साहित्यकार एसबी जोशी द्वारा रचित एक सांस्कृतिक अध्ययन है, जिसके लिये उन्हें सन् 1970 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- **कल्लु करगुवा समय** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार पी. लंकेश द्वारा रचित एक कहानीट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1993 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कविराज मार्ग मत्तु** कन्नड जगत्तु कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के. बी. सुबण्णा द्वारा रचित एक निबंधट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2003 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **काव्यार्थ चिन्तन** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार जी. एस. शिवरुद्रप्पा द्वारा रचित एक समालोचना है जिसके लिये उन्हें सन् 1984 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **कुसुमबाले** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार देवनूर महादेव द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1990 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार

Internal

से सम्मानित किया गया।

- **क्रान्तिकल्याण** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार बी. पुट्टस्वामय्या द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1964 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **क्रौंच पक्षिगळु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार वैदेही द्वारा रचित एक कहानीट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2009 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **चित्रगळु पत्रगळु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार ए. एन. मूर्तिराव द्वारा रचित एक संस्मरण है जिसके लिये उन्हें सन् 1979 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **चिदंबर रहस्य** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के. पी. पूर्णचंद्र तेजस्वी द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1987 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **जीवध्वनि** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार चन्नवीर कणवी द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1981 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **तलेदंड कन्नड़** भाषा के विख्यात साहित्यकार गिरीश कार्नाड द्वारा रचित एक नाटक है जिसके लिये उन्हें सन् 1994 में कन्नड भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **तेरु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार राघवेन्द्र पाटील द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 2005 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **तेरेद बागिलु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के. एस. नरसिंह स्वामी द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1977 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **दाटु** कन्नड भाषा के विख्यात साहित्यकार एस. एल. भैरप्प द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1975 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **दुर्गास्तमान** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार टी. आर. सुब्बाराव (ता. रा. सु.) द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1985 में कन्नड़ भाषा के लिए मरणोपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **द्यावा पृथ्वी** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार विनायक्र (वी. के. गोकाक) द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1960 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **बंगाली कादंबरीकार बंकिमचंद्र** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार ए. आर. कृष्ण शास्त्री द्वारा रचित एक आलोचनात्मक अध्ययन है जिसके लिये उन्हें सन् 1961 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **बंडाय** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार व्यासराय बल्लाल द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1985 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **बकुलद हूवुगळु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एस. आर. एक्कुण्डि द्वारा रचित एक कविताट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1992 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **बदुकु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार गीता नागभूषण द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 2004 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **भुवनद भाग्य** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार जी. एस. अमुर द्वारा रचित एक समालोचना है जिसके लिये उन्हें सन् 1996 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **मन मंथन** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एम. शिवराम द्वारा रचित एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन है जिसके लिये उन्हें सन् 1976 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **मब्बीन हागे कनीवेयासी** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एच.एस.शिवप्रकाश द्वारा रचित एक कविता–संग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2012 में कन्नड़

Internal

भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- **महाक्षत्रिय** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार देवुडु नरसिंह शास्त्री द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 1962 में कन्नड़ भाषा के लिए मरणोपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **मार्ग–4** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एम. एम. कलबुर्गी द्वारा रचित एक निबंधट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 2006 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **यक्षगान बायलाट** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के. एस. कारंत द्वारा रचित एक लोक नाट्यट्टविवेचन है जिसके लिये उन्हें सन् 1959 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **युगसंध्या** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार सुजना (एस. नारायण शेट्टी) द्वारा रचित एक महाकाव्य है जिसके लिये उन्हें सन् 2002 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **रंगबिन्नप** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एस. वी. रंगण्णा द्वारा रचित एक दार्शनिक चिन्तन है जिसके लिये उन्हें सन् 1965 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **शून्यसंपादनेय परामर्शे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एस. एस. भुसनूरमठ द्वारा रचित एक टीका है जिसके लिये उन्हें सन् 1972 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **श्रीमद्भगवद्गीता तात्पर्य अथवा जीवन धर्मयोग** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार डी?वी? गुंडप्पा द्वारा रचित एक दार्शनिक व्याख्या है जिसके लिये उन्हें सन् 1967 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **श्रीरामायण दर्शनम्** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार के. वी. पुट्टप्पा (कुवेंपु) द्वारा रचित एक महाकाव्य है जिसके लिये उन्हें सन् 1955 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **संप्रति** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार हा. मा. नायक द्वारा रचित एक निबंधट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1988 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **सण्ण कथेगलु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार श्रीनिवास (मास्ति वेंकटेश आयंगर) द्वारा रचित एक कहानी–संग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1968 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **साहित्य कथन** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार डी. आर. नागराज द्वारा रचित एक निबंधट्टसंग्रह है जिसके लिये उन्हें सन् 1999 में कन्नड़ भाषा के लिए मरणोपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **सिरिसंपिगे** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार चंद्रशेखर कंबार द्वारा रचित एक नाटक है जिसके लिये उन्हें सन् 1991 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **स्वप्न सारस्वत** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार गोपालकृष्ण पै द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 2011 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **हंस दमयंति मत्तु इतर रूपकगळु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार पु. ति. नरसिम्हाचार द्वारा रचित एक संगीत नाटक है जिसके लिये उन्हें सन् 1966 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **हळ्ळा बन्तु हळ्ळा** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार श्रीनिवास बी. वैद्य द्वारा रचित एक उपन्यास है जिसके लिये उन्हें सन् 2008 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **हसुरू होन्नु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार बी. जी. एल. स्वामी द्वारा रचित एक यात्राट्टवृत्तांत है जिसके लिये उन्हें सन् 1978 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **होसतु होसतु** कन्नड़ भाषा के विख्यात साहित्यकार एम. चिदानंद मूर्ति द्वारा रचित एक समालोचना है जिसके लिये उन्हें सन् 1997 में कन्नड़ भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

भारत में ऋण ऐप धोखाधड़ी: एक गहन अध्ययन

राहुल प्रकाश
डिजिटल उपकरण निगरानी अनुभाग
डिजिटल बैंकिंग सेवाएं विभाग
प्रधान कार्यालय एनेक्स

परिचय

हाल के वर्षों में भारत में डिजिटल ऋण / तत्काल ऋण देने वाली ऐप्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। विशेष रूप से, कई विदेशी कंपनियां भारत में फर्जी लोन ऐप्स लॉन्च कर रही हैं, जो भारतीय नागरिकों को आसानी से कर्ज देकर हजारों–लाखों रुपये ठग रही हैं। इनमें से कई ऐप्स बिना किसी सुरक्षा मानकों के लोन प्रदान करते हैं और बाद में ग्राहकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करके कम समय में अधिक ब्याज वसूलते हैं। उधार लेने वाले लोगों को धमकाना और उनके व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग कर ब्लैकमेल करना इनके काम करने के तरीकों में शामिल है। इस अध्ययन में, हम जानेंगे कि ये धोखाधड़ी कैसे की जाती है, इन कंपनियों का नेटवर्क कैसे काम करता है। हम इससे बचने के उपायों के बारे मे भी आपसे कुछ बिन्दु साझा करेंगे।

धोखाधड़ी का तरीका

- **गरीब और जरूरतमंद लोगों को निशाना बनाना**
  ये ऐप्स मुख्यतः आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हैं, जैसे कि मजदूर, छोटे व्यापारी, नौजवान नौकरीपेशा लोग और घरेलू महिलाएं। इन ऐप्स को पता होता है कि बैंक या वित्तीय संस्थानों से लोन लेने में कठिनाई होने के कारण, ये लोग जल्दबाजी में इन ऐप्स का उपयोग करेंगे और हमारे जाल में आसानी से फस जाएंगे।

- **आकर्षक विज्ञापन दिखाना**
  ये ऐप्स सोशल मीडिया, यूट्यूब, फेसबुक और गूगल पर आकर्षक विज्ञापन जैसे कि "बिना कागजी कार्रवाई शीघ्र लोन पायें ", "क्रेडिट स्कोर की जरूरत नहीं", "फटाफट लोन", "आपका लोन स्वीकृत हो चुका है", "अपने खाते मे क्रेडिट करने के लिए क्लिक करें" जैसे आकर्षक विज्ञापन दिखाते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इन लिंक्स पर क्लिक करता है तो ये अपना ऐप डाउनलोड करने का अनुरोध करते हैं। ये ऐप्स दावा करते हैं कि वे सिर्फ 30 मिनट में लोन प्रोसेस कर देते हैं, लेकिन असल में इनका मकसद डेटा चुराना और जबरन अवैध वसूली करना होता है।

- **ऐप डाउनलोड करने के बाद पहला स्टेप**
  जैसे ही कोई व्यक्ति ऐप डाउनलोड करता है, उसे सबसे पहले अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर OTP वेरिफिकेशन पूरा करना होता है। इसके बाद ऐप, गैलरी, कॉन्टैक्ट लिस्ट और मैसेज तक पहुंचने की अनुमति मांगता है। यदि यूजर इस एक्सेस को अनुमति दे देता है, तो ऐप गुप्त रूप से उसका पर्सनल डेटा अपने सर्वर पर अपलोड कर लेता है।

- **बिना पूरी केवाईसी और ऋण पात्रता चेक किए ऋण देना**
  ये ऐप्स आरबीआई द्वारा निर्धारित केवाईसी की प्रक्रिया को अपनाए बिना और व्यक्ति की लोन भुगतान की क्षमता का आंकलन किए बिना ही व्यक्ति को कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों में ही उसके खाते में राशि का भुगतान कर देते हैं। क्योंकि इनका मकसद व्यक्ति के निजी डाटा को चुराकर उनको ब्लैकमेल करके दो गुना या कभी–कभी उससे भी ज्यादा की वसूली करना होता है ।

- **बहुत कम समय में दोगुना पैसा वसूलना**
  ये ऐप्स आमतौर पर छोटे लोन (₹2,000 – ₹1,00,000) देते हैं लेकिन सिर्फ कुछ ही दिनों (6 दिन से लेकर 1 माह) के भीतर ही दो गुना से लेकर तीन गुना रकम वापस करने के लिए दबाव बनाना शुरू कर देते हैं। दबाव बनाने के लिए ये अपने लोकल कॉल सेंटर की सहायता लेते हैं। ये कॉल सेंटर अधिकारी फोन पर गलियाँ देते हैं और जल्दी पैसे लौटने के लिए दबाव बनाते हैं।

Internal

- **ब्लैकमेल और साइबर धमकी**
  भुगतान ना कर पाने की स्थिति में ये ग्राहक को विभिन्न प्रकार से धमकाना जैसे कि पुलिस मे शिकायत कर किसी झूठे केस में फसवा देना, आपके निजी डाटा (जो वो पहले ही आपके फोन से चुरा चुके होते हैं) का इस्तेमाल करके आपकी पूरी कांटैक्ट लिस्ट को गलत मैसेज एवं फ़ेक तस्वीरे भेजना, महिलाओं के केस में तो मोर्फ की गयी तस्वीरों को सार्वजनिक करने तक की धमकी देते हैं।

याद रखें की फोन से चुराया हुआ डाटा तो इनके पास रहता ही है, तो भुगतान करने के बाद भी ये आपके निजी डाटा का गलत उपयोग कर सकते हैं।

धोखाधड़ी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग

OTP वेरिफिकेशन के बाद, ये ऐप्स यूजर का असली फोन नंबर और उसकी लोकेशन ट्रैक करना शुरू कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति बाद में ऐप डिलीट भी कर दे, तब भी उसका डेटा इनके सर्वर पर सेव रहता है। इन गिरोहों ने भारत के अलग–अलग शहरों में फर्जी कॉल सेंटर खोल लिए हैं, जो रिकवरी एजेंट के तौर पर काम करते हैं। कॉल सेंटर के एजेंट लोगों को बार–बार फोन कर धमकाते हैं और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। कॉल करने वाले व्यक्ति भारतीय होते हैं, लेकिन इन्हें दूसरे देशों में बैठे मास्टरमाइंड कंट्रोल करते हैं।

ये लोग भारत में कई फर्जी कंपनियां (Shell Companies) रजिस्टर करवाते हैं, जिनका कोई असली कारोबार नहीं होता। लोन ऐप से जो पैसा आता है, उसे कई कंपनियों के बैंक खातों में घुमाया जाता है और अंत में इसे क्रिप्टोकरेंसी या हवाला के जरिए दूसरे देशों मे भेज दिया जाता है। इस प्रकार यह केवल गरीबों को लूटने का मामला नहीं है बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाने की बड़ी साजिश है। भारतीय रुपये को अवैध तरीके से बाहर के देशों मे भेजा जा रहा है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है। इन ऐप्स में कोई टैक्स नहीं चुकाया जाता, जिससे सरकार को भी बड़ा आर्थिक घाटा होता है। यह काला धन (Black Money) अवैध गतिविधियों और साइबर अपराधों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

इस धोखाधड़ी से कैसे बचें?

ऐप इंस्टॉल करते समय निम्नलिखित सावधानी बरतें:

- ✓ किसी भी ऐप को इंस्टॉल करने से पहले उसके रिव्यू और डेवलपर डिटेल्स जांचें।
- ✓ यदि ऐप गैलरी, कॉन्टैक्ट और मैसेज का एक्सेस मांगता है, तो उसे तुरंत हटा दें।
- ✓ अगर ऐप OTP वेरिफिकेशन के बाद ही आगे बढ़ता है, तो सावधान रहें।
- ✓ जांच करें कि ऐप बनाने वाली कंपनी की कोई आधिकारिक वैबसाइट है या नहीं। आधिकारिक वैबसाइट https से स्टार्ट होती हैं। मूलत: इस प्रकार की कंपनी की कोई आधिकारिक वैबसाइट नहीं होती है।

आरबीआई की वेबसाइट पर जांच करें:

आरबीआई के नियमानुसार सभी वैध लोन देने वाली कंपनियों को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) से पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बिना RBI की अनुमति के कोई भी कंपनी लोन नहीं दे सकती।

यदि आपको किसी भी ऐसी ऐप के बारे मे जानना है तो आरबीआई की अधिकृत वैबसाइट https://www.rbi.org.in पर NBFC लिस्ट में उस कंपनी का नाम चेक करना होगा । यदि वह कंपनी उस लिस्ट मे नहीं है तो उसका इस्तेमाल कतई भी ना करें।

यदि धोखाधड़ी हो जाए तो क्या करें?

तुरंत शिकायत करें

- ➢ साइबर क्राइम हेल्पलाइन (1930) पर कॉल करें।
- ➢ www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।
- ➢ स्थानीय पुलिस और RBI को भी इसकी सूचना दें।

साइबर सिक्योरिटी टिप्स

- ➢ अनजान लोन ऐप्स को डाउनलोड न करें।
- ➢ किसी भी ऐप को गैलरी और कॉन्टैक्ट एक्सेस न दें।
- ➢ सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी शेयर करने से बचें।

Internal

निष्कर्ष

भारत में बढ़ती डिजिटल ऋण सेवाओं के बीच, फर्जी ऋण ऐप्स एक गंभीर वित्तीय और सामाजिक समस्या बन गए हैं। ये ऐप्स न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को निशाना बनाते हैं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इनके पीछे संगठित अपराधी नेटवर्क काम कर रहे हैं, जो शेल कंपनियों, हवाला ट्रांजैक्शंस और फर्जी कॉल सेंटर्स के माध्यम से लोगों की मेहनत की कमाई लूट रहे हैं।

लोगों को RBI की अधिकृत सूची में लोन ऐप्स की जांच करनी चाहिए, ग़ैरक़ानूनी ऐप्स से बचना चाहिए और यदि किसी के साथ धोखाधड़ी होती है तो साइबर क्राइम सेल (1930) और www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए।

इस समस्या के समाधान के लिए सरकार प्रयासरत है। व्यक्तिगत सतर्कता बरतने से हम लोग सरकार की सहायता तो कर ही सकते हैं साथ ही अपने आपको इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचा भी सकते हैं।

संदर्भ: The New India Express (31.01.2025) ED arrests four TN men for aiding Chinese loan app firms (The shell companies transferred ₹170 crore via Singapore to Chinese operators)

Gen Z Literature

1. **Sigma** - Refers to a person who is perceived as independent, successful and self-reliant and someone who plays by their own rules. It is often used as a compliment.

   Usage: She is a sigma, she doesn't need anyone

2. **GOAT** - (**G**reatest **O**f **A**ll **T**ime). It is used to describe someone who is considered the best or most talented in a particular field like sports, music or acting

   Usage: Michael is the GOAT of Basket ball.

3. **Sus** - It is short for suspicious. It is used to express doubt or mistrust indicating that a person, situation or claim is questionable or fishy.

   Usage: The whole thing was just too sus for me.

4. **Slay** - It is a positive and empowering term used to describe excellence, skill and achievement. To do something exceptionally well or impress someone, often used to compliment someone's appearance skills or achievement's particularly in fashion, music and artistic performance.

   Usage: You slayed that presentation.

5. **Flex** - Showing off achievements or possessions.

   Usage: He is always flexing about his fancy car

Internal

AHMEDABAD

Under the leadership of GM and Circle Head Sri. Shambhu Lal, Ahmedabad CO participated in National Lok Adalat held on 08.03.2025. All ROs and branches actively participated. 708 NPA borrowers attended the Adalat in total, out of which 358 accounts were settled. Total spot cash recovery was made to the tune of ₹1.72 Crores.

Canara Crest Customers' meet was held by Rajkot RO on 07.02.2025 under the guidance of GM & Circle Head Sri. Shambu Lal, and Sri Kapil Pawan Pant, AGM, Rajkot RO. The event aimed to strengthen the customer relationship with high-value customers and provide in-depth insights of Canara Crest Membership Scheme and its advantages. The event witnessed an enthusiastic participation from our valued customers.

BENGALURU

Customer Meet was organized by Regional Office Tumkuru under the leadership of Shri Gangesh Gunjan, AGM & Regional Head on 15.02.2025. .All the branches coming under RO Tumkuru participated. Latest developments of the bank with respect to newly launched products, cyber fraud awareness etc were discussed.

BHUBANESWAR

Bhubaneswar CO received the Sambad Corporate Excellence Awards 2025 for CSR on 03.02.2025 from the Hon'ble Chief Minister of Odisha Sri. Mohan Charan Majhi. This recognition highlights Canara Bank's outstanding contributions and commitment towards sustainable development, social empowerment and inclusive growth. While addressing the gathering, Sri Jagdish Chander, GM & Circle Head informed that in Odisha, several CSR activities ranging from forest tree plantations, coconut tree plantations, donation of sanitary vending machines and disposal units, donation of ambulance, battery operated vehicles and roti makers to various institutes have been done.

Internal

Bhubaneswar CO conducted Retired Employees Meet on 19.02.2025. The event witnessed the participation of 154 retired employees, along with esteemed guests and dignitaries. Dr. Shubhakant Choudhary, Orthogeriatrics Specialist was the Chief Guest. A dedicated session was conducted for the retirees to share their experiences, provide feedback, and discuss various concerns and suggestions.

CHENNAI

Business review meet of select ELBs/VLBs of Chennai CO was conducted on 25.02.2025. Smt. K A Sindhu, CGM, Chennai CO, Sri. Sunil Kumar Yadav, GM, MSME Wing and executives from CO and ROs participated in the meeting. Sri. Sunil Kumar Yadav, GM, highlighted the importance of MSME growth, and about the role and responsibilities of ROs and branches.

HUBBALLI

Vijayapura RO hosted a meet and greet programme on 06.02.2025 for Canara Crest customers. Around 100 Crest Customers attended the event. Sri. M Vijayakumar, GM and Circle Head captivated the audience emphasising the significance of Canara Crest Programme and its benefits.

HYDERABAD

Door to door marketing campaign was conducted on 22.02.2025 by all branches of Hyderabad RO. Staff visited existing and prospective customers in the branch vicinity and publicised our products. Officials from RO, MSME Sulabh & RAHs accompanied each branch and ensured that the event was organised in a systematic and professional manner. The campaign helped to improve customer connect and bank's footprint in the locality.

KOLKATA

A Business Review Meeting of all ROs, RAHs and MSME Sulabhs of the Circle was conducted at Conference Hall, Regional Office Kolkata I. The meeting was chaired by Sri Prabhat Kiran, GM, LCCW Wing, Head Office, along with Circle Head & GM, Sri

Internal

Kalyan Mukherjee & DGMs Sri Rajnish Kumar and Sri Amrit Ghosh. GM & Circle Head highlighted the business position of the Circle under various Business parameters. Sri Prabhat Kiran, GM in his keynote address emphasized the need for improvement under liabilities parameters in this crucial phase of the financial year by focusing on garnering SB Institutional deposits and active participation by all staff in Each One Source 10 campaign to increase our low cost deposits.

LUCKNOW

Lucknow CO arranged a Walkathon for Awareness on Digital Fraud on 25.02.2025. Sri Vijay Srirangan, Non-Executive Chairman addressed the gathering and shared his thoughts on Digital Fraud and urged all the Canarites to reach maximum people to create awareness. A mobile van on digital Awareness was also flagged off.

MADURAI

CREST Customers' Meet was held at Tirunelveli RO on 27.02.2025. Circle Head & GM Sri T V K Mohan graced the occasion. 68 customers attended and were issued with the CREST card. The event begun with RO Head Smt. Bhagyarekha Shivakumar's welcome address. The key note address was delivered by the Circle Head. CREST scheme and its benefits were explained to the customers by Smt P Akila, Chief Manager, Nagercoil K P Road Branch in the regional language, Tamil. Customers expressed their happiness in banking with us and assured to support us in the future too.

Vadakkankulam, the 57th branch of Tirunelveli RO was inaugurated by Sri. T V K Mohan, GM, Madurai CO on 27.02.2025. Sri. Dheerendra Kumar Mishra, DGM, RO, Tirunelveli, Smt. S. Chitra, Branch Manager, and other executives and customers were present at the event.

Internal

MANGALORE

Madikeri RO hosted "Canara Crest Customer Meet" on 12.02.2025. The event brought together valued customers and bank representatives for an evening of interaction and engagement. The event was graced by the presence of Sri. B Sudhakar Kotary, GM, CO, Mangaluru, who chaired the proceedings. Nearly 60 customers attended the Meet. Sri. Rajesh Kumar V, Regional Head, Madikeri RO, warmly welcomed the attendees. Smt. Lathanjali H B, Senior Manager, Operations Section, gave a brief overview of our Bank followed by a product presentation by Shri. Atul Bhushan, Marketing Manager, showcasing the bank's latest offerings.

MANIPAL

Digital Fraud awareness campaign was conducted in Manipal CO from 24.02.2025 to 28.02.2025. As a part of the Campaign, Mobile Van with LED Display on cyber fraud awareness was inaugurated and publicity was done in Manipal, Udupi, Brahmavar, Kundapura and Karkala areas to spread awareness among the public. A walkathon on Digital Fraud Awareness was conducted on 27.02.2025. GM Sri. Jayaprakash. C, DGM Sri. Ashok Kumar & Sri. Rajeev Thukral along with all the Executives and Circle Office staffs participated in the walkathon. Pamphlets were distributed to General public on Cyber fraud awareness.

MUMBAI

Mumbai CO organised a walkathon to spread awareness about the rising threats of cyber fraud and the importance of digital security on 28.02.2025. The walkathon was flagged off by Sri. Alok Kumar Agarwal, CGM, Mumbai CO. Sri. Ranji Jha, DGM, Sri. Saravanan P, DGM, along with other executives participated in the event. Sri. D V Chavan, Senior Police Inspector, West Region Police Station, BKC Mumbai was the Chief Guest.

TRIVANDRUM

The International Mother Tongue Day Celebrations were held by Circle Office, Thiruvananthapuram on 21.02.2025. Sri T. R. Balaji Rao, DGM chaired the programme and Sri Sudev Krishna Sharman, Assistant Professor, Government Sanskrit College, Trivandrum was the Chief Guest. Smt. Indira Y. D., AGM, Sri Rajsekhar Nair, AGM, Sri Anil Kumar Singh, AGM, other executives and staff members of Circle Office attended the programme.

Internal

आगरा

अंचल कार्यालय–आगरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 07.03.2025 को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अंचल कार्यालय ट्ट आगरा के उप महाप्रबंधक श्री सुबिध कुमार मल्लिक जी, उप महाप्रबंधक श्री पी.वी हरि जी, सहायक महाप्रबंधक श्री एम. रविकुमार एवं सहायक महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार साहू जी द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय आगरा की महिला स्टाफ़ सदस्यों ने सभी को शुभकामनाएं दी और अनेक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया।

चंडीगढ़

केनरा बैंक अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ ने अपने अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक, श्री मनोज कुमार दास के कुशल मार्गदर्शन में नारी शक्ति वंदन एवं अपनी महिला कर्मचारियों को सम्मानित करने व उनके जज्बे की सराहना करने हेतु, अंचल कार्यालय के सेमिनार हॉल में दिनांक 07 मार्च, 2025 को "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए : अधिकार, समानता, सशक्तीकरण" थीम को लेकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया। इससे पहले अंचल कार्यालय द्वारा अपनी महिला कर्मचारियों की प्रतिभा को एक उपयुक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दिनांक 05, 06 व 07 मार्च, 2025 को अंचल कार्यालय के सेमिनार हॉल में विभिन्न गतिविधियों के तहत स्पून–लेमन रेस, म्यूजिकल चेयर व रंगोली जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 07 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. सुधा कत्याल, प्रिंसिपल, सरकारी गृह विज्ञान महाविद्यालय, सेक्टर–10, चंडीगढ़ को आमंत्रित किया गया। अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक, श्री मनोज कुमार दास ने अपने उद्–बोधन में बताया कि महिलाएं समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनके समर्थन के बिना पुरुष आगे नहीं बढ़ सकते और सफल नहीं हो सकते हैं, अतः उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में पुरुषों के समान, बराबरी का स्थान दिए जाने की आवश्यकता है। अपने संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. सुधा कत्याल ने बताया कि महिलाएं अगर ठान लें तो कुछ भी हासिल कर सकती हैं। उन्होंने नारी शक्ति वंदन व नारीत्व की भावना का जश्न मनाने हेतु बहुत ही भव्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए केनरा बैंक की बहुत सराहना की।

दिल्ली

दिनांक 04.03.2025 को अंचल कार्यालय, दिल्ली में माननीय अंचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री आर. के. सिंह जी की अध्यक्षता में "विशेष वित्तीय उत्पादों के माध्यम से महिला ग्राहकों को सहायता प्रदान करने की रणनीति–विभिन्न आयाम" विषय पर मार्च–2025 तिमाही के लिए हिंदी परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जी, उप महाप्रबंधक श्री

Internal

लोकनाथ जी, उप महाप्रबंधक श्री अभय कुमार मालवीय जी सहित अंचल के अन्य कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, दिल्ली द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ट्र 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न लघु एवं कुटीर उद्योगों से जुड़ी हुई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा के प्रांगण में दिनांक 21.03.2025 को "केन उत्सव" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजेश कुमार सिंह, अंचल प्रमुख व मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली द्वारा की गई। कार्यक्रम में श्री अरुण कुमार, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली, सुश्री आराधना त्रिवेदी, क्षेत्रीय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अतुल राजन, सहायक महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा सहित अंचल कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा के अन्य कार्यपालकगण व कर्मचारी उपस्थित रहे। "केन उत्सव" कार्यक्रम में महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विपणन मेला लगाया गया। इस प्रदर्शनी में महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के हस्तकला उत्पाद, डिजाइनर कपड़े, ज्वैलरी, आचार, साबुन, सॉफ्ट टॉय, चमड़े का सामान, चाय, इत्यादि अनेकों उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस कार्यक्रम में 21 महिला उद्यमियों अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

कोलकाता

दिनांक 27 फरवरी, 2025 को अंचल के पर्यवेक्षी कार्यपालक महाप्रबंधक श्री प्रभात किरण (वृहद कॉरपोरेट साख विभाग) ने अंचल कार्यालय, कोलकाता का दौरा किया। अंचल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, आरएएच और एमएसएमई सुलभ की समीक्षा बैठक क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री प्रभात किरण, महाप्रबंधक, वृहद कॉरपोरेट साख विभाग ने की, साथ ही अंचल प्रमुख श्री कल्याण मुखर्जी, महाप्रबंधक, कोलकाता अंचल और उप महाप्रबंधक श्री रजनीश कुमार और श्री अमृत घोष भी उपस्थित रहे। अंचल प्रमुख और महाप्रबंधक श्री कल्याण मुखर्जी ने विभिन्न कारोबार मापदंडों के तहत अंचल की व्यावसायिक स्थिति पर प्रकाश डाला। श्री प्रभात किरण महोदय ने अपने मुख्य भाषण में वित्तीय वर्ष के इस महत्वपूर्ण चरण में देयता मापदंडों के तहत सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें एसबी संस्थागत जमा को बढ़ाने और हमारे कम लागत वाले जमा को बढ़ाने के लिए प्रत्येक ईच वन सोर्स 10 अभियान में सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया।

करनाल

दिनांक 07 मार्च 2025 को अंचल कार्यालय करनाल के परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जी.ए. अनुपम, महाप्रबंधक महोदय जी ने की। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के सभी कार्यपालकों सहित स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती मनीता, प्रबन्धक(राजभाषा) ने की। श्रीमती मनीता ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के विषय में बताते हुए कहा कि इस वर्ष 2025 के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम– सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए; अधिकार, समानता, सशक्तिकरण को रखा गया है। इस दिन का उदेश्य महिलाओं के लिए सम्मान, अवसर, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकारों, उन्नति जैसे अनिवार्य पहलुओं पर निर्णय लिए जाते हैं। यह दिन महिलाओं

Internal

की उपलब्धियों को सम्मानित करने और लैंगिक समानता पर बल देता है। इसके उपरान्त सभी कार्यपालाकों तथा सदस्यों ने अपने–अपने विचार सांझा किए।

मुंबई

"अंतराष्ट्रीय महिला दिवस" पर अंचल कार्यालय मुम्बई की महिला कर्मचारियों के साथ अंचल प्रमुख व मुख्य महाप्रबंधक श्री पुरशोत्तम चन्द, मुख्य महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार अग्रवाल, उप महाप्रबंधक श्री रणजीत कुमार झा, उप महाप्रबंधक श्री पी सरवणन, अंचल कार्यालय, मुम्बई ने 7 मार्च को महिला दिवस मनाया जिसमें महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। मुख्य महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री पुरशोत्तम चन्द और मुख्य महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार अग्रवाल ने सभी कर्मचारियों को महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं। अंचल कार्यालय परिसर में महिला एसएचजी सीईडी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। लगभग 50 एसएचजी ने भाग लिया और स्टॉल पर अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। सभी एसएचजी ने इस बहुमूल्य पहल के लिए केनरा बैंक को धन्यवाद दिया।

अंचल कार्यालय मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में केनरा बैंक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत केईएम और जेजे अस्पताल मुंबई के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें 554 उत्साही प्रतिभागियों ने रक्तदान किया। कड़ी जांच प्रक्रिया के बावजूद, 319 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक एकत्र किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देना और समाज की भलाई में योगदान देना था।

बैंक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत 5 ग्रामीण सरकारी स्कूलों के बच्चों को खेल सामाग्री वितरित की।

पटना

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के शुभ अवसर पर दिनांक 8 मार्च 2025 को शाम 4 बजे से अंचल कार्यालय, पटना में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हमारे सम्मानित महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार मिश्रा एवं साथ ही साथ समस्त महिला कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में टी पी एस कॉलेज पटना की डॉ. अंजलि प्रसाद, अर्थशास्त्री ने सहभागिता की।

Internal

दिनांक 03 फरवरी 2025 को क्षेत्रीय कार्यालय गया ने "क्रेस्ट ग्राहकों के लिए ग्राहक बैठक" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक और अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय पटना और श्री कपिल गणेश गौड़, सहायक महाप्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख गया, क्षेत्रीय कार्यालय और एमएसएमई सुलभ के कार्यपालकगण और शाखा प्रमुख उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 92 क्रेस्ट ग्राहक शामिल हुए। इस कार्यक्रम में अंचल प्रमुख श्री अरुण कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में केनरा बैंक की स्थापना से लेकर अब तक की शानदार यात्रा का विवरण दिया। उन्होंने क्रेस्ट उत्पाद की विशेषताओं और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रमुख, श्री कपिल गणेश गौड़ ने केनरा क्रेस्ट, एसबी सेलेक्ट, केनरा एंजेल, प्रीमियम पेरोल और केनरा एस्पायर जैसे हमारे प्रमुख उत्पादों के बारे में भी विस्तार से बताया और उसके बाद ग्राहकों की प्रतिक्रिया और सुझावों के लिए खुला सत्र आयोजित किया।

पुणे

दिनांक 17 मार्च 2025 को निरीक्षण कार्यपालक श्री अमिताभ चटर्जी, महाप्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय ने पुणे अंचल कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालयों, आरएएच, एमएसएमई सुलभ, एलसीबी, एमसीबी, एआरएम और चुनिंदा कार्यपालक प्रमुख के साथ वीएलबी/ईएलबी शाखाओं की समीक्षा सह व्यापार रणनीति बैठक की। बैठक की अध्यक्षता श्री अमिताभ चटर्जी, महाप्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय और श्री प्रमोद कुमार सिंह, महाप्रबंधक पुणे अंचल ने की। मुख्य अभिभाषण में, महाप्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, श्री अमिताभ चटर्जी ने सीएफवाई में पुणे अंचल के प्रदर्शन के बारे में अपनी चिंताओं और विचारों को व्यक्त किया और बैंक के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कासा, आरटीडी, गुणवत्ता कासा खाता खोलने, खुदरा अग्रिम, एमएसएमई आदि पर प्रकाश डाला। महाप्रबंधक महोदय ने प्रमुख मानदंड जैसे कासा डिपॉजिट, एसबी व्यक्तिगत डिपॉजिट, आरटीडी, गोल्ड लोन, कृषि ऋण, एमएसएमई क्रेडिट, आवास ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण के तहत अंचल के प्रदर्शन में सुधार करने पर जोर दिया। उन्होंने अंचल को समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करने, आवास ऋण प्राप्त करने के लिए प्रमुख बिल्डरों से संपर्क करने, बड़े मूल्य के वाहन ऋणों को प्राप्त करने के लिए वाहन डीलरों के साथ अच्छे संपर्क बनाए रखने आदि की सलाह दी। महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय कार्यालयों को बैंक के साथ उपलब्ध विभिन्न डिजिटल बैंकिंग उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए डिजिटल कैंप आयोजित करने और उन शाखाओं की उचित सहायता सुनिश्चित करने की सलाह दी, जहां नकदी के लिए ग्राहकों की अधिक भीड़ है ताकि शाखा अन्य विभिन्न मापदंडों पर भी ध्यान केंद्रित कर सकें।

Internal

अंचल कार्यालय, पुणे में 10 मार्च, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक तथा अंचल कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाग्यश्री गोडबोले शामिल थीं। सुश्री भाग्यश्री गोडबोले संगीत, चित्रकला, कविता और लेखन में संलग्न एक बहुमुखी व्यक्तित्व हैं। उन्हें युगी फाउंडेशन से प्रतिष्ठित "नारी शक्ति पुरस्कार 2024" सहित कई पुरस्कार मिले हैं। इसके अतिरिक्त वे चमड़े से निर्मित सामग्रियों के विनिर्माण के क्षेत्र में एक सफल उद्यमी हैं। दृढ़ता और रचनात्मकता की उनकी प्रेरक यात्रा ने कार्यक्रम में सभी को प्रेरित किया। महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक ने इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं के लिए अत्यधिक विचारशील अंतर्दृष्टि दी है। महाप्रबंधक ने मुख्य अतिथि– भाग्यश्री गोडबोले और हमारी उप महाप्रबंधक – लीना पीटर पिंटो को सम्मानित किया, साथ ही महिला कर्मचारियों को प्रशंसा का प्रतीक भी भेंट किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं का सम्मान करने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई।

राँची

केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, राँची में श्री सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख के कुशल नेतृत्व एवं अध्यक्षता में दिनांक 11.03.2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती प्रीति रानी, आईएएस, संयुक्त सचिव, उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मेजर शालिनी सिंह, भारतीय सेना, डीपा टोली कैंट, राँची उपस्थित रही। श्री सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि घर, समाज, देश, बैंक एवं विभिन्न कार्यस्थल में महिलाओं का विषेष योगदान है। केनरा बैंक में महिलाएं उच्च पद पर कार्यरत हैं और बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

दिनांक 11.03.2025 को केनरा बैंक के सी. ई. डी. कार्यक्रम के अंतर्गत "केनरा बाजार" का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों द्वारा विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में अंचल कार्यालय, राँची एवं मिड कॉरपोरेट शाखा, राँची के सभी कार्यपालकगण एवं अधिकारीगण ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

Internal

Impact of Physical exercise in our daily lives

Venkatesh Prasad B K
General Manager
Marketing and Public Relations Vertical

Engaging in physical fitness or sports can significantly impact our work life by bringing in a fresh perspective. Exercise has been shown to improve cognitive function, including creativity. Physical activity stimulates blood flow to the brain, which can help us approach problems from new angles. Regular physical activity enhances focus, concentration, and mental clarity. This, in turn, can help us stay focused on work tasks, leading to greater productivity. Participating in sports or fitness activities requires discipline and time management. These skills can translate to your work life, helping you prioritize tasks, manage deadlines, and maintain a healthy work-life balance. Physical fitness and sports teaches us to push through challenges, adapt to new situations, and bounce back from setbacks. These skills are highly transferable to the workplace, where resilience and adaptability are essential.

Joining a recreational sports team or fitness group can provide opportunities to meet new people, including potential colleagues, clients, or mentors. Regular physical activity reduces stress and anxiety, leading to improved overall well-being. This can help us approach work challenges with a clearer mind and greater enthusiasm. Achieving fitness goals or participating in sports can boost your confidence and self-esteem. This increased self-assurance can translate to our work life, helping us to tackle challenges and assert yourself in your role. Engaging in physical activity can help us clear your mind and approach problems with a fresh perspective. This can lead to innovative solutions and new ideas.

By incorporating physical fitness or sports into your lifestyle, we can bring a fresh perspective to your work life, leading to improved creativity, productivity and overall well-being.

References:

1. *Harvard Health Publishing: "Exercise and stress: Get moving to manage stress" (2019).*
2. *American Psychological Association: "Exercise and Stress" (2020).*
3. *World Health Organisation: "Physical Activity" (2018).*

*****

Internal

प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में महिला दिवस समारोह

Women's day celebrations at Head Office, Bengaluru

KARNATAKA - "Political Economy of the Pacific"

M. Kowsalya
Probationary Officer
Sarakarasamakulam Branch

In this article, I have emphasized the significance of Karnataka and for sure you all would definitely be familiarized with the etymology of the great South Indian State "Karnataka". Karnataka is the vibrant State which is nestled in the Southern East coast of India. Karnataka is the only South Indian state to have land borders with the other four Southern India sister States. Though, several etymologies have been suggested for the name Karnataka, the generally accepted one is that, Karnataka is derived from the Kannada word karu and nadu, meaning "elevated land". The word 'karu' means "black" and 'nadu' means "region", which means the land of black soil.

RISE

The State was earlier formed as Mysore State on 1st November 1956 and was renamed as Karnataka in 1973. It is the sixth largest state which is famous for its wildlife, heritage, temples, monuments, beaches, adventure, food and much more and the state capital is Bengaluru, which is the largest city of Karnataka. Karnataka has been the home to some of the most powerful empires of ancient and medieval India. The Hoysalas of Dwarasamudra, the Vijayanagara, the Bahumani, and the Sultans of Bijapur were some of the empires that ruled the region. The Chalukyas are the dynasty that gave Karnataka its name. Whereas, the Kadambas were considered the earliest indigenous rulers of Karnataka. Its founder was Mayuravarma and its most powerful ruler was Kakusthavarma. Later, the Ekikarana movement which started in the later half of the 20th century, culminated in the States Reorganisation Act of 1956 which gave us the wonderful land called Mysore. Karnataka has 21 wildlife Sanctuaries and 5 National Parks. It is special for its natural beauty, cultural diversity and historical monuments. It has seven major rivers such as Cauvery, Tungabhadra, Krishna, Pennar, Godavari and Palar.

HERITAGE AND RITUALS

Karnataka's culture and tradition includes festivals, arts and crafts, especially food. Talking about dressing, during festivals and weddings, men and women wear typically Dhoti, Kurta, Saree, Mysore Peta, Mysore Silk Sarees and Ilkal saree especially. The State is a true blend of Religious, Linguistic, Artistic, Culinarian and Folklore. Karnataka is famous for its enchanting Classical music, Hindustani and Carnatic music thrive. Hindustani flourishes in North Karnataka and Carnatic in South Karnataka. Ugadi, a vibrant festival that marks the beginning of the New Year and the spring season. Karnataka Rajyotsava, also known as Karnataka State day, celebrated on November 1st to commemorate the merger of kannada speaking regions in 1956. Karnataka is simply a State of Cultural Diversity.

THE CRAFTSMAN STYLE

Karnataka is a brew of not only Kannadigas but also Tuluvas, who make the major theatrical forms in coastal Karnataka with traditional folk arts. Contemporary theatre culture of Karnataka is one of the most vibrant in India. Veeragase, Kamsale and Dollu Kunitha are popular dance forms. Bharatanatya also enjoys wide patronage in Karnataka. A traditional performing art of

Internal

Karnataka which has travelled the entire globe is Yakshagana or Bayalaata, one of the most famous living art traditions in the world. It is a combination of fusion folk and classical tradition, which includes colorful costumes, music, dance, singing and most importantly dialogues composed on the "Yaksha" or the "Celestial Being". Gamaka is a unique music form based on Karnatak Sangeeth. Pilivesha is a dance form which is manifested on the streets and temples around the coastal Karnataka. Karnataka's traditional paintings include Chittara art, Mysore paintings and folk art.

LAND OF SANDALWOOD

Sandalwood is often cited as one of the most expensive woods in the world. Karnataka is producing high quantities of sandalwood which is used for producing perfumes, essential oils, cosmetics, talcum powder etc. Chamarajanagar is the richest sandalwood reserve in the state.

LAND OF GOLD

Karnataka is referred to as Kolar Gold Fields, a mining region located in the Kolar district of the State. This area is considered the largest gold mine in India. Due to its gold mining activities, the city of Kolar is often called as "The Golden City of India". Ganajur and Hutti are also the biggest gold mines in Karnataka.

ONE STATE MANY WORLDS!

Being, the official tagline of Karnataka tourism, it is a holistic truth that the state has several historic and heritage places to visit. Mahamastakabhisheka of Gommateshwara Statue at Shravanabelagola, Virupaksha temple at Hampi, Ruins of Hampi, Mysore Palace, Temples of Pattadakal, Chennakeshava Temple, which is the UNESCO World Heritage site, Jog falls in Uttara Kannada District, Gol Gumbaz in Bijapur. The government has introduced The Golden Chariot – a train which connects popular tourist destinations in the State and Goa. Mangalore has Table Top Airport, which has connectivity through land, water and Sea. Devanagere is "the Heart of Karnataka", which is surrounded by 5 districts.

AROMATIC FLAVOURS:

Karnataka's cuisine is said to be one of the oldest surviving in the country. Raagi Mudde – very popular in rural Karnataka, eaten with Bassaru and Upsaaru. Upsaaru – Simple Sambar, Bassaru – prepared by decanted water of dal and greens. A very familiar dish of Karnataka is Bisi Bele Bath- a spicy rice based dish. Holige is one of the most popular sweet dish. Bengaluru, the capital of Karnataka is also considered the food capital of the state. It blends with South Indian flavors with North Indian influences. Korri Gassi – chicken gravy made with coconut oil and red chillies is a delectable dish of Manglore, southern Karnataka. Coorg pandi curry – A spicy pork dish made with masala paste and kachumpuli, a local fruit is a signature dish in Kodagu region

TECHNOLOGY HUB

Bengaluru, the capital city, is known as the Silicon Valley of India. It is the largest software exporter and Bengaluru is the fourth largest technology cluster in the world. The software industry has become one of the main pillars of the State's economy. The state has the highest GDP in the country.

In a nutshell, the state has a dominance in Banking Industry, Hotel Industry and IT Industry. Agriculture and forestry plays a vital role in the economy of the country. Karnataka is the hub of Tourism. Industrial growth has transformed the landscape. The state boasts stunning landscapes, from the western ghats' lush greenery to the serene beaches along its coastline. The State is also a manufacturing hub, which provides vital job opportunities, which would promote a good and wealthy economy. It has a special place in the heritage and culture. Hope you have got emphasized with the culture and heritage of the Golden Land. Do visit the IT Capital of India and feel the vibe.

*****

Internal

FUN CORNER

--------- SU-DO-KU ----------

To solve a su-do-ku puzzle, every digit from 1 to 9 must appear in each of the nine vertical columns, in each of the nine horizontal rows, and in each of the nine boxes.

						5		
			6	8	1		4	7
8			9		3			
5		1	8				9	4
4						2		
9								
				1	6	4		
			2	3		6		5
		6	7	9			8	1

---------- RIDDLES ----------

1. I have branches, but no fruit, trunk or leaves. What am I?
2. What three numbers, none of which is zero, give the same result whether they're added or multiplied?
3. Which is heavier; a ton of bricks or a ton of feathers?
4. The day before yesterday I was 21, and next year I will be 24. When is my birthday?

Answers to the SU-DO-KU and Riddles

SU-DO-KU

6	1	9	4	2	7	5	3	8
3	2	5	6	8	1	9	4	7
8	4	7	9	5	3	1	6	2
5	3	1	8	6	2	7	9	4
4	6	8	1	7	9	2	5	3
9	7	2	3	4	5	8	1	6
7	8	3	5	1	6	4	2	9
1	9	4	2	3	8	6	7	5
2	5	6	7	9	4	3	8	1

Riddles

1. A Bank
2. One, two and three
3. Neither. Both weigh a ton
4. December 31st. Today is January 1st

Internal

The Essence of Cyber Threat and Security

Mahadevan R
Senior Manager
Vigilance section, CO, Chennai

It's not the strongest of the species that survives,
nor the most intelligent that survives.
It's the one most adaptable to change.
– Charles Darwin

In the dynamic world, every organization faces an incessant change in the working environment. It can be competitive threats, new regulations, financial uncertainty, technological shifts, business risks etc. All these force the management to maintain a state of perpetual vigilance to survive. Globalization and technological advancements have enabled the mushrooming of new business models at a faster pace. The ability of businesses to respond effectively to these pressures can be in itself a source of sustainable competitive advantage.

Tech-savvy Organizations are taking cues from Darwin and are building them with systems and infra-structure capable of responding to threats and capitalizing on opportunities with amazing speed. They conduct SWOT analysis periodically and continuously innovate to strengthen their "Strengths" and eliminate their "Weaknesses" and reaping the "Opportunities" as and when it comes and the biggest challenge they face is the inbuilt "Threats" in every opportunity. Undoubtedly, in this hyper techno world, Cybersecurity threat has become the biggest of all and has become a part and parcel of every business in today's world.

A business concern which innovates its digital advancements has to overcome the inherent internal and external security risks it brings along. Banking service industry is no exception to this. After the evolution of CBS system banks are trying to build a robust cyber security environment to withstand any kinds of threats which has become both challenging and Herculean.

There is a famous saying "The policemen have to think more effectively than a thief to catch them; In turn, the thief has to exhibit more innovations than the security officials to get away from them". This is the exact situation the way cyber threats have grown.

As cyber threats evolve, companies must adopt proactive measures to safeguard their data and systems to reduce data breach. Cyber security is not just a technical issue, but a critical business concern that requires strategic planning and continuous vigilance. With the rise in sophisticated cyber-attacks targeting organizations of all sizes, the potential impact of a security breach can be devastating—ranging from financial losses and operational disruptions to reputational damage and legal consequences.

In this rapidly changing digital landscape, staying ahead of cyber threats means not only understanding the current threat environment but also anticipating future risks. Companies need to foster a culture of cyber security awareness, invest in the latest technologies, and establish comprehensive policies to mitigate potential vulnerabilities.

What is cyber risk?

Cyber risk can be understood as the potential chance of exposing of information and communications of the business to dangerous actors, elements or circumstances capable of causing loss or damage.

Who are the cyber attackers?

External cyber threat actors include organized

Internal

criminal groups, professional hackers, state-sponsored actors, amateur hackers and activists. Insider threats are users who have authorized and legitimate access to a company's assets and misuse their privileges deliberately / intentionally or accidentally.

Understanding Cyber Security Threats

In today's digital landscape, businesses face numerous cyber security threats, including malware, phishing attacks, ransom ware, and data breaches. Understanding these threats is the first step in developing a robust cyber security strategy. Businesses must recognize that cyber threats are constantly evolving, and staying informed about the latest trends and attack vectors is crucial. A few of the main cyber security threats are...

- Ransom ware.
- Malware Threats.
- Phishing. ...
- Man-in-the-Middle Attack. ...
- Malicious Apps. ...
- Denial of Service Attack. ...
- AI-powered Cyber-Attacks.
- Social Engineering Attacks.
- Network and Application Attacks.
- Digital Infrastructure Threats.

From the literal meaning of the above words, we can assume what kinds of cyber threats they are.

What is cyber safety?

Cyber safety is the safe and responsible use of information and communication technologies, such as internet, social media, online games, smart phones, tablets and other connected devices. Cyber safety education and training provide everyone with the knowledge and skills they need to stay safe in online environments

How to stay cyber safe, both as an individual or as an organization

- Use strong passwords – min 12 characters long with combination of all characters.
- Turn on multi-factor authentication – both biometric & OTP
- Think before you click.
- Be careful what you share.
- Avoid public Wi-Fi.
- Check publicly known breaches.
- Update operating system, software and apps.
- Limit what personal info you share online.

Prohibit Cybercriminals from Deepening Their Roots

The majority of data exploitations often take place more than a year after the breach occurred. Once they gain access to a database, criminals can move deeper into the system and wait until the right time to leverage the data. Therefore, organizations must be vigilant in monitoring all critical accounts and systems so that when a breach does occur, it can be identified quickly. The longer a criminal has been on your network, the deeper their roots will grow and the longer and more expensive it will be to ultimately weed them out.

Deploy Advanced Firewalls and Antivirus Solutions, Securing networks and devices

Protect Employees from Sophisticated Phishing Attacks

Prevent Data Privilege Abuse

A Cyber data report said that 55 percent of insider incidents involved the exploitation of privileges. It's tempting to grant broad access to data rather than go through the effort of applying different permission levels relevant to one's responsibilities. Hence not all workers need access to all areas of your network. Limit user privileges to only those necessary for their role.

Provide Employee with Best Practices & Communicate Cyber security Policies, Stay Informed about Arising Threats

No doubt, it's impossible to have a bullet proof data protection strategy. That's not to say we should give up, though. Maintaining a balance of protection and prevention measures as well as a plan for detecting and containing a breach can greatly mitigate the

Internal

impact of compromised data. Data breaches are inevitable, but that doesn't mean organizations are powerless against them.

In addition to building a strong defense-in-depth strategy which includes technological solutions at different layers of the network, the weakest link in the security chain continues to be the end user. As such, employee awareness is critical. Providing employees with best practices for keeping data secure and alerting them to how to identify potential cyber attacks is an important part of any data protection strategy. Human error remains one of the leading causes of data breaches. Conduct regular training sessions to educate workers about phishing, social engineering, and safe internet usage.

Regularly review cyber security news, attend webinars, and consult cyber security experts. Proactive monitoring allows you to adapt your security strategies and remain a step ahead of hackers.

Back Up Data Regularly

Frequent backups protect you from data loss due to cyber attacks, hardware failures, or accidental deletions. Use a 3-2-1 backup strategy — keeping three copies of your data in two different locations, with one copy stored offsite. This practice can mitigate the damage of ransom ware attacks, where hackers lock you out of your system until you pay a ransom.

Engaging Cyber security experts

Sometimes, in-house expertise may not be sufficient to handle complex cyber security threats. Engaging cyber security experts or consulting firms can provide specialized knowledge and support to strengthen your security posture. External experts can offer insights into the latest threats, recommend advanced security solutions, and help implement best practices tailored to your business needs.

Monitoring Network Traffic for Suspicious Activity and Incident response

Continuous monitoring of networks and systems can help detect suspicious activities early. Establish an incident response plan that outlines steps to take in the event of a cyber security breach, ensuring quick and effective action. This includes defining roles and responsibilities, establishing communication protocols, and conducting regular drills to prepare for potential incidents.

Conclusion

Cyber security is more important than ever, with accelerating risks from sophisticated attacks. By implementing multi-factor authentication, encryption, regular software updates, and employee education & training, you can create a strong defense against cyber pitfalls. Staying informed, monitoring network traffic, and restricting access can also protect your data from evolving threats.

"You shouldn't have something in your back office that exists in someone else's front office."

- Jack Welch

The fundamental of implementation revolves round this famous quote in continuously monitoring the surroundings and watching other organizations and distinguish the vulnerability and implementation of immediate work around corrections.

In banking sector too, a collective Cyber security mindset is much needed factor to stay vigilant. In today's digital-first banking, everyone wants to do banking, but does not visit classical brick and mortar banks, especially Zen-Y customers. Hence it has always inbuilt cyber security concerns which needs to be addressed by all financial institutions and to spread awareness among all types of customers too. In this network depended technological banking revolutions, cyber threats are not a just an IT concern, but they are a collective challenge that demands constant vigilance from all spheres. The increasing sophistication of cyber-attacks on financial institutions proves that no system is 100% secure, unless it is backed by proactive security measures, continuous employee training and strong customer awareness programs.

*****

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

बैंकिंग में साइबर अपराध

धीरज जुनेजा
अधिकारी
सूरत क्षेत्रीय कार्यालय

मौजूदा दौर में पूरा विश्व दो अलग–अलग दुनिया में जी रहा है। एक भौतिक दुनिया तो दूसरी वर्चुअल दुनिया, वर्चुअल दुनिया असीमित, आभासी और तकनीकी है। पिछले कुछ दशकों में वर्चुअल वर्ल्ड और भी अधिक व्यापक और सघन हुआ है। इस आभासी दुनिया में मानवीय हस्तक्षेप बड़ी तेज गति से बढ़ा है और इसका सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए यह जरूरी है कि वर्चुअल वर्ल्ड की गतिविधियों को संतुलित और नियंत्रित रखने के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएं। वर्चुअल वर्ल्ड को साइबर वर्ल्ड के नाम से भी जाना जाता है। दुनिया भर की सभी अर्थव्यवस्थाओं में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका अहम है। यह कहना भी कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि बैंकिंग क्षेत्र विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं की बुनियाद है। 1990 से बैंकिंग उद्योग में शुरू किया गया पूर्णत: कंप्यूटरीकृत का दौर अब ऑनलाइन बैंकिंग से कहीं आगे पहुंच गया है। अब तो डिजिटल बैंकिंग उत्पाद ही नहीं बल्कि डिजिटल शाखाएं खोलने की भी चर्चा है। डिजिटल लेनदेन में ग्राहक की प्रत्यक्ष उपस्थिति आवश्यक न होने से साइबर अपराधी ग्राहकों को अपना शिकार बना लेते। देश में निरंतर बढ़ती स्मार्टफोन की संख्या ने लोगों को डिजिटल लेनदेन में प्रमुख एनईएफटी, आरटीजीएस व अन्य ऑनलाइन लेनदेन के मुकाबले विगत कुछ वर्षों से यूपीआई लेनदेन में भी कई गुना वृद्धि हुई है। भारत में आज करोडों एटीएम/डेबिट कार्ड/क्रिडिट कार्ड उपयोग में हैं, इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है जो कि बढ़ते डिजिटल लेनदेन की नई बानगी है। विगत एक दशक में फ्लिपकार्ट, अमेजन और अन्य वेबसाइटों ने ऑनलाइन शॉपिंग महानगरों से गांव–गांव पहुंचा दिया । हाल के दिनों में दुनिया भर में साइबर हमलों की संख्या बढ़ी है, यह उल्लेखनीय है कि हैकर्स का पसंदीदा क्षेत्र वित्तीय या बैंकिंग क्षेत्र ही है जिससे उन्हें अनुचित तरीके से वित्तीय लाभ प्राप्त होता है और इसका विपरीत असर आम ग्राहकों, व्यापारियों अथवा संस्थानों पर पड़ता है। विगत एक दशक में फ्लिपकार्ट, अमेजन और अन्य वेबसाइटों ने ऑनलाइन शॉपिंग महानगरों से गांव–गांव पहुंचा दिया है तथा आने वाले वर्षों में इसमें प्रतिवर्ष 25% की वृद्धि की संभावना है। इस तरह से यह जरूरी हो जाता है कि हम बैंकिंग क्षेत्र की गतिविधियों को सुरक्षित करें और यह बैंकिंग क्षेत्र की प्रतिष्ठा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर उन परिस्थितियों में जबकि पूरी दुनिया में इंटरनेट के यूज़र्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत की बात 2020 में भारत में लगभग 74,5 करोड इंटरनेट उपयोगकर्ता थे। 2023 में इनकी संख्या 85.00 करोड़ हो गई है। आंकडों पर नजर डाले तो वर्ष 2017 में साइबर अपराधों के 21796 मामले सामने आए थे जो अब 50000 से भी अधिक है। साइबर हमलों के मामले के भारत तीसरे नंबर पर है। आंकड़े पर गौर करें तो क्रेडिट कार्ड, एटीएम, ऑनलाइन बैंकिंग तथा ओटीपीपी के माध्यम से धोखाधड़ी की घटनाएं में तीन गुना से भी अधिक बढ़ोतरी हई है।

बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप

साइबर हमलों से संबधित अपराधों को दो तरह से वर्गीकृत किया जा सकता है। ऐसे अपराध जिनमें कंप्यूटर/डिवाइस को एक लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, उदाहरण के लिए हैकिंग, मालवेयर आदि। दूसरे ऐसे अपराध जिनमें कंप्यूटर / डिवाइस को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता हैं, उदाहरण के लिए साइबर आतंकवाद, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी आदि। तकनीक की उन्नत सुविधाओं की उपलब्धता ने इसके दुरूपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाया है। तकनीक के दरूपयोग के कारण ही साइबर अपराध जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। ऐसी गतिविधियों में विभिन्न प्रणालियों जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि पर अवैधानिक तरीके से किये गए

Internal

कार्य शामिल हैं। साइबर अपराध के स्वरूप निम्नलिखित हैं:

विशिंग – इसका प्रयोग वाईस ओवर टेलीफोन सर्विस में होता है। ग्राहकों को फोन करके गोपनीय बैंकिंग जानकारी प्राप्त कर उनके खातों से राशि आहरण कर ली जाती है।

फ़िशिंग – फ़िशिंग के तहत विवरण लेने हेतु ग्राहकों को नकली वेबसाइट के यू. आर. एल. पर डाइरेक्ट किया जाता है। इसके लिए की–लॉगर, स्क्रीन–लॉगर जैसे सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

ट्रोजन हार्स – यह अपनी पहचान छुपाते हुए कंप्यूटर को संक्रमित कर देता है।

मालवेयर/ मेलेशियस कोड – वायरस प्रोग्राम जो कंप्यूटर के फाइलों को नष्ट करता है।

रैनसमवेयर – इसके माध्यम से कम्प्यूटर की फाइलें एन्क्रिप्ट कर दी जाती हैं और आगे इसके डिक्रिप्शन हेतु राशि की भी मांग की जाती है।

सोशल इंजीनियरिंग – इसके माध्यम से अपराधी, ग्राहकों को प्रलोभन देकर या भय दिखाकर धोखे से उनकी बैंकिंग संबंधी संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर उनके खाते से धोखाधड़ी के माध्यम से राशि आहरण कर लेते हैं।

स्मिशिंग – संक्षिप्त संदेश सेवा (एस. एम. एस.) पद्धति का उपयोग धोखाधड़ीपूर्ण टेक्स्ट संदेश भेजने के कपटपूर्ण उद्देश्य हेतु किया जाता है।

ई–मेल स्पूरफिंग और फ्रॉड – किसी व्यक्ति का ईमेल इस्तेमाल कर गलत मकसद से दूसरों को ई मेल भेजना, हैकिंग, फिशिंग, स्पैम और वायरस – स्पाईवेयर फैलाने हेतु इस तरीके का इस्तेमाल ज़्यादा होता है।

स्पूर्फिंग – इससे मतलब 'पहचान की चोरी' के उद्देश से किया गया हमला है। ई–मेल स्पूर्फिंग में छद्मपी ई–मेल से अनुचित तरीके से लाभ प्राप्त किया जाता है।

हैकिंग के माध्यम से सिस्टम में किसी की व्यक्तिगत / गोपनीय जानकारी को प्राप्त करने के उद्देश्य से अनधिकृत पहुंच बनायी जाती है।

डिनायल आफ सर्विस (डी.ओ.एस.) – इसके ज़रिए विभिन्न स्रोतों से ट्रैफिक लाकर साइट को डाउन कर ऑनलाइन–सेवा की उपलब्धता समाप्त कर दी जाती है।

कार्ड क्लोनिंग – इसके अंतर्गत मूल–कार्ड का प्रतिरूप/ क्लोन तैयार किया जाता है, जिसमें स्किमिंग तकनीक का प्रयोग होता है। इस प्रकार कार्ड क्लोनिंग के माध्मय से धोखाधडी की घटना को अंजाम दिया जाता है।

साइबर हमलों में लगातार वृद्धि होने के कारण

अब एक सुरक्षित डिजिटल माहौल किसी भी संगठन के लिए बेहद जरूरी है। इसलिए अब शीर्ष कंपनियां साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। सरकार को भी इस संबंध में कड़े कानून बनाकर उन्हें तत्परता से लागू किए जाने से संबंधित व्यवस्था करनी चाहिए। बैंकिंग धोखाधड़ी के मामलों में निरंतर वृद्धि को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में ग्राहकों को साइबर ठगी से बचने तथा सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग हेतु एक मीडिया जागरूकता अभियान भी शुरू किया है।

हमारी निजी सूचनाएं यत्र, तत्र सर्वत्र उपलब्ध : भारत में हमारे पहचान एवं निजी सूचनाओं से युक्त दस्तावेज यथा हमारे आधार, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस लगभग हर जगह उपलब्ध है। देश में किसी भी सुविधा का लाभ उठाने हेतु इन दस्तावेजों को अनिवार्य बनाए जाने के कारण अब हमारी निजी सूचनाएं उतनी निजी नहीं रही। भारतीय व्यवस्था ऐसी है कि कोई भी, कभी भी आपसे आपकी निजी सूचनाएं मांग सकता है और कई बार आपको न चाहते हए भी वो सूचनाएं देनी पड़ सकती है। इसलिए लोग अपने स्मार्टफोन में निजी दस्तावेजों की प्रतियां रखते हैं। दूसरी ओर वे अपने फोन में अनावश्यक एएप्प एवं साफ्टवेयर रखते हैं। इतना ही नहीं उनके फोन से लिंक इमेल, वाट्सऐप आदि में भी निजी दस्तावेज उपलब्ध होने से साइबर अपराधियों का काम बेहद आसान हो जाता है। इसलिए भारत में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि यदि किसी को आपकी सूचना चाहिए तो उस व्यक्ति की उंगलियों के निशान व अन्य निशान से ही वे लिंक यूज़ किए जाएं परन्तु भारत जैसे देश में फिलहाल यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

Internal

आसान पासवर्ड : भारत में ऐसे अनेकों मामले मिल जाएंगे जिसमें बैंकिग, पासवर्ड, एटीएम पिन अन्य संवेदनशील सूचनाएं आसानी से फोनबुक या वाट्सऐप में मिल जाएंगे। अधिकांश लोगों का यही कहना है कि कितना पासवर्ड याद रखें इसलिए सबका मालिक एक की तर्ज पर एक समान पासवर्ड उपयोग कर खुलेआम साइबर अपराधियों को सादर निमंत्रण देते हैं। कुछ लोग तो अपनी माँ/पत्नी/ पुत्र– पुत्री के नाम या जन्मतिथि को ही अपना पासवर्ड बनाते हैं इससे साइबर अपराधियों को आपका खाता साफ करने में और आसानी होती है। इससे बचना बेहद जरूरी है।

बैंक शाखा/कोड़ ही सिस्टम का पासवर्ड : बैंकर जिनपर ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग के बारे में जागरूक करने का दायित्व है वह भी आजतक bankname@brnchcode या bankname@12345 या branchcode@12345 जैसे पासवर्ड से बाहर निकल नहीं पाए हैं। ऐसे में निरंतर बढ़ते साइबर अपराधों की बड़ी संख्या ने हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हम इस दिशा में आगे कैसे बढ़ें। इस पर चर्चा करने या सोचने का वक्त आ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि आज हम और हमारी निजता ही नहीं बल्कि हमारे वित्तीय लेनदेन भी असुरक्षित होते जा रहे हैं कि कब हमारा स्मार्ट फोन हमारा ही दुश्मन बन गया। हालांकि हमें इस सोच से भी उबरना होगा कि भारत सरकार हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी क्योंकि अपनी डिजिटल गतिविधियों पर नियंत्रण कर आपको अपनी सुरक्षा खुद ही करनी होगी।

हम बिना उचित सुरक्षा के विभिन्न उपकरणों का इस्तेमाल कर उससे अपना बैंक खाता लिंक कर वित्तीय लेनदेन भी करने लगते हैं। इसका हम इस दिशा में आगे कैसे बढ़ें। इस पर चर्चा करने या सोचने का वक्त आ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि आज हम और हमारी निजता ही नहीं बल्कि हमारे वित्तीय लेनदेन भी असुरक्षित होते जा रहे हैं। ऐसे में निरंतर बढ़ते साइबर अपराधों की बड़ी संख्या ने हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कब हमारा स्मार्ट फोन हमारा ही दुश्मन बन गया। इसलिए हमें साइबर सुरक्षा के महत्व को समझते हुए सावधानी और सतर्कता सहित एक सुरक्षित जीवन शैली की ओर अग्रसर होना होगा क्योंकि जिन सोशल मीडिया पर हमारी पूरी दिनचर्या निर्भर है उनमें से अधिकांश सर्वर भारत में नहीं है। इसलिए हमें अपने मोबाइल /कम्प्यूटर आदि की जांच नियमित कर कोई अनजाना/अनावश्यक ऐप के अलावा नियमित इस्तेमाल न होनेवाले ऐप भी अपने फोन से हटा दें क्योंकि ऐसे ऐप हमारे निजी सूचनाएं चुराते हैं। कोई भी ऐप हमें मुफ्त सेवाएं नहीं देते बल्कि वे हमारी सूचनाओं का इस्तेमाल अपने हित में करते हैं। इससे बचाव हेतु हमें नियमित रूप से टूल क्लीन करना चाहिए तथा डिजिटल लेनदेन केवल 'https' से शुरू होने वाली वेबसाइटों पर ही करना चाहिए।

बैंकों में प्रभावी साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय:

मौजूदा हालात यह है कि आज साइबर स्पेस को सुरक्षित रखना किसी भी देश की संप्रभुता से जुड़ा मामला है। कई देश अब प्रत्यक्ष युद्ध की बजाय साइबर हमलों के माध्यम से दूसरे देश की वित्तीय व्यवस्था पर चोट पहुंचाना या संवेदनशील जानकारी हासिल करना आदि पर अधिक ज़ोर दे रहे हैं। साइबर स्पेस दरअसल सूचना परिवेश के अंतर्गत एक वैश्विक डोमेन है जिसमें इंटरनेट, टेलीकॉम नेटवर्क, कंप्यूटर सिस्टम इत्यादि जैसी आईटी संरचना शामिल होती हैं। बैंकिंग जगत में आज साइबर अपराधों के नये स्वरूप व प्रकार उभर कर सामने आ रहे हैं जैसे स्पैम ईमेल, हैकिंग, वायरस का प्रसार, सॉफ्टवेयर पायरेसी, फर्जी बैंक कॉल, सोशल नेटवक साइटों पर झूठी जानकारी प्रसारित करना आदि। आने वाले दिनों में साइबर वर्ल्ड में बैंकिंग क्षेत्र की भागीदारी और भी व्यापक होगी। इसलिए यह बहुत ही ज़रूरी है कि भविष्य की बैंकिंग को सुरक्षित रखने के लिए पुख्ता साइबर सुरक्षा उपाय अमल में लाए जाए तथा मौजूदा नियमों को भी साइबर सुरक्षा के लिहाज़ से मजबूत बनाया जाए। इस लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए हमारे लिए यह भी आवश्यक है कि हम साइबर हमलों की वजहों की भी पड़ताल करें और उनके कारणों के जड़ तक जाएं। यहां यह उल्लेखनीय है कि तकनीक पर हमारी निर्भरता मात्र से ही साइबर अपराध नहीं बढ़े हैं । इसके लिए मनुष्यों में तुरंत कुछ हासिल करने की इच्छा, मंहगाई, बेरोज़गारी, खाली दिमाग या असामाजिक गतिविधियों के प्रति रुझान आदि जैसी प्रवृति साइबर अपराधों का कारण बनती हैं। इसके अलावा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता में कमी, लापरवाही, जानकारी का अभाव आदि भी लोगों को साइबर ठगी का

Internal

शिकार बनाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने आसपास साइबर अपराध से जुड़ी गतिविधियों के प्रति लगातार जागरूक रहें और लोगों को भी जागरूक करें। जैसे–जैसे समय आगे बढ़ेगा साइबर सुरक्षा का विषय हमारे लिए उतना ही महत्वपूर्ण होगा तथा आने वाले वर्षों में इसमें प्रतिवर्ष 25% की वृद्धि की संभावना है। बैंक साइबर खतरों से अपने डाटा को सुरक्षित करने हेतु साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क के तहत साइबर सुरक्षा पर प्रभावी तरीके से कार्य कर रहे हैं, जैसे कि:

1. सुव्यवस्थित डाटा बैकअप व्यवस्था
2. सक्रिय सुरक्षा सूचना–तंत्र
3. बाहय सेवाओं की नियमित निगरानी
4. डिजास्टर रिकवरी एवं व्यवसाय निरंतरता योजना
5. साइबर सुरक्षा लेखा–परीक्षा
6. सूचना सुरक्षा से सम्बन्धित ISO–27001 व ISO–27002 सर्टिफिकेट

बैंकों द्वारा डिजिटल बैंकिंग सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया के समय बीच में कोई मध्यस्थ बैंककर्मी नहीं होते और ग्राहक अपनी इच्छानुसार लेनदेन की कार्रवाई आरंभ भी करते हैं और कर्रवाई भी समाप्त करते हैं। ग्राहक स्वयं से लेनदेन करने में तभी सुविधा महसूस करते हैं जब तक कि उन्हें अपने बैंक पर विश्वास होता है। जरा सी घोखाधड़ी की घटना भी उनके इस भरोसे को तोड़ सकती है। अतः बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता है। ग्राहकों को यह बताना होगा कि यूज़र–आई.डी. एवं पासर्ड डिजिटल बैंकिंग की दुनिया के प्रवेश द्वार हैं इसलिए इन्हें गोपनीय रखना बहुत ही महत्वपूर्ण है। किसी भी बैंक या संस्था का कोई भी अधिकारी फ़ोन, इमेल या किसी अन्य तरीके से कभी भी अपने ग्राहक की यूज़र–आई. डी. अथवा पासवर्ड नहीं मांग सकते हैं, यदि कोई ऐसा करता तो अवश्य ही संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है। ग्राहक को भी यह सतर्कता बरतनी चाहिए कि अपने प्रत्येक डिवाइस का यूज़र–आईडी तथा पासवर्ड अनिवार्यतः अलग–अलग रखें ताकि इसे कोई भेद न सकें।

साथ ही निम्नलिखित उपाय बेहद ही कारगर होंगे :

1. साइबर सुरक्षा जोखिमों के संबंध में ग्राहकों को नियमित रूप से जागरूक और शिक्षत करना।
2. सभी संबंधित पक्षों को फिशिंग मेल / फिशिंग साइटों के बारे में जानकारी प्रदान करना एवं इनसे बचने के कारगर उपाय पर कार्य करना।
3. किसी दूसरे के साथ अपने लॉगिन क्रेडेंशियल्स / पासवर्ड शेयर नहीं करना तथा ऐसा करने पर इसके दूष्परिणामों के बारे लोगों को विभिन्न माध्यमों के जरिए जागरूक करना।
4. ईमेल अथवा एसएमएस के जरिए प्राप्त प्रलोभन संदेशों को अनदेखा करना ।
5. शाखा में सुरक्षित डिजिटल लेनदेन संबंधी बिंदुओं को नोटिस बोर्ड या किसी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना।
6. उपयोग में लाए जाने वाले उपकरणों के पासवर्ड को गोपनीय रखना तथा इसे नियमित रूप में बदलते रहना।

उपर्यक्त कुछ उपायों के जरिए हम काफी हद तक साइबर अपराधों से स्वयं को और दुसरों को भी सुरक्षित रख सकते हैं। मुख्य बात यह है कि हमें अपने दैनिक व्यवहार में ऐसे अपराधों से बचने के लिए किताबी ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक बुद्धिमत्त को अपनाने और इसे अमल में भी लाने की जरूरत है। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि साइबर सुरक्षा संबंधी विषयों पर गहन चर्चा–परिचर्चा हेतु नियमित कार्यक्रम एवं संगोष्टियां आयोजित की जाएं जिससे अलग–अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक साथ मिलकर इन विषयों पर चर्चा करें और अपने विचार साझा करें जिन्हें अमल में लाया जाए, यह निश्चित ही हमारे सामूहिक प्रयासों का एक परिणाम होगा और लंबे समय के लिए लाभकारी भी सिद्ध होगा।

*** भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता**

भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में आए दिन साइबर हमलों की खबरें आती हैं जिनमें लाखों / करोड़ों लोगों की निजी सूचनाएं सार्वजनिक किए जाने तथा करोड़ों रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले शामिल होते हैं। विश्वस्तरीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ इस समस्या का हल तलाशने में लगे रहते हैं परन्तु प्रौद्योगिकी

Internal

में हो रहे तीव्र परिवर्तन के कारण जब तक हम किसी एक समस्या का हल तलाशते हैं तब तक नई समस्या खड़ी मिलती है। इन क्षेत्रों की गतिविधियों में पारदर्शिता और निष्ठा बनाए रखने के लिए हमारे लिए साइबर नीतियों और इसके तहत निर्धारित मानकों का पालन करना अत्यंत जरूरी है। भारत के संदर्भ में साइबर कानून का उल्लेख सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (आईटी अधिनियम) में निहित है। यह अधिनियम 17 अक्टूबर, 2000 को लागू हुआ था। इस साइबर कानून को अपनाने के साथ भारत साइबर कानून व्यवस्था अपनाने वाला दुनिया का 12वां राष्ट्र बन गया। साइबर कानून व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को विधिक मान्यता प्रदान करता है और ई–फाइलिंग और ई–कॉमर्स लेनदेन को आगे बढ़ाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है और साथ ही साथ साइबर अपराधों को कम करने तथा रोकने के लिए एक कानूनी आधार के रूप में कार्य करता है।

साइबर कानून सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

इस अधिनियम को बैंकिंग के अन्य अधिनियमों के तहत इलेक्ट्रोनिक रूप में रखे जानेवाले दस्तावेजों को भी कानूनी मान्यता मिलती है और संबद्ध कानूनों के तहत इलेक्ट्रोनिक रूप में रखे जाने वाले दस्तावेजों की गोपनीयता सुरक्षित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। इसके तहत डेटा पॉलिसी, सोशल मीडिया पॉलिसी, ऑनलाइन या मोबाइल बैंकिंग से संबंधित नियम एवं शर्तें शामिल हैं ।अधिनियम बैंकरों को साक्ष्य अधिनियम, 1891 और भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत खातों की पुस्तकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखने के लिए एक अवसर और कानूनी मान्यता प्रदान करता है। अधिनियम से पूरे देश भर में लागू होने से साइबर अपराध संबंधी गतिविधियों से निपटने में कार्रवाई आसान होती है। परंतु भारत से बाहर किए गए ऐसे साइबर अपराध जो भारत से संबद्ध हो उसे भी कवर किए जाने हेतु कुछ उपाय जरूरी हैं। उलेखनीय है कि यह अधिनियम विभिन्न साइबर अपराधों को अधिक स्पष्टता प्रदान करता है और परिभाषित भी करता है। आईटी अधिनियम के तहत, यह भी अनिवार्यता है कि संस्थान अपने यहां उचित सुरक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं को लागू करें ताकि डेटा को अनधिकृत पहुंच, क्षति, उपयोग, संशोधन, प्रकटीकरण से सुरक्षित रखा जा सके। हालांकि, तकनीक में लगातार बदलने के साथ, 2008 में आईटी अधिनिवम 2000 में संशोधन किया गया जो कि 27 अक्टूबर 2009 को प्रभावी हुआ। इस संशोधन से सूचना सुरक्षा अधिनियम और भी अधिक प्रभावशाली हो गया। संशोधन के मुख्य अंश नीचे दिए गए हैं:

1. यह गोपनीयता के बिंदुओं पर केंद्रित है।
2. इसमें सूचना सुरक्षा पर जोर दिया गया है, इसमें साइबर मामलों पर सख्त निगरानी पर बल दिया गया है।
3. इसके तहत डिजिटल हस्ताक्षर की परिभाषा को विस्तृत किया गया।
4. साइबर क्राइम से संबंधी नई बातें जोडी गई, साइबर अपराधों की जांच के लिए अधिकार का निर्धारण किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जो देश को साइबर अपराधों से निपटने में मदद करता है। फिर भी यह विचारणीय है कि भारत में सख्त साइबर कानून होने के बाबजूद, 2020 में साइबर अपराध के 50,035 मामले दर्ज किए गए। पिछले साल की तुलना में ऐसे अपराधों में 11.8% की बढ़ोतरी हुई। असल में साइबर अपराध हर क्षण नए तरीकों से जन्म ले रहा है। रिपोर्ट किए गए आँकड़े और वास्तविकता में काफी अंतर है। अपराध को लोग रिपोर्ट तक नहीं करते जिसके कारण न्यायालय तक पहुंचने वाले साइबर अपराधों की संख्या बहुत ही कम है। वास्तव में भारत की आईटी अधिनियम में सुधार लाने की सख्त आवश्यकता है दुनिया भर में तकनीक में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। सबसे अधिक प्रौद्योगिकियां– बिग डेटा, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इटेलिजेंस (I), और इंटरनेट ऑफ बिंस (IOT) हैं। तेजी से बदलते डिजिटल युग में दिन प्रतिदिन नए–नए प्रकार के साइबर अपराध भी सामने आ रहे हैं, ऐसे भी कई मामले हैं कि जब भारत आज भी पुराने अधिनियम के बल पर साइबर अपराध को नियंत्रित कर रहा है। इस प्रकार से समय के साथ कानून को भी समयानुकूल बनाने की जरूरत है। बिग डेटा, डेटा एनालिटिक्स की बात करें तो इसमें यकीनन बेहतर विधिक सुरक्षा कदमों की आवश्यकता है। आईटी अधिनियम की अपनी सीमाएं हैं। मौजूदा कानून के तहत ग्राहकों को डाटा उल्लंघन की सूचना देना अनिवार्य नहीं हैं। कई बार बड़े पैमाने पर साइबर सुरक्षा की घटनाओं को तभी रिपोर्ट किया जाता है, जहां लागू कानूनों के तहत यह अनिवार्य

Internal

है। आज डेटा संरक्षण अधिनियम के अधिनियमन को मुस्तैदी से ट्रैक करना और एक मजबूत और प्रभावी डेटा संरक्षण प्राधिकरण स्थापित करना जरूरी है।

*** साइबर हेल्पलाइन नम्बर 155260 –** बेहद प्रभावी:गृह मंत्रालय ने साइबर धोखाधड़ी से होन वाले वित्तीय नुकसान से बचाव एवं डिजिटल भुगतान में विश्वास जगाने हेतु हेल्पलाइन नम्बर 155260 जारी किया है। इसके अन्तर्गत राज्य पुलिस और बैंक साइबर मामलों से बचाव और समाधान हेतु मिलकर काम करेंगे। यह हेल्पलाइन और इसका रिपोर्टिंग प्लेटफार्म भारतीय रिज़र्व बैंक, सभी प्रमुख बैंक, भूगतान बैंक, वॉलेट और ऑनलाइन मर्चेंट के सहयोग से इंडियन साइबर क्राइम को आडिनेशन सेंटर द्वारा परिचालित है। इसमें लगभग सभी बैंक एवं वित्तीय लेनदेन करने वाले संस्थान भी जुड़े हैं। इस सेवा में आपको वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज करना जरूरी नहीं है। https://cybercrime. gov.in नामक सरकारी पोर्टल पर पीड़ित वित्तीय धोख़ाधड़ी की सूचना दे सकती है।

*** साइबर कानून की प्रभावशीलता :** व्यावहारिक तौर पर भारत में अपराध का ग्राफ घटने के स्थान पर निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। इसका मुख्य कारण है लगभग सभी स्तर पर कानून के अनुपालन में कमी महसूस की जाती है। कई बार जनता सावधानी बरतने में नाकाम रहती है तो कई बार प्रशासन अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल साबित होती है। इस अधिनियम में जुर्माने से लेकर उम्र कैद तक की सजा का प्रावधान है तथा निर्दोष लोगों को एक साजिश के तहत फंसाने के लिए की गई शिकायतों से सुरक्षित रखने की भी व्यवस्था है परंतु कम्प्यूटर, दूरसंचार और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को इसकी जानकारी न होने से आम जनता आसानी से साइबर अपराधियों के भंवरजाल में फंस जाती है भारत में जितनी तेजी से इंटरनेट का प्रचार–प्रसार हुआ उतनी तेजी से इसके उपयोग के बारे में जागरूकता नहीं बढ़ी। जिसके कारण आज भी आम जनता इसके उपयोग की तकनीकी गहराईयों से अपरिचित है। पलक झपकते ऑनलाइन लेनदेन एवं डेटा अंतरण के जमाने में फायदा उठाकर साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों एवं प्रलोभनों द्वारा आपकी निजी जानकारी जुटाकर पल भर में आपका खाता खाली कर देते हैं। जब तक आपको पता चलता है तब तक तो आपके पैसे आपके खाते से निकलकर कहां से कहां पहंच जाते हैं। इसमें पूरा नेटवर्क संलग्न है जो बड़ी ही सफाई से अपने शिकार को फंसाता है।

निष्कर्ष:

देश तेजी से प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है ,परन्तु हम अभी भी पुराने अंदाज में जी रहें है। हम साइबर अपराध की गंभीरता समझने की कोशश ही नहीं कर रहे कि साइबर अपराधी पलभर में हमारी जिंदगी की गाढ़ी कमाई हमारे खाते से उड़ा सकते हैं और हम कुछ नहीं कर पाते। हम अपने जीवन भर की जमा पूंजी खोने के बाद शायद अपने दिल को दिलासा दे भीं ले परन्तु यदि साइबर अपराधियों ने छल–कपट से हमारे परिवार की कुछ ऐसी चीजे सार्वजनिक कर दिया तो ऐसी स्थिति से हम शायद कभी उबर नहीं पाएंगे। साइबर अपराध से निपटने में प्रवर्तन एजंसियों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अपराध में शामिल असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंध लगाना और उन्हें पकड़ना बहुत चुनौतीपूर्ण है। साइबर वर्ल्ड में आपराधिक घटनाओं के विरूद्ध प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने के लिए गंभीर अपराधों (साइबर अपराध सहित) की उचित जांच और अभियोजन के लिए डिजिटल डेटा अनिवार्य है। साइबर अपरारधों के सबंध में अधिक स्पष्टता की जरूरत है। विदेशों में स्थित व्यक्ति साइबर अपराधों के लिए प्रत्यर्पण और अभियोजन से बच जाते हैं क्योंकि मूल देश में ऐसे अपराध की परिभाषा एवं व्याख्या अलग है। अलग–अलग अधिनियम में अपराध की परिभाषा और सीमा सक्ष्म अंतर से भी साइबर अपराधी को बच निकलने में आसानी होती है. इसलिए ऐसी घटनाओं पर गहन अध्ययन की जरूरत है और कोशिश यह की जानी चाहिए कि किसी भी अधिनियम के तहत बने कानूनों के बीच सुक्ष्म अंतर के कारण भी अपराधी को छूट न मिल सके। एक अनुमान है कि 2027 तक 900 मिलियन से अधिक भारतीयों के पास डिजिटल प्लेटफॉर्म की पहंच होगी। यह भी लाज़मी है कि साइबर स्पेस में हमारी दख़ल जितनी बढ़ेगी हमें स्वयं को भी उसी सक्षमता के साथ साइबर अपराधों से निपटने को तैयार रहना होगा और इस लक्ष्य के लिए हमें अपने कानून को अपराध से निपटने के अनुकूल बनाना होगा। साइबर आपराधी कोई सामान्य अपराधी नहीं बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक रूप से आपकी पहचान मिटाने के अभियान में लगे हैं। ऐसे कृत्यों से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने के साथ– साथ जागरूकता से ही निपटा जा सकता है।

*****

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

मैसूर पाक

अल्पना शर्मा
ग्राहक सेवा सहयोगी
गंगानगर शाखा
क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ

कर्नाटक राज्य के मैसूर शहर की पहचान संस्कृति और कला के केंद्र के रूप में की जाती है। एक समय यह शहर, वायनाड़ राजवंश की राजधानी हुआ करता था। आज मैसूर को, कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। इस शहर का इतिहास पुराणों जितना पुराना है। कहा जाता है कि मैसूर पर महिषासुर का शासन था। 'महिष' यानि भैंसे के सिर वाला राक्षस। उसके अत्याचारों से परेशान होकर देवी–देवताओं ने देवी से बचाव की विनती की। ऐसे में देवी पार्वती के चामुंडेश्वरी रूप ने चामुंडी पहाड़ी की चोटी पर महिषासुर का वध किया। इसीलिए मैसूर को 'महिषासुरना ऊरु' या 'महिषासुर' का शहर कहा जाता है। आगे चलकर यही नाम 'मैसूरु' और फिर 'मैसूर' हो गया। पर किसी भी जगह के इतिहास में उसके स्थानीय खाने का भी महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। कर्नाटक को जहाँ नीर डोसे, मेडु वडा और बिसी बेले बाथ जैसे पकवानों के लिए जाना जाता है, वहीं एक ऐसी मिठाई है, जिसका नाम ही इस राज्य के एक शहर के नाम पर पड़ा है और वह है, 'मैसूर पाक'।

मैसूर शहर एक समय मैसूर साम्राज्य की राजधानी था। इसी साम्राज्य के एक महाराजा, कृष्णराज वाडियार चतुर्थ खाने के बहुत शौकीन थे। खाने के शौक के कारण ही उन्होंने मैसूर के अम्बा विलास महल में एक बड़ी–सी रसोई बनवाई थी, जहाँ उनकी पसंद के पकवान बनते थे। महाराजा के मुख्य रसोइया, काकासुर मडप्पा मिठाइयाँ बनाने में पारंगत थे। एक दिन महाराजा ने उन्हें कोई मिठाई बनाने को कहा, पर उस समय मड़प्पा के पास रसोई में बेसन, घी और शक्कर ही मौजूद थे। उन्होंने इन्हीं तीन चीजों से एक प्रयोगात्मक मिठाई बनाकर महाराजा के सामने पेश की। महाराजा उस मिठाई को खाकर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने इसे पूरे मैसूर के पकवान का नाम दिया यानि 'मैसूर पाक'। यही नहीं, महाराजा कृष्णराज वाडियार ने मड़प्पा को महल के बाहर इसकी एक दुकान खोलने का भी आदेश दिया। वही दुकान आज भी मैसूर के देवराज मार्केट बिल्डिंग में 'गुरु स्वीट मार्ट' के नाम से है और उसे मड़प्पा जी के वंशज चला रहे हैं। वे आज भी वही विशुद्ध मैसूर पाक लोगों तक पहुँचाने का दावा करते हैं, जो मड़प्पा जी ने महाराजा के लिए बनाया था।

पिछली दीवाली पर अचानक मैसूर पाक खाने की मेरी इच्छा ने मुझे इस आसान–सी दिखने वाली पारंपरिक मिठाई को घर पर बनाने को मजबूर कर दिया। लगभग 6–7 साल पहले यह मिठाई मैंने उसी गुरु स्वीट मार्ट में खाई थी, पर इसकी विधि इंटरनेट से पढ़कर मैंने मन ही मन सोचा कि तीन सामग्रियों से बनी इस मिठाई को बनाना ज्यादा मुश्किल तो नहीं होगा, पर मैं गलत थी।

पहली कोशिश में मैंने बेसन, घी और शक्कर को बराबर भाग में पकाकर एक बर्फ़ीनुमा मिठाई बना दी, जिसे चखने से पहले ही मेरी आँखों ने उसे मैसूर पाक मानने से इन्कार कर दिया। उसमें बेसन की सही भुनावट से आने वाला स्वाद और रंग ही नहीं था। पहली असफलता में मैंने यह समझ लिया था कि मैसूर पाक जैसी मिठाई में आप बेसन और शक्कर की मात्रा में किफायत नहीं कर सकते। वैसे भी मडप्पा जी के समय में शाही मिठाई बनाते समय घी और शक्कर दोनों में ही हाथ खुला रखा गया होगा।

दूसरे प्रयास में मैंने पहली गलती को सुधारते हुए, बेसन, घी और शक्कर को 1:2:2 भाग में लिया। इस बार बेसन की भुनावट से आने वाली खुशबू ने मुझे जता दिया था कि इस बार मिठाई बन ही जाएगी, पर भूनते समय जब बेसन घी से अलग होने लगे, उस समय उसे तुरंत आँच से उतार लेना

Internal

चाहिए। सिर्फ 5 मिनट की देरी से मेरा मैसूर पाक सूखा होकर आटे के कसार जैसा बिखर गया। इस बार मैं इसके भुनने और पकने की विधि को और समझकर तीसरा प्रयास करने को तैयार हुई।

तीसरे प्रयास को विफल कहने को मेरा मन गवाही तो नहीं दे रहा, पर फिर भी मेरी पर्फेक्शनिस्ट सोच ने उसे असफल होने का ही तमगा थमा दिया। तीसरी बार में सब ठीक था, पर मैसूर पाक में भूरे रंग के ना आने से मैं उदास थी। इसीलिए चौथी बार में भूनते समय उस छोटी सी एक कमी को भी पूरा कर दिया।

अगर चार बार के मेरे प्रयासों के बारे में पढ़कर आप भी मैसूर की इस पारंपरिक मिठाई को खाना चाहें तो गुरु स्वीट मार्ट वाले अब इसे ऑनलाइन भी उपलब्ध करने की सुविधा देते हैं, पर सच कहूँ तो खुद के प्रयासों से बनाए इस शाही पकवान को खाने का मज़ा ही कुछ अलग है। बस थोड़ा–सा इलाईची पाउडर इसका स्वाद और निखार देता है। कभी मैसूर जाने का मौका मिले तो इस शाही मिठाई को इसकी असल दुकान से खाइएगा और मन ही मन मड़प्पा जी को याद कीजिएगा।

*****

Foreign Language Expert

Off Beat Course

A diverse country like India has numerous languages, however you can build a career and draw a handsome salary if you master a foreign language. Foreign language proficiency is more crucial than ever in today's environment. It provides numerous opportunities. It is one of the best unconventional career options that can open up a world of opportunities for you, both within India and overseas.

Career Options in Foreign Language

Translator: A translator's job is to accurately convey emotions, concepts, ideas, and words into another language. They translate written texts from one or more languages into the “target language” taking care to ensure that the translated version accurately captures the original's meaning.

Interpreter: An interpreter is not a translator, at least not in the traditional sense. Translators work with written language, whereas interpreters work with spoken and sign languages, to put it very simply. In a nutshell, an interpreter is a person who quickly and in real time transmits information between languages. They are typically required if there is a conversation or exchange between individuals who speak different languages.

International Business Correspondence: Writing or exchanging information are two aspects of international business correspondence. It is something you want people to know about you, about your firm, and about how you handle business transactions. It is one of the fields where language experts are most in demand.

International Sales Positions: Positions in international sales are always available in a variety of industries for job seekers with strong multilingual skills.

Language Teacher/ Professor: Teaching foreign languages at various educational levels.

Journalism and Media: Working in international news organizations, where language skills are needed for reporting and translation.

Tourism and hospitality: Working in travel agencies, hotels or tour guide roles, where language skills are highly valued.

Research and Academia: Conducting research on language, culture and translation

Source: Enrichmycareer.com

Internal

Mule Accounts & Cyber Scams: Dark Web of Digital Fraud

Nishbat Mansoori
Manager
Vadodara Regional Office

In December 2024, an 81-year-old retired Army officer, Shri Gopal, fell victim to a sophisticated cyber scam. He received a call falsely alleging that a non-bailable warrant had been issued against him for money laundering. The scammers manipulated him into believing he was under investigation and placed him under WhatsApp video surveillance, masquerading as law enforcement officials. Under this pressure, he was instructed to visit his bank and transfer ₹15 lakh to an account linked to Prestige Pulse Constructions Pvt Ltd in Nagpur.

Delhi Police's Cyber Cell launched an investigation, revealing a large fraud network linked to a Chinese company. Five individuals were arrested in Jhansi for arranging mule bank accounts that facilitated money laundering via Crypto Currency. The investigation uncovered a sophisticated operation involving recruitment, money layering, and the conversion of stolen funds into digital currency. This case highlights the growing cyber threat posed by mule accounts and underscores the need for heightened awareness and preventive measures.

What Are Mule Accounts?

Mule accounts are bank accounts used by fraudsters to move illicit funds, often without the knowledge of the account holder. These accounts play a crucial role in cybercrime by obscuring the origins of stolen money, making it difficult for authorities to track transactions.

Money mule operations are part of a broader money-laundering chain, often involving drug traffickers and organized crime. The global losses due to money laundering are estimated to be around $1.6 trillion, or 2.7% of the world's GDP. Fraud schemes utilizing mule accounts link financial institutions to organized crime, posing serious legal and regulatory risks.

Types of Money Mules

Mule account holders can be categorized into two groups:

1. Unwitting Mules – Individuals deceived into transferring money under the pretext of legitimate business transactions, Unwitting or unknowing money mules are unaware they are part of a larger

Internal

scheme. They are often solicited via an online romance scheme or job offer and asked to use their established personal bank account or open a new account in their true name to receive money from someone they have never met in person.

2. Witting Mules – Individuals who knowingly participate in illegal activities for financial gain. The witting money mules ignore obvious red flags or act wilfully blind to their money movement activity. They may have been warned by bank employees they were involved with fraudulent activity and open accounts with multiple banks in their true name. They could have been unwitting at first but continue communication and participation.

Both categories face severe legal and financial consequences if implicated in illicit transactions.

The Money Mule Scheme: How It Works

1. Recruitment & Account Creation : Fraudsters target vulnerable individuals - such as the unemployed or low-income earners - to open bank accounts or share their existing account credentials. New accounts are often created on financial service platforms requiring minimal documentation. Fraudsters identify potential mules through direct contact, ads offering "easy money" or fake job opportunities, or social media. These seem like legitimate opportunities at first glance but are designed to manipulate individuals to become mules.

2. Account 'Warm-up' : Once the mule account is set up, the funds – often originating from scams, fraud, or stolen credit cards – are deposited into the mule's account. This can happen through wire transfers or online payments methods. To establish trust, small transactions are made from the mule account before large-scale fraud begins. This helps fraudsters avoid detection by banks and financial authorities.

3. Account Takeover & Money Transfers : The fraudsters then transfer the illegal money into the money mule's account. The money mule is then directed to transfer the money to another money mule's account – starting a chain that ultimately results in the money getting transferred to the fraudster's account. Cybercriminals gain control of the mule's account through phishing attacks or social engineering tactics, allowing them to transfer stolen funds without raising red flags. The fraudster may also instruct the mule to transfer the money to a Cryptocurrency wallet, often across international borders. In some cases, mules are made to convert the money into a different currency or even purchase items to be sent to another location.

4. Money Withdrawal & Laundering : The Money Withdrawal & Laundering Stage in a money mule scheme is the final and most critical phase, where illegally obtained funds are extracted and disguised to appear legitimate. At this stage, the money mule, who has received illicit funds through wire transfers, Cryptocurrency transactions, or direct deposits, is instructed to withdraw the money. This can be done through ATMs, bank branches, digital wallets, or even by purchasing high-value items such as gift cards and luxury goods. The primary aim is to move the money quickly and make it difficult to trace.

Once the money is withdrawn, the laundering process begins. Criminals often instruct mules to transfer the money to different accounts, including those registered under fake or stolen identities, or

Internal

to convert it into Cryptocurrency to obscure the transaction trail. Sometimes, the funds are funnelled through multiple bank accounts in a tactic known as layering, which further complicates tracking. Additionally, shell companies or legitimate businesses may be used to integrate the illicit funds into the financial system.

This stage is particularly risky for the money mule, as financial institutions and law enforcement agencies closely monitor unusual withdrawals and fund movements. Many mules, often unaware of the full extent of the scheme, find themselves facing serious legal consequences, including charges of money laundering and financial fraud. The use of digital currencies makes it challenging for authorities to track transactions.

Growing Role of Crypto Currency in Money Laundering

According to Group-IB, there has been a surge in the use of Cryptocurrencies for laundering stolen funds. This trend has emerged due to the relatively lax KYC (Know Your Customer) regulations in small and medium crypto exchanges. Criminals exploit these platforms to obscure the transaction trail and move money across borders with minimal scrutiny.

Money laundering is a common theme among many crypto crimes. Criminal actors exploit the anonymity of the block chain to launder profits from both off-chain and on-chain crimes to obfuscate the sources of illicit funds and convert them into cash, which can then be moved into the legitimate banking system. Crypto currency is used by criminals to launder funds from diverse types of crimes, from real-world criminal activities to cybercrimes, digital fraud, and thefts of Crypto currencies from online exchanges.

Most mainstream exchanges and other Virtual Assets Service Providers (VASPs) are subject to Financial Action Task Force (FATF) guidance, which aims to mitigate the risks of using virtual assets for money laundering and terrorist financing. FATF implements a risk-based approach to Anti-Money Laundering (AML) that includes Know Your Customer (KYC) regulations that require exchanges and other VASPs to verify their customers' identities. These regulations have prompted criminals to find advanced techniques to throw off financial investigators and launder their illicit funds.

Red Flags: How to Identify a Mule Account

Financial institutions and individuals should watch for the following warning signs:

- Multiple bank accounts accessed from the same device.
- Transactions that do not match the account holder's typical behaviour.
- Requests to receive and transfer funds on behalf of a third party.
- Pressure to keep transactions confidential.
- High-reward job offers requiring minimal effort.

Legal and Financial Consequences

Internal

Involvement in mule account schemes can lead to severe penalties, including:

- **Bank Account Freezing –** Financial institutions may freeze accounts linked to suspicious transactions.
- **Legal Action –** Account holders may face criminal charges under Anti-Money Laundering (AML) laws.
- **Financial Losses –** Victims may suffer significant monetary losses due to fraud.
- **Identity Theft –** Personal information used in fraudulent transactions can be exploited for further crimes.

Mitigation Strategies: How to Stay Safe

1. Strengthening AML Measures : Financial institutions should implement robust AML procedures, including:

- ✓ AI-driven transaction monitoring to detect anomalies.
- ✓ Enhanced KYC processes for verifying account holders.
- ✓ Real-time fraud detection alerts.

2. Public Awareness & Education : Individuals must be educated on the risks of mule accounts through:

- ✓ Cyber Security awareness programs.
- ✓ Regular updates on emerging fraud tactics.
- ✓ Clear guidelines on reporting suspicious activities.

3. Reporting Cyber Fraud : If you suspect fraud, take immediate action:

- ✓ Contact your bank to freeze suspicious transactions.
- ✓ Report incidents to the cybercrime helpline (1930) or the cybercrime portal (www.cybercrime.gov.in).
- ✓ File complaints with the Cyber Crime Cell via the SacharSathi Portal.

Government & Law Enforcement Initiatives : The Indian government has taken significant steps to combat mule account fraud:

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

गाँव के सम्मान का नया स्वाद: गोपाल स्पेशल

प्रिया पँवार
अधिकारी
परतपुर शाखा, मेरठ

कर्नाटक के छोटे से गाँव मल्लपुर में रहने वाला गोपाल हमेशा से खाना बनाने का शौकीन था। बचपन से ही वह अपनी माँ के साथ रसोई में समय बिताता और नए–नए व्यंजन बनाने की कोशिश करता। उसकी माँ जब मसालों को भूनतीं, तो उनकी खुशबू उसे मंत्रमुग्ध कर देती। वह देखता कि कैसे साधारण दाल–चावल भी सही मसालों और प्यार के साथ कुछ खास बन जाता है। लेकिन गाँव के लोग उसकी इस रुचि को पसंद नहीं करते थे।

"अरे गोपाल, यह क्या औरतों जैसे रसोई में घुसे रहते हो?" गाँव के बुजुर्ग उसे चिढ़ाते।

उसके पिता भी उससे नाराज़ रहते।

नए स्वाद की खोज:

गाँव में आमतौर पर वही पारंपरिक व्यंजन बनते थे – **रागी गेंदे, बिसी बेले बाथ, नीर डोसे और अक्की रोटी**। लेकिन गोपाल को इन्हें और बेहतर बनाने की धुन सवार थी। वह घंटों तक मसालों के अनुपात पर प्रयोग करता और हर व्यंजन को एक नया स्वाद देने की कोशिश करता।

एक दिन उसने पारंपरिक बिसी बेले बाथ में थोड़ा सा नारियल का दूध और इलायची डालकर इसे एक अनोखा स्वाद दिया। जब उसकी माँ ने इसे चखा, तो वे दंग रह गईं।

"गोपाल, यह तो कमाल का स्वाद है!", माँ ने खुश होकर कहा।

फिर उसने नीर डोसे को थोड़ा बदलकर उसमें मसालेदार भरावन भर दिया, जिससे वह और भी स्वादिष्ट बन गया। लेकिन जब उसने गाँव के लोगों को इसे चखने के लिए कहा, तो वे हँस पड़े। गाँव में कोई उसकी प्रतिभा को नहीं पहचान पा रहा था। लेकिन गोपाल ने हार नहीं मानी।

शहर की ओर कदम:

गोपाल को यकीन था कि उसके व्यंजन खास हैं। उसने फैसला किया कि वह शहर जाकर अपनी किस्मत आजमाएगा। वह बेंगलूरु चला गया और वहाँ एक छोटे से होटल में काम करने लगा।

शुरुआत में उसे केवल बर्तन धोने का काम मिला, लेकिन जब होटल मालिक को पता चला कि वह शानदार खाना बना सकता है, तो उन्होंने उसे मौका दिया। गोपाल ने अपने अनोखे स्वादों से वहाँ के ग्राहकों का दिल जीत लिया।

Internal

उसने पारंपरिक कर्नाटक व्यंजनों को एक नया रूप देकर एक नया मेनू तैयार किया। उसका बनाया **रागी पास्ता, बिसी बेले अरनचिनी और जैकफ्रूट बिरयानी** लोगों को खूब पसंद आया। कुछ ही महीनों में उसका नाम बेंगलूरू के बड़े शेफ्स के बीच चर्चा में आने लगा।

एक विदेशी आदमी भारतीय व्यंजनों को खोजने के लिए भारत आया था, उसने गोपाल के बनाए व्यंजनों को चखा। वह इतना प्रभावित हुआ कि उसने गोपाल को अपने साथ यूरोप चलने का न्योता दिया।

यह गोपाल के लिए सपने जैसा था! वह इटली चला गया और वहाँ के एक मशहूर रेस्तरां में काम करने लगा। उसने **भारतीय और इटालियन स्वाद को मिलाकर नए व्यंजन बनाए, जैसे रागी पास्ता विद स्पाइसी करी सॉस, ज्वार पिज़्ज़ा विद टमाटर चटनी, और इलाइची–गुड़ टिरामिसु।**

धीरे–धीरे उसकी प्रसिद्धि बढ़ने लगी। न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो–हर जगह उसके बनाए व्यंजन पसंद किए जाने लगे। वह एक मशहूर शेफ बन गया, जिसके रेस्तरां दुनिया के अलग–अलग देशों में खुलने लगे।

गाँव की पहचान: जब गोपाल का नाम अखबारों और टीवी चैनलों पर आने लगा, तब उसके गाँव के लोगों को एहसास हुआ कि उन्होंने उसे कभी समझा ही नहीं। जो लोग उसे कभी ताने देते थे, वे अब उसपर गर्व करते हैं।

एक दिन, गोपाल अपने गाँव लौटा। उसने गाँव में एक कुकिंग स्कूल खोला, जहाँ उसने महिलाओं और युवाओं को खाना बनाने की ट्रेनिंग देना शुरू किया।

उसने गाँव के लोगों से कहा।

"खाना बनाना सिर्फ महिलाओं का काम नहीं, यह एक कला है। इसे कोई भी सीख सकता है।"

आज, मल्लपुर गाँव दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान बना चुका था। गोपाल ने यह साबित कर दिया कि जुनून और मेहनत से किसी भी परंपरा को बदला जा सकता है।

गोपाल के नाम पर गाँव का पारंपरिक व्यंजन

गाँव वालों ने यह तय किया कि वे अपने पारंपरिक व्यंजन अक्की रोटी को नया नाम देंगे– 'गोपाल स्पेशल रोटी'। यह वही अक्की रोटी थी, जिसे गोपाल ने अपने तरीके से नया रूप देकर प्रसिद्ध किया था। उसने इसमें थोड़ा सा कसा हुआ नारियल, हरी मिर्च और विशेष मसाले मिलाए थे, जिससे इसका स्वाद अनोखा बन गया था।

अब गाँव के हर घर में गोपाल स्पेशल रोटी बनाई जाने लगी। यह न केवल एक व्यंजन था, बल्कि एक पहचान थी– एक संघर्ष की कहानी, एक बदलाव की निशानी।

धीरे–धीरे इस व्यंजन की लोकप्रियता बढ़ने लगी। शहरों में भी लोग इसे गोपाल स्पेशल कहकर खाने लगे। कर्नाटक के बड़े रेस्तरां ने इसे अपने मेनू में शामिल किया। यह सिर्फ एक रोटी नहीं रही, बल्कि एक सफलता की कहानी बन गई।

*****

Internal

Stay vigilant, Stay Safe:
Cyber Threats Are Closer Than You Think

Abdul Qadeer
Investment Secretariat
Part of Integrated Treasury Wing,
Mumbai, Head Office

It was a quiet Sunday morning, I was enjoying my tea, casually scrolling through my phone, and trying not to think about Monday. Just as I was getting comfortable, my phone rang. The number was unknown, but curiosity got the better of me. The moment I answered, a man on the other end started shouting, barely letting me process what was happening.

"Is this your name?" he barked. He fumbled with my full name, but I instinctively confirmed it was me. And that's when the real drama started.

"A Police team is on the way to arrest you," he said, his voice growing harsher and more threatening. "You have been watching adult content on your phone, visiting illegal websites, and a case has been registered against you."

Before I could even process his words, he launched into a tirade of abuse. He kept saying that the police would be at my doorstep any minute, that my reputation would be destroyed, and that everyone would know about my so-called activities. For a moment, a chill ran down my spine. What if there was some mistake? What if this was real? But as he continued his aggressive rant, something clicked in my mind- this was a scam.

Digital Arrest Fraud: Fear as a Weapon

Cybercriminals don't just rely on hacking passwords or stealing OTPs. Sometimes, they use fear. It turns out, I was almost a victim of what is now called **Digital Arrest Fraud**, where fraudsters exploit fear to extort money. They use tactics like:

1. **False Accusations –** Claiming you have committed a crime online.
2. **Threat of Arrest –** Saying law enforcement is on the way.
3. **Isolation –** Trying to prevent you from verifying the claim with others.
4. **Financial Demands –** Asking for money to "settle" the matter.
5. **Psychological Manipulation –** Using abusive language, urgency, and threats to create panic.

The scammer was banking on my fear, hoping I would make a mistake - maybe transfer money to make this imaginary "case" disappear.

Taking Action: Calling 1930

I immediately called 1930, the National Cyber Crime Helpline, hoping to report the incident. The officer on the line listened patiently and then asked me, "Have you lost any money?"

When I replied "No", they advised me to file a complaint at my nearest police station instead. Though I wished there was more they could do, I understood that financial loss is often a key factor in cybercrime investigations. Nevertheless, I didn't ignore the warning – I headed straight to the police station and reported the incident. The police, though sympathetic, could not do much since I had not lost any money. "Just block the number," they advised.

It was frustrating, but it was also a wake-up call. If I had panicked even a little more, I might have ended up on the losing side of the scam.

The Rise of Fear- Based Cyber Scams

My experience is just one example of how

Internal

cybercriminals prey on emotions. Fear, urgency, and shame are their strongest tools. Similar scams include:

- **Fake Police or Government Calls –** Like mine, where fraudsters pretend to be from Law enforcement, tax authorities, or banks.
- **Loan or EMI Scam –** Threats of legal action over fake outstanding dues.
- **Sextortion Scams –** Claims that hackers have recorded private activities and will leak them unless money is paid.
- **OTP & Banking Frauds –** Urgent calls asking for OTPs or card details under the guise of account verification.

How to Stay Safe?

As cyber threats evolve, awareness is our best defense. Here some crucial safety tips to protect yourself from such scams:

1. Verify Claims: If someone claims to be law enforcement, bank personnel, or government officials, independently verify through official sources before taking any action.

2. Stay Calm: Scammers rely on panic. Take a moment to think rationally before reacting.

3. Report Suspicious Activity: Even if you don't lose money, reporting fraud attempts helps prevent others from becoming victims.

4. Educate yourself about Common Frauds: Awareness is Key. The more you know about cyber scams, the harder it is for fraudsters to trick you.

5. Never share Personal Details: Even confirming your name can give them leverage. If an unknown caller is aggressive, refuse to engage.

6. Spread the Word: Many people, especially the elderly, fall for these scams. Inform family and friends to stay alert.

Final Thoughts

That Sunday morning, I learned a valuable lesson. Cyber threats are not just about hacking and viruses – they are about manipulation and fear. Whether through urgency, threats, fear, greed, or false accusations, scammers try to get inside our heads. Staying vigilant is our best defense.

So the next time your phone rings with a suspicious call, take a deep breath, stay calm, and remember – fear is their weapon, awareness is yours!

*****

Family Folio

Sketch by:
Shreyas S Patgar
S/o Shruthi M Patgar
Officer
SPF & Gratuity Section, HO

Internal

Canara Bank Women's Table Tennis Team Secured Silver Medal in the All-India Public Sector Table Tennis Championship held at Kozhikode, Kerala during January, 2025. Seen in the picture is Ms. Ananya Chande of Maharashtra (L) , Guest Player & Ms. Maria Rony (114940) Officer, EPC Section, G A Wing, Head Office(R)

Canara Bank Hockey team players represented Karnataka State Hockey team in the National Games 2025 held at Haridwar, Uttarkhand and secured Gold Medal. Left to right are Sri Jagdeep Dayal, Officer, CAM Wing, HO, Sri G N Pruthviraj, Officer, GA Section, RO-East, Bangalore Circle, Sri K P Somaiah, Officer Jayanagar Shopping Complex Branch, RO-South, Bangalore Circle & Sri K M Somanna, Officer, RM Wing, HO.

Canara Bank Men's Table Tennis Secured Bronze Medal in the All-India Public Sector Table Tennis Championship held at Kozhikode, Kerala during January, 2025. Left to right are: Guest Player Sri Amir Aftab, Sri Aniban Tarafder, Officer, CPPC Section, Govt. Services Vertical, Resources Wing, HO, Sri Yeshwanth & Sri Rahul Malik.

Internal

Reviving Bengaluru's Lifelines:

The Inspiring Journey of Anand Malligavad, India's 'Lake Man'

Pushkar Pandey
Manager
MP Nagar, Bhopal

Bengaluru, once celebrated as the "City of Lakes," has witnessed a dramatic decline in its water bodies due to rapid urbanization and industrialization.

A recent in-depth study by the Bangalore Water Supply and Sewerage Board (BWSSB) in collaboration with the Indian Institute of Science (IISc) warns of an impending water crisis that could hit over 80 wards in Bengaluru by April- 2025. The research reveals that groundwater levels in peripheral areas -such as KR Puram, Mahadevapura, and 110 villages beyond the Outer Ring Road are expected to decline sharply, with Central Bengaluru potentially plunging to depths of around 5 meters, 10-15 meters in CMC areas, and 20-25 meters in the villages. This alarming trend follows last year's record-breaking drought, which saw nearly 125 of the city's 800 lakes dry up, with an additional 25 teetering on the brink, transforming once vibrant water bodies into barren cricket pitches. The study, which also highlights severe shortages in Cauvery water connectivity for many residents, calls for urgent measures-such as a real-time groundwater monitoring dashboard and expanded Cauvery network connections-to mitigate what could be the worst drought scenario in Bengaluru in 30-40 years.

From over 200 lakes and tanks, the city now grapples with diminishing water resources, leading to severe water shortages and environmental challenges. Amidst this crisis, one man's untiring dedication has sparked a transformative movement to restore these vital ecosystems. Anand Malligavad, often hailed as India's "Lake Man," has pioneered the rejuvenation of numerous lakes, breathing life back into the city's parched landscapes.

Early Life and Inspiration

Born in 1981 in Karnataka's Koppal district-an arid region plagued by scarce rainfall and frequent droughts - Anand Malligavad's childhood was deeply shaped by the realities of water scarcity. Growing up in an environment where every drop of water was precious, he developed an innate understanding of the importance of conservation. These early experiences became the foundation for his future mission: rejuvenating India's lakes and restoring ecological balance.

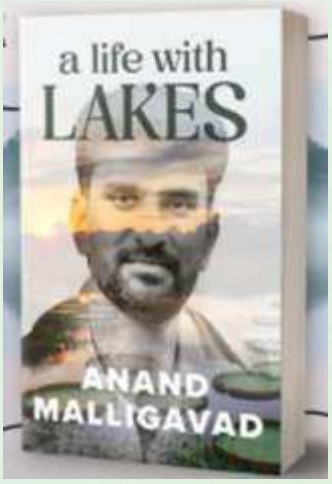

As a child, Anand found solace in his village lake, his favourite spot for play and exploration. Little did he know that this innocent fascination would evolve into a life-changing commitment to preserving India's water bodies. Today, Anand is celebrated as the 'Lake Man of India,' having successfully revived nearly 80 lakes across the country, covering an impressive 500 acres.

A mechanical engineer by profession reflects on his journey with humility. “I was never into studies much. To me, nature was my first school, and I loved the village lake. Every day, I played there, making small castles, dams, streams, and islands using mud and sand,” he recalls. What began as childhood play has transformed into a movement with a profound environmental impact.

His large-scale restoration efforts have breathed new life into water bodies across India. In Bengaluru alone, he has rejuvenated 33 lakes, followed by seven in

Internal

Ayodhya, eight in Lucknow, and a staggering 40 in Odisha. Some of his remarkable projects in Karnataka include Nanjapura Lake, Kyalasanahalli Lake, Vabasandra Lake, Bingipura Lake, Konasandra Lake, Gavi Lake, Manae Lake, Hadosiddapura Lake, and Chikkanagamangala Lake. Yet, Anand is far from slowing down. His latest and most ambitious endeavor is the restoration of a 756-acre lake in Kolaramma, near Bengaluru in Karnataka, setting the stage for another landmark achievement in water conservation.

Anand Malligavad's tireless efforts continue to make a lasting impact on India's environmental landscape. With every lake he revives, he not only replenishes a water source but also restores biodiversity, supports livelihoods, and safeguards the country's natural heritage for future generations.

Transition from Corporate Professional to Environmental Crusader

In 2016, Anand Malligavad, then serving as the Corporate Social Responsibility (CSR) head at Sansera Engineering, encountered a pivotal moment that would redefine his life's mission. Disturbed by reports predicting severe water shortages in Indian cities, including Bengaluru, by 2030, he was compelled to act. This concern was amplified by the stark reality that Bengaluru, once home to over 1,500 interconnected lakes in the 16th century, had seen this number dwindle to fewer than 450 by 2017, with only about 10 in healthy condition.

Motivated by this alarming situation, Anand embarked on a personal mission to restore the city's neglected water bodies. While maintaining his professional responsibilities, he dedicated his evenings to visiting various lakes, immersing himself in their ecosystems, and studying ancient water management techniques. His research led him to the methods of the Chola dynasty, known for creating self-sustaining lakes requiring minimal maintenance.

Anand's first major project was the rejuvenation of the 36-acre Kyalasanahalli Lake near Anekal. This lake had been dry for over four decades, reduced to a dumping ground and even a makeshift cricket field. With a budget of ₹95 lakh (approximately $127,000 USD) secured through Sansera Engineering's CSR funds, Anand and his team commenced the restoration in April 2017. They removed nearly 400,000 cubic meters of mud, planted 18,000 saplings—including 3,000 fruit-bearing trees and 2,000 medicinal plants—and constructed five islands to serve as bird sanctuaries. A separate area with high embankments was created to naturally treat incoming sewage water. Amazingly, the entire project was completed in just 45 days.

The success of this initiative was evident when the monsoon rains arrived, transforming the once barren expanse into a thriving lake. This achievement not only revitalized the local ecosystem but also recharged surrounding wells, providing a sustainable water source for the community. Buoyed by this success, Anand decided to fully commit to environmental conservation. He left his corporate career and, over the next six years, expanded his efforts beyond Bengaluru, rejuvenating over 80 lakes across nine Indian states, covering more than 360 hectares. His innovative approach has inspired numerous other lake restoration projects throughout the country.

Anand Malligavad's journey from a corporate professional to an environmental crusader underscores the profound impact one individual can have on addressing ecological challenges. His dedication serves as a testament to the power of personal commitment in driving environmental conservation and sustainable water management.

Internal

Methodology and Community Engagement

Anand Malligavad's approach to lake rejuvenation is a blend of scientific methodology and deep community involvement. His strategy focuses on reviving interconnected lake systems by considering the region's topography and natural water flow. This ensures that the entire watershed remains sustainable rather than just restoring individual water bodies. His efforts emphasize long-term ecological impact by employing natural restoration techniques inspired by traditional methods, including those used by the Chola dynasty, known for creating self-sustaining lakes that require minimal maintenance.

The rejuvenation process begins with identifying lakes that have suffered severe degradation due to pollution and encroachment. A thorough assessment of the lake's existing state, including silt accumulation, water quality, and biodiversity loss, helps design a customized restoration plan. The first step in execution involves desilting, which increases the lake's water retention capacity. The removed silt is repurposed to construct embankments and create islands that serve as nesting grounds for birds, enhancing biodiversity. In the case of Kyalasanahalli Lake, nearly 4 lakh cubic meters of silt were extracted, and five islands, each spanning 110 meters in diameter, were built within just ten days. Over time, these islands transformed into thriving ecosystems with towering trees at their center, surrounded by fruit-bearing and flowering saplings, fostering rich biodiversity.

A vital aspect of Anand's methodology is large-scale afforestation around the lakes. He and his team have planted over 18,000 saplings, including 3,000 fruit trees of 22 different varieties, 3,000 native plant species, and 2,000 ayurvedic plants. These efforts not only improve groundwater recharge but also create a lush, green belt around the restored lakes, benefiting local flora and fauna. The revival of these water bodies has led to the return of local fish species, further proving the restoration of the lake's ecosystem.

Community engagement is at the heart of Anand's projects. Recognizing that long-term sustainability depends on local involvement, he actively mobilizes residents, volunteers, and corporate partners to participate in the restoration process. During the Kyalasanahalli Lake rejuvenation, Anand launched an awareness campaign under the guidance of B. Muthuraman, former Vice Chairman of Tata Steel, reaching out to nearly 400 households. Initially, the idea was met with skepticism, but over time, the enthusiasm of the community grew, and many volunteered their time to assist in the transformation. This collaborative model fosters a sense of ownership and responsibility, ensuring that the lakes remain protected even after the restoration is complete.

Anand's passion for lake conservation took root while he was the CSR head at Sansera Engineering. With support from his employers, he successfully revived multiple lakes, including the 16-acre Konasandra Lake. However, his vision extended beyond corporate-backed initiatives. In early 2019, he made a bold decision to leave his corporate career and pursue lake restoration full-time. Though parting with the corporate world meant stepping out of an established support system, it also gave him the independence to scale up his work. To continue his mission, he founded his own NGO, which now leads large-scale restoration projects across India.

Scaling the Mission

Buoyed by the success of his initial project, Anand set an ambitious goal: to rejuvenate 45 lakes by 2025. In 2019, he made the bold decision to leave his corporate career and dedicate himself entirely to this mission, establishing the 'Malligavad Foundation'. The foundation's approach is both systematic and scientific, focusing on inter-connected lake systems divided zonally based on topography and natural water flow. This strategy ensures the sustainability of entire watersheds rather than isolated water bodies.

By mid-2024, Anand had successfully rejuvenated over 30 lakes in the Bengaluru district. Each project involved meticulous planning, community engagement, and collaboration with local authorities. For instance, the Margondanhalli Lake, a 19-acre water body plagued by sewage and encroachment, was restored in 75 days. The process included

Internal

dewatering, desilting, constructing earthen bunds, and setting up natural filtration systems. Such efforts have not only replenished groundwater levels but also transformed these lakes into vibrant ecosystems supporting diverse flora and fauna.

Challenges and Controversies

Despite his successes, Anand's journey has not been without challenges. In early 2024, the rejuvenation of Heelalige Lake became a focal point of controversy. Local farmers alleged that the construction of an unapproved ring bund disrupted natural water flow, leading to water shortages in adjacent areas. The situation escalated to an official complaint, resulting in an inquiry and legal proceedings against Anand and his foundation under the Karnataka Lake Conservation and Development Authority Act. Anand defended his actions, asserting that the bund was part of a well-researched strategy and suggesting that vested interests opposed to environmental conservation were behind the allegations.

Collaborative Efforts and Future Vision

Anand's work has inspired a broader movement towards lake conservation in Bengaluru. Government bodies, corporate entities, and citizen groups have initiated various projects to restore the city's lakes. For instance, the state government sanctioned ₹317 Cr (approximately $42.5 million USD) for the development and improvement of 68 lakes in the city.

Looking ahead, Anand envisions rejuvenating 100 lakes across India within the next decade. His mission transcends mere restoration; he aims to foster self-sustaining ecosystems that reflect the natural ecology of bygone eras. By integrating traditional water management practices with modern scientific approaches and galvanizing community participation, Anand strives to create a sustainable and water-secure future for urban and rural communities alike.

Reviving Bengaluru's Lost Lakes: A Legacy of Change

Anand Malligavad's journey is a legacy to how one individual's passion can drive large-scale environmental transformation. His relentless efforts in

lake rejuvenation have not only revived dying water bodies but also restored Bengaluru's fading ecosystem, setting a benchmark for sustainable conservation across India.

His method involves desilting, creating biodiversity zones, and ensuring community involvement for long-term upkeep. With corporate and NGO collaborations, he has raised nearly ₹115 Cr, securing support from HP, Intel, Samsung, Biocon Foundation, Infosys, and Salesforce. Despite facing challenges like administrative hurdles, land mafia resistance, and public skepticism, Anand remained undeterred. “I faced questions until I proved my worth,” he recalls. His lake rejuvenation efforts in Bengaluru—where once-thriving water bodies had been reduced to wastelands—have not only replenished groundwater but also rekindled a sense of responsibility among citizens.

Now recognized on key advisory boards, Anand credits his success to his wife and daughter. “They support me without expecting appreciation,” he acknowledges. From a corporate professional to Bengaluru's 'Lake Man,' his mission is a wake-up call for the world—proving that real change begins with a single step and a single drop can create ripples of transformation.

*****

Internal

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

लालच बुरी बला है....

मोनालिसा पंवार
ग्राहक सेवा सहयोगी
एल आई सी सीएबी जोधपुर

विट्ठल जी अपनी धर्मपत्नी के साथ दौड़े–दौड़े शाखा में पहुंचे। सुबह–सवेरे शाखा के खुलते ही उन्हें इतना हड़बड़ाया देखकर सभी अचंभित थे। शाखा में उपस्थित एक अधिकारी ने उन्हें आराम से कुर्सी पर बैठाते हुए पूछा, 'विट्ठल जी आखिर हुआ क्या? ये क्या हालत बना रखी है।' उनसे तो बोलते नहीं बन पा रहा था। उनकी धर्मपत्नी ने ही बात शुरू की और उन पर चिढ़ते हुए बोली, 'कितना मना किया था आपको कि कुछ मत बताओं, पता नहीं क्या ही जादू हो गया था इन पर।' बस हमें दूर करते रहे और सारी बातें बताते रहे। शाखा में उपस्थित हम सभी स्टाफ एक दूसरे का चेहरा ही देख रहे थे क्योंकि हमें उनकी कोई बात समझ नहीं आ रही थी।

दिनेश जी जो शाखा में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे उन्होंने श्रीमती विट्ठल को शांत करते हुए कहा, 'आप आराम से बैठकर धीरे–धीरे सारी बात बताइए क्योंकि फिलहाल हमें आपकी कोई बात समझ नहीं आ रही है और जब तक हम समझेंगे नहीं, आपकी समस्या का समाधान कैसे कर कर पाएंगे।'

विट्ठल जी के पास बैठते हुए उनकी आंखें भर आई। उन्होंने धीरे–धीरे सारी बातें बताना शुरू किया कि कल एक मैड़म का फोन आया कि आपको 5 लाख की एक लॉटरी लगी है। हम आपके खाते में 5 लाख रुपए भेजेंगे जिसके लिए आपको रजिस्ट्रेशन करना होगा। जिसके लिए सिर्फ 500 रुपए ऑनलाइन जमा करवाने होंगे। हम आपको एक लिंक भेजेंगे उस पर क्लिक करके आप अपने एटीएम या डेबिट कार्ड द्वारा भुगतान कर सकते हैं।

'मैंने और बेटे ने इन्हें बहुत रोकने की कोशिश की लेकिन इनके सर पर तो लालच का भूत सवार था। हमारे लाख समझाने का भी इन पर कोई असर नहीं हुआ उल्टा हमें ही डांटते रहे कि तुम्हें पैसा आता हुआ अच्छा नहीं लग रहा क्या? हमने कहा कि एक बार बैंक में बात कर लेते हैं लेकिन वो मेडम तो फोन रखने ही नहीं दे रही थी।'

'उन्होंने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया पता नहीं क्या हुआ मैसेज आने शुरू हो गए पहले तो 50000 रुपए का मैसेज आया । हम तो डर गए मैंने ओर बेटे ने बहुत रोका लेकिन तब तक इनके हाथ में भी कुछ नहीं था । भगवान का शुक्र था कि हमारे खाते से पैसा नहीं कटा। इस पर मैडम झल्लाने लगी।'

'कुछ ही देर में फिर 35000 का मैसेज आया तो कुछ शंका इन्हें भी हुई क्योंकि बात तो 500 की हुई थी और इतना मैसेज क्यों आ रहा है। ये समझ नहीं आ रहा था लेकिन वो भी पैसा बच गया। आखिर में 5000 का मैसेज आया और खाते से पैसे कट गए और उसके बाद मैडम ने भी फोन काट दिया।'

'थोड़ी देर बाद जब हमने फ़िर से उसी नंबर पर कॉल लगाया तो फोन नहीं लग रहा था। शाम हो गई थी इसलिए हम कल आ नहीं पाए। आज सुबह होते ही हम दोनों दौड़े– दौड़े चले आए।'

ये सारी बातें सुनकर एक बार तो हमें बहुत बुरा लगा क्योंकि विट्ठल जी को हम अच्छ से जानते हैं और इतना भी हमें याद था कि जब हमने उनका कार्ड चालू किया तब यह बात समझाई थी कि किसी की बातों में ना आएं और किसी प्रकार के लिंक पर क्लिक ना करें। लेकिन इतना समझाने के बाद भी वे इस तरह की गलती करेंगे ये समझ नहीं आया। तब उनकी धर्मपत्नी ने कहा कि पैसा तो उनके खाते में था फिर भी वो नहीं कटा। भगवान ने साथ दिया। तब हमारे अधिकारी महोदय मुस्कुराते हुए बोले, 'जब मैंने आपका कार्ड चालू करवाया था तब ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की लिमिट को 5000 पर तय कर दिया था। मैं जानता था कि आपको ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की अधिक आवश्यकता नहीं होगी लेकिन इस सुविधा ने आपको और आपकी राशि को आज बचा लिया।' दिनेश जी ने थोड़ा कठोर स्वर में उनको समझाया– 'आजकल इतनी जानकारी टीवी, मोबाइल, अखबार इत्यादि द्वारा दी जाती है फ़िर भी आपने कैसे ये गलती कर दी। मैंने आपको इतना समझाया था। जब कार्ड दिया तो भी आपको लालच क्यों लग

Internal

गया। यह तो हमारे बैंक की सुविधा है जिसमें बैंक के ग्राहकों की चिंता करते हुए हम सबकी लिमिट कम ही रखते हैं अन्यथा आज आपका खाता पूरी तरह से खाली होने में टाइम नहीं लगता।' विट्ठल जी सिर झुकाएं उनकी बातें सुन रहे थे। फ़िर उन्होंने कार्ड ब्लॉक करने के लिए कहा हमने वैसा ही करते हुए नए कार्ड जारी करने के लिए जब उन्हें कहा तो उन्होंने डर के कारण मना कर दिया और कुछ समय बाद के लिए कहा हमने भी उनकी भावनाओं को समझा। हर व्यक्ति के लिए मेहनत की कमाई काफी महत्वपूर्ण होती है।

उसके पश्चात उन्होंने पूछा, 'लेकिन मेरे पैसे का क्या होगा? क्या वो मुझे वापस मिलेगा या अब वापस मिलना मुश्किल है?' तब अधिकारी महोदय ने उन्हें समझाया कि आप साइबर अपराध की जानकारी तथा उससे संबंधित शिकायत टोल फ्री नंबर 1930 पर दर्ज कराए। यहां साइबर पुलिस द्वारा आपके साथ हुए फ्रॉड से संबंधित उचित कार्यवाही की जाएगी। पैसा कब तक आएगा इसके बारे में तो हम कुछ नहीं बता सकते लेकिन इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करवाना जरूरी है जिससे आपके साथ जुड़ी घटना को दोहराने से बचा जा सके।

एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में लगभग हर रोज 7000 से अधिक फ्रॉड के मामले दर्ज किए जाते हैं और उनका हिसाब भी लगाना मुश्किल है जिन्हें दर्ज ही नहीं करवाया जाता। बढ़ते तकनीक से हम मुंह तो नहीं मोड़ सकते लेकिन यह प्रयास तो कर ही सकते है कि सजगता रखें और अपने मेहनत की कमाई को बुरी नजरों से बचाए रखें। जो समय की मांग है।

वर्तमान में तो ना जाने कितने प्रकार के फ्रॉड की सूचनाएं मिल रही हैं। रोज अखबारों में देश के किसी ना किसी कोने में डिजिटल अरेस्ट की जानकारी मिलती है। जब इतनी जानकारी को साझा किया जाता है फिर भी ना जाने क्यों पढ़े लिखे लोग भी शिकार बन जाते है और अपने सालों की कमाई को गवां देते हैं।

सरकार अपने स्तर पर सतर्कता बरतने की सलाह देती है लेकिन आज भी हमारी शाखा में जारी किए जाने वाले कार्ड के साथ यह जरूर बताया जाता है कि आप सदैव सजग रहें किसी प्रकार के लिंक पर क्लिक ना करें और ना ही अपने खाता संबंधित जानकारी किसी से साझा करें। अगर कोई ऐसा कहे कि वो बैंक से बोल रहा है तो आप बैंक में आकर सम्पर्क करें लेकिन अपनी जानकारी साझा ना करें। ये छोटे–छोटे प्रयास ही हमारे ग्राहकों को बचा सकती है जिसके लिए हम और हमारा बैंक स्टाफ सदैव प्रयासरत रहता है।

*****

Internal

Sirsi -
A Hidden Gem in Karnataka

Medha Hegde
Officer
Sirsi 1 Branch

Nestled in the lush green landscape of the Western Ghats, Sirsi is a quaint town in the Uttara Kannada district of Karnataka. Often overshadowed by more well known destinations Sirsi is a hidden gem waiting to be explored. It offers something for everyone—waterfalls, forest trails, rock formations, and wildlife for nature lovers; temples and ashrams for those seeking spirituality; and ancient monuments for history enthusiasts.

The history of Sirsi taluk is intricately linked to the ancient past of Karnataka. Banavasi, the capital of the early Kadamba dynasty, is situated within the present-day Sirsi taluk. It is home to the renowned Madhukeshwar Temple Complex, which beautifully blends Kadamba and Chalukya architectural styles, showcasing the region's rich cultural heritage.

Sonda, another historically significant location in Sirsi taluk, was once the capital of the Sodhe Nayak Kingdom. The Sonda Fort, built by the Sodhe kings around 400 years ago, stands on the banks of the river Shalmala, offering a glimpse into the area's royal past. Additionally, Sonda is renowned for its Jain heritage, with the Swadhi Jain Matha and several Digambar Jain temples scattered across the region.

Marikamba Temple, also known as Doddamma Temple is one of the greatest attractions of Sirsi. The temple is dedicated to Goddess Marikamba, a form of Goddess Durga, and is a significant pilgrimage site for devotees in the region. The temple is known for its beautiful architecture and the annual Marikamba Jatra (fair), which attracts thousands of visitors and devotees. The Mahaganapati Temple is another prominent temple located in Sirsi. This temple is dedicated to Lord Ganesha, and the idol is believed to have spiritual significance and attracts devotees who seek blessings for success and the removal of obstacles in their lives.

Sirsi is home to several mutts (monastic centers), each affiliated with various Hindu traditions and offer a space for meditation, prayer, and learning. The Swarnavalli Mutt is associated with the teachings of Adi Shankaracharya, and it follows the Advaita Vedanta philosophy. There is another mutt named Sodhe Matha, also known as Sri Vadiraja Matha, one of the Ashta mathas established by Sri Madhvacharya, the famous Dvaita philosopher. The matha at Sodhe village was set up by Sri Vadiraja to spread the Dvaita philosophy of Sri Madhvacharya. The main deities worshipped at the Sodhe matha are Lord Bhuvaraha, Lord Hayagriva, and Sri Bhuta Raja.

Sirsi is aptly known as a "Waterfalls Destination," and for good reason. The town is surrounded by a multitude of both major and minor waterfalls, each offering breathtaking views. Notable waterfalls like Unchalli Falls, Shivaganga Falls, Magod Falls, Vibhuti Falls, Muregar Falls, Burude Falls, and Benne Hole Falls are among the highlights. These cascades are particularly stunning during the monsoon season when the waters roar with full force, creating a mesmerizing spectacle of nature's power and beauty.

Internal

The trails leading to these waterfalls offer a perfect escape for nature enthusiasts and adventure seekers alike. Ideal for trekking, birdwatching, and photography, these forest paths provide an immersive experience into the region's rich biodiversity and tranquil beauty. As visitors journey through the lush greenery, they can connect with the natural surroundings and witness the untouched charm of Sirsi up close.

Sirsi is also home to Yana Rock formations, one of the finest creations of the nature. Set amidst the dense forests, the place is famous for the two massive rock outcrops known as the Bhairaveshwara Shikhara and the Mohini Shikhara. The huge rocks are composed of solid black, crystalline karst limestone. Yana is also well known as a pilgrimage center because of the cave temple below the Bhairaveshwara Shikhara where a Swayambhu ("self-manifested") linga has been formed. Water drips from the roof over the Linga, adding to the sanctity of the place.

The forests of Sirsi, nestled within the Western Ghats – a UNESCO World Heritage Site – are teeming with an impressive array of wildlife, both common and rare. The region offers opportunities for thrilling sightings of majestic elephants, elusive tigers, stealthy leopards, and the shy sloth bears. Additionally, species like Chital, Sambar, Nilgai, wild boars, and playful Bonnet Macaques and Langurs are frequently spotted in these lush forests.

For bird enthusiasts, Sirsi is nothing short of a paradise, home to stunning species such as the vibrant Malabar Trogon, the regal Indian Peafowl, and the striking Malabar Hornbill (endemic to this region). Other notable bird species include the Greater Flameback, Black-rumped Flameback, Kingfishers, and Herons. The region also supports a diverse range of reptiles and amphibians, including the mighty King Cobra, Pit Vipers, various geckos, lizards, and frogs like the Indian Bullfrog and Green Tree Frog, further enhancing Sirsi's rich biodiversity.

Thus Sirsi, is a hidden gem where history, culture, and nature intertwine effortlessly, offering an unforgettable journey through time and beauty.

Homage

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in eternal peace.

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
BHANU ORAW	61756	C S A	KUDGHAT	01-01-2025
SOUMIK CHAKRABORY	120082	OFFICER	KOLKATA BALLYGUNJ ST LAWRE SCL	07-01-2025
MANIMARAN A	66868	OFFICER	TRICHY RLY JUNCTION	21-01-2025
BHARGAVAN K	75799	H K CUM OFF ASST	QUILANDY	26-01-2025
MANIKANDAN A	100638	C S A	THEVARAM	02-02-2025
NARAYAN DEVAPPA GOLASANGI	518655	OFFICE ASSISTANT	VANDAL	03-02-2025

Internal

"Cyber Threats"

Meneka
Senior Manager
Model Development Section
Risk Management Wing, HO

In cyberspace, a world so grand,
are dangers, at every command,
where we roam free and data flows free,
are cyber threats, waiting to deceive,
In the digital realm, where we reside,
is a threat, that's always inside,
Threats hide, in every click and share,
Waiting to strike, without a care.

Cyber threats, with malicious intent,
Seeking to steal, or disrupt, and relent,
Seeking to harm, in a single event,

Cyber threats ahead, with malicious might,
Seeking to steal, or disrupt your digital light,
Seeking to harm with a single bite,

Cyber threats ahead, with danger so real,
Seeking to exploit your digital feel,
Phishing scams, malware, and viruses too,
Can steal your data, and compromise you, with a click or two.

So Stay vigilant, stay safe, be aware,
Of phishing scams, and malware to spare.

But you can protect, with caution and care,
Your digital life, and your data to share,
Verify links, and passwords, keep tight,
Don't click on suspicious emails, day or night,
Don't fall prey, to the hackers' delight.

Be cautious of links, that seem so fine,
And passwords that are weak, and easy to divine,
So be cautious, and wise, in the digital age,
Stay one step ahead, of the cyber threat stage,
Keep your software, up to date and new,
And be cautious, of what you do.

Stay vigilant, stay safe, and be aware,
Of the cyber threats, that lurk, and are there.
Remember, safety is just a click away,
Stay informed, and be cyber aware every day!

Internal

"साईकिल की सवारी"

अमित कुमार
डुमराँव शाखा

साईकिल की सवारी, बचपन की यारी
लगती है मुझको बहुत ही प्यारी!
ना ईंधन डालने की टेंशन,
ना धकेलने की परेशानी!
साईकिल की सवारी है सबसे न्यारी,
लगती है सबको बहुत ही प्यारी!!

इसका इतिहास पुराना है!
जब संसार में ना थी कोई गाड़ी,
तब से है इसकी सवारी
एक नहीं बल्कि तीन तक कि है इसकी सवारी!!

दो रुपए में हवा भराती,
इससे ज्यादा कुछ नहीं खाती!
पल भर में रुक जाती,
पलभर में उड़न छू हो जाती!
इसमें एक प्यारी घंटी बजती,
टुनटुन कर मधुर आवाज़ सुनाती!!

हर ज़ाम से छुटकारा दिलाती,
गली – नुक्कड़ कहीं भी चली जाती !
मीलों मील की दूरी पलभर में जाती,
ना रुकती है, ना थकती है,
मद मस्त मगन बस चलती है!!

शरीर को स्वस्थ बनाती,
पर्यावरण को प्रदूषण से बचाती!
सड़क कच्ची हो या पक्की,
हर जगह ये साथ निभाती!

दो पहिया है इसकी सवारी,
बच्चे – बूढ़े सबको प्यारी!
सबसे सस्ती है इसकी कीमत,
हर सफर के लिए है सुरक्षित!!

गरीबों के लिए वरदान है ये,
गांवों के लिए शान है ये!
आओ एक नया संकल्प दुहराएं,
साईकिल चलाए, पर्यावरण बचाए!!

Internal

इतिहास की ओर!

गौरव जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक
अध्ययन एवं विकास केन्द्र

ये उन दिनों की बात है जब हमारा तबादला बेंगलूरू शहर में हुआ था, हमारे कॉलेज के कई साथी जो आई टी कॉम्पनियों में नौकरी करते थे, सो एक जगह इककट्ठा होते ही सबकी अथातो धुमक्कड़ जिज्ञासा जाग उठी, किन्तु दुविधा यह थी कि सबकी जिज्ञासाएँ अलग थीं, किसी को रोमांच भरी यात्रा पसंद थी, किसी को समंदर किनारे बैठकर किताब पढ़नी थी और किसी को किसी ऐतिहासिक स्थल की यात्रा करनी थी, सो सबकी सम्मति अनुसार, बेंगलूरु के सबसे पास में स्थित मैसूरु का चुनाव किया गया व अन्य एक स्थान को हमारे एक मित्र ने गुप्त रखा इस शर्त पर कि यदि सभी ने अच्छा आचरण रखा तो ऐसी जगह की यात्रा जाएंगे जहां सभी को अपनी पसंद अनुसार यात्रा का अनुभव मिलेगा; यह शर्त हालांकि काफी बचकानी लगी लेकिन एक कौतूहल यात्रा के पहले ही जुड़ गया।

बेंगलूरू से मैसूर की दूरी लगभग 149 कि. मी. है, जो लगभग ढाई घंटे में पूरी की जा सकती है, सो हम पाँच लोग एक गाड़ी में सवार हो 08 मार्च को अपने निवास स्थान से सुबह 5 बजे निकल कर, 7:30 बजे तक मैसूर में प्रवेश कर चुके थे और हमारा सबसे पहला पड़ाव था, 'होटल विनायक मेलारी' जो कि मैसूर के नजर्बाद में सन् 1938 से चालित है व यहाँ का मेलरी दोसा अपने विशिष्ट स्वाद के लिए विश्वप्रसिद्ध है। उदर व मन दोनों तृप्त होने तक खाने के बाद हम जा पहुंचे अपने सबसे पहले दार्शनिक स्थल – 'मैसूरु महल' अथवा 'अम्बा विलास महल' को देखने के लिए।

'मैसूर महल' जाते हुए आप एक विशालकाय व भव्य चौराहे के सामने से हों कर गुजरते हैं जिसका नाम 'हार्डिंग सर्कल' है व यहाँ, मैसूर राज्य पर लगभग 600 साल राज करने वाले वादियार राजवंश के आखिरी राजा 'राजा जयाचामराजेन्द्र वादीयर' की एक भव्य मूर्ति दिखती है, व यहीं से आपको इस राजवंश की शान–शौकत का आभास होने लगेगा। महल के विशालकाय प्रवेश द्वार व महल के परिसर में बना हुआ मनभावन बगीचा आपको अत्यंत सुगमता से शारीरिक व मानसिक दोनों ही रूप में मैसूर के ऐतिहासिक राजस्व की ओर आकर्षित करना प्रारंभ कर देती है।

मैसूर का ये आलीशान महल सन् 1897 से सन् 1912 प्रसिद्ध वास्तुकार सर हेनरी इरविन के द्वारा इंडो–इस्लामिक शैली में बनाया गया था व इसको बनाने में कुल 42 लाख रु की लागत आई थी। यहाँ का एंट्री टिकट 100 रु प्रति व्यक्ति है व इसको पूरी तरह से घूमने में, सम्पूर्ण महल में उपस्थित विभिन्न कलाकृतियों को निहारने में, उनसे जुड़े इतिहास को जानने में आप पूरा एक दिन यहाँ बिता सकते हैं। वादियार राजवंश का तत्कालीन मैसूर राज्य में शासन सन् 1399 से आजादी होने तक रहा, जिसमें 40 वर्ष हैदर अली व टीपू सुल्तान द्वारा शासित होना भी शामिल है; जिसको कुछ इतिहासविद एक प्रकार का समय–अंतराल भी मानते हैं। मैसूर राज्य एक समय पर सम्पूर्ण भारत में सबसे आधुनिक व सुचालित प्रिन्स्ली स्टेट में से एक था, व वादीयर वंश के आजादी के पहले रहे दो राजा, राजा कृष्णराज वादीयर iv व राजा जयाचामराजेन्द्र वादीयर ने वर्तमान मैसूर व वर्तमान के लिए एक शक्तिशाली नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है; जिसमें यहाँ का प्रसिद्ध के. एस. आर बांध हो या भारतीय विज्ञान संस्थान को स्थापित करने के लिए श्री रत्न जी टाटा को ग्रांट देने की बात हों, यह वादीयर राज के काल में ही था की सन् 1905 में बेंगलूरू विद्युत चालित स्ट्रीट लाइट वाला एशिया का पहला शहर बना, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर भी 1915

Internal

में कृष्णराजा वादीयर iv के शासन काल में ही स्थापित हुआ।

हम पाँच लोग लगभग 3 घंटे इस महल में घूम रहे थे, इनमें से दो लोग काफी हद तक इतिहासविद मालूम होते थे, जो हमे वहाँ की स्थापत्य कला, अलग–अलग अंतराल वादियार राजवंश की बदलते समीकरणों के बारे में बताते चल रहे थे, व तीन लोग ऐसे थे जो कहीं ना कहीं अपने सामने बिखरी पड़ी इस भव्यता से प्रभावित तो हो रहे थे किन्तु साथ में ये रट भी लगाए हुए थे कि इससे अच्छा तो गोवा चले जाते, रेत किनारे बैठ कर अपने भूत, वर्तमान और भविष्य के बारे में सोच लेते। बीच में सवाल भी उठ रहा था की, मैसूर के बाद कहाँ जाना है?

लगभग एक बजे हम लोग महल के परिसर से बाहर आए व कुछ ही दूर पर स्थित मैसूर नंदिनी नामक भोजनालय में गए व यहाँ की केले के पत्ते पर परोसी जाने वाली आंध्रा थाली का सेवन किया, पुन: उदार व मन तृप्त होने तक !

दोपहर के ढाई बज रहा था, तेज धूप और एक ही दिन में सब देख लेने की कोशिश में हम पास में ही सय्याजी मार्ग पर स्थित कावेरी कला एवं शिल्प केंद्र, जो कि कर्नाटक की सरकार द्वारा ही संचालित है, जा पहुंचे। यहाँ आपको मैसूर की सभी कला एवं हस्तशिल्प के एक से एक वस्तएँ जैसे – धूपबत्ती, कुर्सी–मेज, मैसूर सिल्क से बने वस्त्र, शंख, विभिन्न किस्म के रत्न, आभूषण मिल जाएंगे। लेकिन हम सभी पाँच लोगों को सबसे ज्यादा एक ही चीज अच्छी लगी वह था मैसूर का प्रसिद्ध 'मैसूर संदल सोप' जो कि 100 प्रतिशत चंदन के तेल से बना होने का प्रमाण रखता है। 5 लोग थे व 15 साबुन लेकर ऐसे एम्पोरिम से बाहर निकले जैसे अभी किसी नदी या तालाब में नहाने कूद पड़ेंगे।

खैर इसके बाद हम यहाँ से लगभग 10 मिनट की दूरी पर स्थित मालगुड़ी कॉफी शॉप गए जो कि ग्रीन होटल के अंदर स्थित है व पहले यह चितरंजन महल हुआ करता था। यहाँ बैठकर हमने अगले दिन की यात्रा के बारे में अपने झुंड के सरदार से कुछ जानकारी निकलवाने की कोशिश की किन्तु उसने केवल इतना बताया कि उस जगह का रास्ता लगभग 8 घंटे का है व हमें सुबह 5 बजे मैसूर से रवाना होना होगा। अपने दिन का समापन हमने मैसूर महल से कुछ ही दूरी पर स्थित करंजी झील में नौकासवारी करते हुए की। यह झील यहाँ बने हुए श्री चामराजेन्द्र चिड़ियाघर के प्रयासों द्वारा वास्तविकता में लाई गई है, व यहाँ आपको कई अद्भुत प्रजाति के पक्षी भी देखने को मिल सकते हैं।

09 मार्च की सुबह 5 बजे हमने मैसूर को अलविदा कहा और निकल पड़े अपने अगले रहस्यमय गंतव्य की ओर। गाड़ी भी सरदार ही चला रहे थे तो हम सब थोड़े उत्सुक व थोड़े घबराए हुए से बैठे थे कि आखिर कहाँ जा रहे हैं? कुछ ही समय में हम श्रीरंगपट्टनम, जो की टीपू सुल्तान की राजधानी हुआ करती थी, से निकले, एक बार तो हमें लगा कि हम वापस बेंगलूरू ही जा रहे हैं और फिर जब चलते–चलते हमें लगभग पाँच घंटे हो गए थे और हम खाना खाने कही रुके तो एक मित्र ने झुँझलाते हुए कहा कि अब बता भी दो गुरु! किसीको नहीं पता है कि हम कहाँ हैं, दफ्तर में बोला है कि होली की छुट्टी पर घर जा रहे हैं और घर पर बोला है कि दफ्तर से छुट्टी नहीं मिली इसलिए नहीं आ रहे। और हम तो खुद ही नहीं जानते कि कहाँ जा रहे हैं। इस मित्र का इतना भावभीन क्रंदन–रूदन सुन कर, सरदार ने हमें एक और संकेत दिया कि हम जा रहे हैं, 'इतिहास की ओर।' हम सबके मुहँ से सहसा एक साथ निकल गया, 'इतिहास की ओर मतलब क्या!'

उत्तर अभी भी नहीं मिला था लेकिन अब कयास लगने और तेज हों गए थे कि ऐतिहासिक तो गोवा भी है, या ऐतिहासिक तो मंगलूरू भी है और भी ना जाने क्या–क्या। लेकिन सरदार मंद–मंद मुसकुराते रहे। जब शाम का लगभग 4 बज गया व और मैसूरु के हरे भरे वातावरण को कब के पीछे छोड़कर अब जब हम एक रेतीले से प्रांत में प्रारंभ होना शुरू हुए जहां दूर से बड़े–बड़े पत्थर नजर आ रहे थे और एक उतावला मित्र अपनी पूरी ताकत से चीख पड़ा हम्पी और सरदार ने भी खुश होकर हामी भरी 'हाँ जी।' हम्पी देखते ही कोई खुश हुआ, किसी का गोवा जाने का सपना टूटा, किसी का

Internal

स्काइ–डाइविंग जैसा कुछ करने का ख्वाब धूमिल हुआ व किसी को ज्यादा फरक पड़ा नहीं। सभी प्रकार की आशा–निराशा लेकर हम्पी में ही स्थित हम अपने होटल में शाम 5 बजे पहुँच चुके थे।

फिर हमारे सरदार ने बताया कि अभी जिस मैसूर से अभिभूत होकर हम आए हैं, कभी वह भी यहाँ के विजयनगर साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था, वह विजयनगर साम्राज्य जो सन् 14वी से 16 वी शताब्दी तक देश ही नहीं विश्व के बड़े साम्राज्यों में से था व इसकी तुलना कई कवियों, लेखकों व यात्रियों ने रोमन साम्राज्य से की थी। हम्पी, जो कि आज यूनेस्को की विश्व विरासत है, कभी यह विजय नगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। इस साम्राज्य की स्थापना हरिहर व बुक्का ने सन् 1336 में की थी। हम्पी को राजधानी बनाने का मुख्य कारण इसकी भौगोलिक स्थिति व धार्मिक महत्ता भी थी। चूंकि यह तुंगभद्रा नदी के किनारे पर स्थित है, अतः यहाँ की मिट्टी उपजाऊ थी, शत्रुओं से लड़ने के लिए इसकी भौगोलिक स्थिति काफी अच्छी थी व यहाँ पहले भी रामायण काल के किष्किंध होने की धारणा रही थी।

रात्री भोजन के बाद जब हम सोने की तैयारी में थे तभी हमारे सरदार मित्र फिर आए व बाहर चलने को कहने लगे। उनके पीछे जब हम सब यहाँ के विरूपाक्ष मंदिर पहुंचे जो कि हमारे होटल से 5 मिनट की दूरी पर ही था, यहाँ शांति नहीं उत्सव का माहोल था, पूर्णिमा की रात थी व सब तरफ ढोल–नगाड़े बज रहे थे, लोग नाच रहे थे– गा रहे थे। कुछ देर में समझ आया कि यहाँ होलिका दहन की तैयारी हो रही थी। दूर–दूर से लोग केवल हम्पी में होली मनाने के लिए आए हुए थे। मध्यरात्रि में होलिका दहन हुआ, सभी जी भर कर नाचे व अपने बचपन की होलिका दहन की यादें ताज़ा करते करते हम वापस होटल आए व अगले दिन के लिए, किसी उत्साहित बच्चे की तरह सो गए।

10 मार्च को सुबह जब पुनः विरूपाक्ष मंदिर के बाहर पहुंचे तो अलग ही छटा बिखरी हुई थी, लोग एक दूसरे को रंग लगा रहे थे, गले मिल रहे थे, संगीत की धुन पर नाच रहे थे, इतना जीवंत व आनंदमय वातावरण हमने कभी नहीं देखा था जो आज देख रहे थे। कुछ समय बाद यह काफिला हम्पी के रिहायशी इलाके में से गुजरा व लोग अपने–अपने घरों में से ही रंग व पानी डाल रहे थे, बीच में रुकते, हर किसी को होली की शुभकामनाएं देते हुए लगभग ढ़ाई बजे सभी तुंगभद्रा के एक किनारे पर पहुंचे व अपने शरीर पर लगा रंग छुटाया, कुछ देर यूं ही बैठे पानी को निहारते रहे व लगभग 3 बजे हम वापस अपने कक्ष में आकर खाना खाकर सो गए।

अगले 3 दिन हम फ़ुरसत से यहाँ के धार्मिक केंद्र, राजसी केंद्र में खूब घूमे, कॉरकल बोट की मजेदार सवारी की, पहाड़ी से तुंगभद्रा में डुबकी लगाई, प्रमुखतः विरूपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर व प्रांगड़ में उपस्थि एक एक वस्तु व शिल्प को महसूस किया, विजयनगर साम्राज्य की विशालता की थाह लेने का प्रयास किया, किन्तु हम्पी वास्तविकता में एक जीवित संगृहालय तो है ही साथ ही यहाँ आप रोमांचक गतिविधियां, भक्ति, इतिहास किसी भी उद्देश्य से जा सकते हैं।

विजयनगर साम्राज्य काल में यहाँ सभी राजा अत्यंत प्रभावशाली रहे थे किन्तु सबसे अधिक राजा कृष्णदेव राय रहे जिन्होंने हर क्षेत्र में नई–नई उपलब्धियां हासिल की। जब हम अंततः हम्पी से वापस बेंगलूरू जा रहे थे तब हम सन् 1565 की उस तालीकोट के युद्ध के बारे में सोच रहे थे जो विजयनगर के तत्कालीन राजा रामरैया व दक्कन सल्तनत के पांचों सुल्तानों के बीच हुआ व हम्पी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया, ऐसा कहा जाता है कि हम्पी 6 महीनों तक जलता रहा किन्तु अचानक हुए विजयनगर के पतन से इसके अधीन रहे बाकी सभी राज्यों को धीरे–धीरे अपने राजवंशों की नींव रखने और मजबूत करने का मौका मिला। हम्पी के संदर्भ में लिखी गई एक कविता की कुछ पंक्तियों को दोहराते हम चले जा रहे थे अपने वर्तमान की ओर:

छोड़ गया कोई बालक जैसे
यूं ही बेसुध पड़े हुए हैं
इंतज़ार में पुनः खेल के
मानो कब से खड़े हुए हैं।

*****

Internal

सतर्कता से है समझदारी

अस्मिता द्विवेदी
अधिकारी
खोवामंडी शाखा, जबलपुर

सतर्कता से है समझदारी
अब समझो अपनी जिम्मेदारी

अपने खाते को गोपनीय रखना
OTP कभी शेयर न करना
जो आए अनजाने लिंक
झट से कर देना न क्लिक

सोच समझ कर कदम उठाना
जाल में उनके फंस न जाना
यदि लेनी हो कोई जानकारी
फौरन आओ बैंक हमारी

कर्मचारी हैं सेवा में तत्पर
शंका मिटेगी उनसे मिलकर
यदि करोगे ये सब काम
कभी नहीं खाओगे धोखा
चोरों को न मिलेगा मौका

अनजाने कॉल जब आए
आधार OTP पूछा जाए
उनसे दूर से करना राम राम
कभी न बिगड़ेंगे कोई काम

पासवर्ड न शेयर करना
एटीएम पिन न लिखकर रखना
सब कर लेना मेमोरी में सेव
तभी रहोगे बिलकुल सेफ

जो कहे करेंगे पैसे दुगने
उनके झांसे में न आना
अनजाने लोगों से मिलकर
बचत को अपनी नहीं गंवाना

जब करना हो सही निवेश
बैंक को मानों सबसे श्रेष्ठ
इसी से है सबका हित
सतर्क रहो, रहो सुरक्षित

Internal

Wisdom capsule

The Wise King and the Fate of Two Mothers

In a distant Kingdom, there lived a wise King known for his fairness and justice. One day, two women came to him, each claiming to be the mother of the same baby. Both women argued vehemently, each insisting that the child was hers.

The King listened to their arguments but could not determine who was telling the truth. After pondering the situation, he called for a sword. The women were confused, but the King then declared, "Since both of you claim the child, I will cut the baby in half, and each of you will receive one half."

The first woman gasped in horror and immediately cried out, "No, Your Majesty, please don't kill the child! Let her have the baby. I would rather lose him than see him harmed." The second woman, however, agreed with the King's proposal. "Yes, that is fair. Neither of us should have him if I cannot have him all to myself."

The King, seeing the reactions of the two women, immediately understood who the real mother was. He ordered the baby to be given to the first woman, saying, "Only the true mother would be willing to give up her child to save its life." The second woman was taken away and punished for her deceit, and the true mother left the court with her baby, grateful for the King's wisdom and justice.

Moral of the Story: True love is selfless and willing to make the ultimate sacrifice for the well-being of others. True justice requires wisdom and discernment beyond appearances.

*****

The more that you read, the more things you will know, the more that you learn, the more places you'll go.

– Dr. Seuss

Internal

परंपरा में निहित, नवाचार द्वारा संचालित– कर्नाटक की अद्भुत संस्कृति

आशीष शर्मा
ग्राहक सेवा सहयोगी
बेरसिया शाखा

कर्नाटक, एक ऐसा राज्य जहाँ परंपराओं की गहरी जड़ें आधुनिक नवाचारों की ऊँचाइयों से मिलती हैं। ऐतिहासिक धरोहरों, अद्वितीय सांस्कृतिक परंपराओं और अत्याधुनिक तकनीकी विकास का यह संगम इस राज्य को विशेष बनाता है।

कला और संस्कृति का समृद्ध केंद्र

कर्नाटक नृत्य, संगीत और रंगमंच की अनुपम विधाओं का संगम है। यहाँ के प्रमुख पारंपरिक नृत्य रूपों में यक्षगान, भरतनाट्यम और कामसले शामिल हैं, जो राज्य की जीवंत संस्कृति को प्रतिबिंबित करते हैं। कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार है, पूरे विश्व में लोकप्रिय है। वीणा, मृदंगम और बांसुरी जैसे वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनियाँ कर्नाटक की आत्मा को व्यक्त करती हैं।

लोकगीत और पारंपरिक संगीत

कर्नाटक में त्योहारों और विशेष अवसरों पर गाए जाने वाले लोकगीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। विशेष रूप से संक्रांति पर गाया जाने वाला प्रसिद्ध कन्नड़ लोकगीत "Ellu Bella Thindu Olle Maathu Aadu" (ಎಳ್ಳು ಬೆಲ್ಲ ತಿಂದು ಒಳ್ಳೆ ಮಾತು ಆಡು) सांस्कृतिक सौहार्द और आपसी प्रेम का संदेश देता है। इसका हिंदी अनुवाद इस प्रकार है:–

"तिल–गुड़ खाओ, मीठे बोल बोलो"

तिल–गुड़ खाओ, मीठे बोल बोलो,
स्नेह बढ़े, प्रेम का दीप जलाओ।
संक्रांति आई, खुशियाँ संग लाई,
धान कटे, खेतों में लहराए हरियाली।
गुड़ की मिठास, तिल का संग,
रिश्तों में लाए नया उमंग।
सबको प्रेम और आनंद बाँटो,
नफरत को दिल से हटाओ।

यह गीत विशेष रूप से संक्रांति के अवसर पर गाया जाता है, जब लोग एक–दूसरे को तिल–गुड़ भेंट कर शुभकामनाएँ देते हैं।

परंपराओं और नवाचार का संगम

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु को "भारत की सिलिकॉन वैली" कहा जाता है, जहाँ सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप्स और नवाचार की दुनिया पनप रही है। इसरो (ISRO) का मुख्यालय भी यहीं स्थित है, जो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों का संचालन करता है। वहीं दूसरी ओर, बेलूर, हम्पी, और मैसूर महल जैसी ऐतिहासिक धरोहरें इसकी सांस्कृतिक गहराई को दर्शाती हैं।

भोजन और परिधान की अनूठी शैली

कर्नाटक में डोसा, इडली, वड़ा, रागी मडके और बिसिबेले बाथ जैसे पारंपरिक व्यंजन अत्यंत लोकप्रिय हैं। यहाँ भोजन केले के पत्तों पर परोसे जाने की परंपरा को जीवित रखता है। परिधान की बात करें तो, पुरुष धोती और कुर्ता जबकि महिलाएँ मैसूर सिल्क साड़ी पहनती हैं, जो कर्नाटक की विशेष पहचान है।

लोक पर्व और उत्सव

कर्नाटक में मैसूर दशहरा, उगादि, मकर संक्रांति, करगा उत्सव और हट्टारी महोत्सव जैसे त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाए जाते हैं। इन पर्वों के दौरान लोकगीत, नृत्य और पारंपरिक अनुष्ठान पूरे राज्य को एक रंगीन छवि प्रदान करते हैं।

कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जहाँ परंपरा और नवाचार का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। यहाँ की संस्कृति, संगीत, नृत्य और त्यौहार इसे न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। "परंपरा में निहित, नवाचार द्वारा संचालित" इस राज्य की अनूठी विशेषता है, जो इसे निरंतर प्रगति की ओर ले जा रही है।

Internal

Whispers from HAMPI

Mousumi Mohanty
Officer
HRM Section
Cuttack Regional Office

Tenali Raman stories have always fascinated me since childhood. Witty and humorous stories of Raman from the Vijayanagara Kingdom have always made me more curious towards that Golden era of the Vijayanagara Empire.

Hampi today stands as the Glorious testament of the Mighty Vijayanagara Empire. Hampi is located in the Vijayanagara district of Karnataka and is a UNESCO World Heritage Site. Spread across 4000 hectares, it includes forts, temples, shrines, pillared halls, scenic riversides and several magnificent monuments along with the scenic beauty of Tungabhadra River. It continues to be an important archaeological site with various monuments and temples.

Hampi was the centre of Vijayanagar Empire in the 14th century. It was a wealthy and affluent city and it narrates the story of a powerful empire that ruled India for almost 200 years.

Travelogues of various European and Persian travellers depicts the glorious and prosperous story of Hampi. It was considered the second largest city in terms of business, only next after Beijing during 1500s. Today it mainly comprise of the remnants of the Capital city of the Vijayanagara Empire. Some of the notable and significant structures at Hampi which narrates its story are:

Virupaksha Temple:

This temple is dedicated to Lord Shiva and is still used for worship. It was a site of pilgrimage built by Lakkan Dandesha, under the aegis of ruler Deva Raya II. It was later developed into a large complex somewhere between 13th to 16th century under the Vijayanagar rule. It is one of the oldest active temple in India.

The most eye catching feature of this temple is that it is built using mathematical concepts and the main shape of the temple is triangular. This temple's intricate patterns and triangular shape are based on mathematical concepts, like fractals, geometry and the Fibonacci sequence are utilised in the construction. The temple features an inverted pinhole image of its tower on the inner wall, a remarkable example of the ancient engineering.

Vittala Temple:

Built in the 15th century, the Vittala temple is dedicated to Lord Vittala, an avatar of Lord Vishnu. The temple is known to be the grandest among all the temples in Hampi. The architecture of the temple depicts characteristics of the South Indian Temples. This complex is famous for its musical pillars and the stone chariot.

The Stone Chariot of Vittala Temple is actually a shrine that has been designed in the shape of an ornamental chariot. The Shrine is dedicated to Garuda enshrined in the sanctum.Garuda- the carrier of Lord Vishnu as per the Hindu Mythology.

Even the new denomination 50 Rupees note today, has motif of “Hampi with Chariot” on the reverse, depicting the cultural heritage of India.

One of the unique feature of this Vittala temple is its elaborately carved musical pillars which produces

Internal

musical sounds when tapped. These musical pillars are the prime attraction of the place. The temple features 56 musical pillars, which can also be termed as the epicentre of tourist attraction. These musical pillars are also known as the SAREGAMA pillars, which indicates the musical notes emitted by them.
The emission of musical notes from the stones pillars was a mystery that fascinated many people down the centuries. Even the Britishers in India were wonder struck and wanted to discover the secrets behind the musical pillars. To satisfy their curiosity they had cut down two of the musical pillars of the Vittala Temple to check whether anything existed inside the stone pillars that resulted in the emission of musical notes.However they found nothing and those two cut pillars still exist inside the temple complex.

Lotus Mahal:

The Lotus Mahal or Chitrangini Mahal can be distinguished for its unique archaeological designs. It is a perfect example of Vijayanagara style of architecture and is two storied built in Rubble masonry and finely plastered. It is named for its resemblance to a lotus flower, with the central dome mimicking the bud and the balcony and the passage which resembles the petals of lotus flower. The roof showcases a multi layered design reflecting Indo architectural style, supported by 24 pillars that provides excellent support to the arched windows in the palace. It is believed that this structure was used as residue place for royal family of the Vijayanagara Empire.

Stepped Tank:

The stepped tank is commonly known as the Pushkarani in Hampi. It is clear from its design that this was once a royal pride. This location is similar to many classic Rajasthani stepping tanks and it offers excellent views of the surrounding countryside. In Pushkarani all structures follow a similar architectural form, designed symmetrically as either rectangles or squares. The steps carved into the sides of each Pushkarani allowed worshippers to easily get in and out of the water . The Pushkarani were fed with water of the nearby Tungabhadra river through a series of canals and aqueducts.

Elephant Stables:

The Elephant Stable in Hampi is an impressive structure that was used to provide shelter for the royal elephants of the Vijayanagara Empire.The stable consists of eleven chambers, roofed with alternating domes and twelve sided vaults arranged symmetrically on either side of a raised central upper chamber. The impressive Elephant stable serves as a reminder of the Hindu empire's power in the battle. These stable exemplify the complex carvings of that era, offering an intriguing peek into the past.

Tenali Rama Pavilion:

The pavilion reminds people of the witty and impressive Tenali Raman of Vijayanagara Empire. He was one of the Asthadiggajas of the King Krishna deva Raya's court. Perhaps the Tenali Rama Pavilion was built by the king to show his fondness for his court poet and to let everyone know about his talent. The Tenali Rama Pavilion is a small stone structure constructed in the Vijayanagara style of architecture reminds people about the tales of the legendry Tenali Rama.

Apart from being a UNESCO World Heritage site, Hampi is also popular for its scenic and serene beauty. The monuments of Hampi narrates the glorious past of India. The marvellous art work and sculptures has endured the test of time to whisper the glory of the past, to the future generations. These monuments of Hampi and ruins stands as a testament to the impermanence of Human achievements.

Internal

Vangi Bath

By HML team

Vangi Bath is a delicious recipe combining eggplants and rice from the Karnataka cuisine. This Vangi Bath recipe features the unique spice blend of vangi bath masala powder and tamarind pulp as two of the essential ingredients that make this rice based dish tangy and flavorful.

Preparing Vangi Bath is very simple. Proceed by cooking the rice first and preparing the eggplant gravy next. Then, just mix the cooked rice with the eggplant gravy. If you have leftover rice with you, then this rice based dish becomes quicker to prepare.

Ingredients

- 2 cups of cooked rice.
- 2 to 2.5 tablespoons vangi bath masala powder (mentioned below)
- 200 grams brinjals (small to medium-sized green or purple – cut in long pieces and soaked in salted water for 15 to 20 minutes
- 1 tablespoon Tamarind pulp
- 2 tablespoons cooking oil.
- ½ teaspoon mustard seeds
- ½ teaspoon urad dal
- 2 tablespoons roasted peanuts/cashews
- 1 stalk curry leaves or 10 to 12 curry leaves
- ⅛ teaspoon asafoetida (hing)
- 1 to 2 dry red chilies (seeds removed)
- ¼ teaspoon turmeric powder
- salt as per taste
- 2 tablespoons coconut – fresh & grated, optional
- ¼ to ½ teaspoon jaggery
- 2 to 3 tablespoons coriander leaves – chopped), optional

Ingredients for Vangi Bath powder

- 1 tsp oil
- 3 kashmiri red chilli, dried
- 1 tsp urad dal
- 1 tsp chana dal
- ¼ tsp methi seeds / fenugreek seeds
- 1 tsp coriander seeds
- ¾ tsp poppy seeds / khas khas
- 1 inch cinnamon stick
- 3 cardamom / elaichi
- 3 cloves
- 2 tsp coconut, dried / desiccated

In a large kadai add a tsp of oil and fry red chillies till they puff up and keep aside. Add Urad dal, Chenna dal, Coriander seeds, Methi, Poppy seeds, Cinnamon stick, Cardamom, Cloves and Coconut. Roast them on medium flame till they turn aromatic. Transfer to a plate and let them cool. Once cooled transfer the roasted spices to a small blender and grind them to smooth and fine powder. This can be stored in an airtight container.

How to make Vangi Bath

- Remove the crowns of brinjals , slice them vertically in 4 pieces and place them in salt water.
- Heat 2 tablespoons of oil in a pan or kadai. Add ½ teaspoon mustard seeds. Once they begin to crackle, add ½ teaspoon urad dal, 2 tablespoons roasted peanuts or cashews. Sauté till the urad dal becomes golden, then add 1 to 2 dried red chilies, 1 sprig curry leaves and ⅛ teaspoon asafoetida.
- To this mixture add the sliced brinjals and turmeric powder. Mix well and cover the pan with a lid and allow it to cook. Check at intervals. If the brinjals start sticking to the pan while cooking, sprinkle some water, cover and cook.
- Once half done, add the tamarind pulp cook for a minute . Then, add 2 to 2.5 tablespoons of the prepared Vangi Bath masala powder and mix well.
- Once the brinjals are well cooked, add grated fresh coconut and jaggery powder and 2cups of cooked rice.
- Turn off the flame and mix it well .

Serve hot and tasty Vangi Bath, with raita, papad or chips.

Internal

Why do I feel so sad

— Dr. Shefali Batra

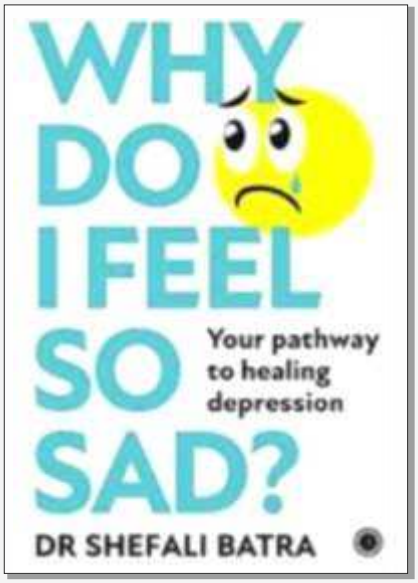

MRP: ₹799 | Pages: 293
Language: English | Genre: Self-Help

"Why do I feel so sad", by Dr. Shefali Batra is a one stop read for anyone who wants to look deeper within themselves, analyse their emotions, predominantly, the emotion of being sad. It is a comprehensive guide that caters to the multifaceted nature of depression, helping to assist readers in understanding and overcoming this illness. There are innumerable books on depression, anxiety, self-help, etc written by foreign authors that are available. However, this topic has not much been discussed by Indian authors. As this book is written by an Indian author, it helped to resonate to the many concepts, real - life examples and theories explained. It felt more relatable. It is a perfect self-help handbook that creates an environment where you can translate your troubled state of mind into a meaningful life.

The author grounds her writing through scientific models and it is written in a way wherein the reader also gets the opportunity to engage in the process of decoding oneself. She has incorporated a series of exercises that we can do and analyse the results. The author reiterates that in order to understand depression, one should be able to get rid of the stigma surrounding the same. It should be accepted like an illness just like a common cold or gastritis. However, Dr. Shefali Batra rightly mentions that depression and common cold are not the same, as common cold cannot kill you, but depression can. In order to help oneself to overcome the prolonged sadness one may be facing, they should be aware about the demon he/she is fighting. The author says that we are originally designed to be habitually not depressed, not negative and not pessimistic.

The book is raw, asking us questions, about how we may be camouflaging emotions, or if we are on the positive path in life. The book also elaborates on the myths associated with depression. For example, *"If you do things that make you happy, your depression will vanish."* The author also explains ways through which one can snap out of the myths. The author says that everything we feel in any situation is an outcome of how we are thinking about it. Thoughts have a major role in determining how we feel. The constant narrative and repetitive messages you send to your brain have a colossal impact on your emotions. It traverses on how we view things in life and how our past experiences impact our behaviour. It provides various methods and hacks with which one can manoeuvre to feeling better or positive.

"Why do I feel so sad?" serves as a valuable resource for individuals seeking to understand depression, however, individuals experiencing severe illness may require intervention beyond the scope of this book.

By **Winnie J Panicker**
Manager, HM&L Section

Internal

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. सत्यनारायण राजु, हमारे बैंक के कार्यपालक निदेशक के पद का कार्यभार संभालने पर श्री एस के मजूमदार का स्वागत करते हुए।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju welcoming Sri. S K Majumdar on his reporting to the post of Executive Director of our Bank.

दिनांक 25.02.2025 को प्रधान कार्यालय में आयोजित 195वीं राभाकास बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया द्वारा श्रेयस पत्रिका के 298वें संस्करण का विमोचन किया गया। छायाचित्र में श्री डी. सुरेन्द्रन, मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, श्रीमती आर. अनुराधा, मुख्य महाप्रबंधक, खुदरा आस्ति विभाग तथा अन्य कार्यपालक व कर्मचारीगण भी दिखाई दे रहे हैं।

Shreyas 298 edition being released by ED Sri. Hardeep Singh Ahluwalia at the OLIC meeting held at Head Office on 25.02.2025. Sri. D Surendra, CGM, HR Wing, Smt. R Anuradha, CGM, RA Wing, and other executives and staff also seen in the picture.

श्री भवेन्द्र कुमार, कार्यपालक निदेशक द्वारा अहमदाबाद अंचल कार्यालय की हिंदी पत्रिका साबरमती–संवाद का विमोचन किया गया । छायाचित्र में श्री शम्भू लाल, महाप्रबंधक, अहमदाबाद अंचल कार्यालय तथा अन्य कार्यपालकगण भी दिखाई दे रहे हैं।

ED Sri. Bhavendra Kumar releasing the magazine Sabarmati- Samvaad at Ahmedabad CO. Sri. Shambhu Lal, GM, Ahmedabad CO and other executives also seen in the picture.

रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83

Internal

Painting by:
Nithin M K
Senior Manager
Kannur RO